@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शुक्रवार, 14 अगस्त 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 281 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

नांदेड़ में सुखबीर सिंह बादल पर हमला

सीएम फडणवीस ने दिए जांच के आदेश

डेढ़ साल पहले चली थी गोली

एजेंसी
नई दिल्ली । शिरोमणि अकाली दल के नेता और पंजाब के पूर्व उप मुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल पर नांदेड़ में हमले की खबर सामने आ रही है। बादल पर नांदेड़ के एक गुरुद्वारे में निहंग ने हमला किया। हमले में उनके हाथ में चोट लगी है। उन्हें यशोमती अस्पताल में भर्ती कराया गया है। नांदेड़ पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस ने क्या कहा?
पुलिस के मुताबिक, बादल पर एक गुरुद्वारे के पास हमला हुआ। इसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में बादल एक इमारत के अंदर जाते हुए दिखाई दे रहे हैं। उनके दाहिने हाथ पर कपड़ा बंधा हुआ है।

पत्नी के साथ तख्त श्री हजूर साहिब गए थे सुखबीर बादल
इससे पहले दिन में सुखबीर बादल अपनी पत्नी हरसिमरत कौर बादल के साथ नांदेड़ के तख्त श्री हजूर साहिब गए थे। हरसिमरत कौर बादल अकाली दल की सांसद हैं। हमला सुबह करीब 11 बजे हुआ।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने दिए जांच के आदेश
महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने हमले के मामले में नांदेड़ के पुलिस अधीक्षक (एसपी) से जानकारी मांगी है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने पुष्टि की कि इस मामले में एक व्यक्ति को तुरंत गिरफ्तार किया गया है और हमले के पीछे की मंशा की जांच करने के लिए आदेश दिए गए हैं।

हमले में सुरक्षाकर्मी भी घायल

हमला नांदेड़ के गुरुद्वारा माता साहिब कौर में हुआ। बताया जा रहा है कि बादल के एक सुरक्षाकर्मी संतोष केंद्रे पर भी हमला किया गया। शुरुआती जानकारी में सुखबीर बादल पर कृपाण से हमला होने की बात सामने आई है।

एयर इंडिया टर्बुलेंस मामला

एयरलाइन कराएगी सभी पायलटों का डोप टेस्ट

सरकार ने बताया कब आएगी अंतरिम रिपोर्ट

एजेंसी
नई दिल्ली । एअर इंडिया की फुकेत-दिल्ली उड़ान (एआई 2379) के टर्बुलेंस मामले में एएआईबी की अंतरिम रिपोर्ट एक महीने से पहले आने की उम्मीद है। यह जानकारी सूत्रों की ओर से गुरुवार को दी गई। थाईलैंड के फुकेत से दिल्ली आते समय 36 हजार फुट की ऊंचाई पर उड़ रहा एअर इंडिया का विमान एआई 2379 अचानक से 300 फीट नीचे आ गया था, जिससे करीब 24 लोग घायल हो गए थे।

कब आएगी रिपोर्ट?
सूत्रों ने बताया कि सरकार ने विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) को इस मामले में जांच तेज करने के निर्देश भी दिए हैं। एअर इंडिया के अहमदाबाद में दुर्घटना का शिकार हुए विमान एआई-171 के मुकाबले इस मामले में सारे सबूत मौजूद हैं। एफडीआर और सीवीआर को सुरक्षित कर लिया गया है। मेडिकल जांच के रिकॉर्ड और बयान इकट्ठा किए जाएंगे। इससे जांच तेजी से आगे बढ़ेगी।
इसके अलावा, विमानन नियामक और नागर विमानन मंत्रालय ने एअर इंडिया को फटकार लगाई है। एअर इंडिया से कहा गया है

कि वह अपने काम करने के तरीके को ठीक करे। फ्लाइट क्रू के डोपिंग की समस्या से निपटने के लिए कड़े नियम बनाने की जरूरत है।

एफडीआर-सीवीआर की जांच तेज होगी
सूत्रों के मुताबिक, एफडीआर और सीवीआर डाटा के विश्लेषण में तेजी लाई जाएगी। कड़े कानून बनाने और कड़ी सजा का प्रावधान करने के लिए एएआईबी की जांच और रिपोर्ट की प्रक्रिया को तेज किया जाएगा।

पायलट के डोप टेस्ट में क्या मिला?
इसके अलावा, सूत्रों ने पुष्टि की है कि फुकेत से दिल्ली आने वाली एअर इंडिया की उड़ान के मुख्य पायलट का दूसरा डोप टेस्ट भी पॉजिटिव आया है। दिल्ली में उड़ान के बाद हुई स्क्रीनिंग में पायलट का नशीले पदार्थों के लिए किया गया टेस्ट पॉजिटिव पाया गया। कुछ समय बाद एक और टेस्ट किया गया, जिसमें भी नतीजा पॉजिटिव आया। बताया जा रहा है कि टेस्ट से पुष्टि हुई कि पायलट ने मारिजुआना (जिसे आम तौर पर 'वीड' कहा जाता है) का सेवन किया था।

सभी पायलटों की होगी साइकोएक्टिव पदार्थों की जांच

एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस अपने सभी पायलटों की साइकोएक्टिव पदार्थों की जांच कराएंगी। टाटा समूह के स्वामित्व वाली इन दोनों एयरलाइनों में कुल 5,000 से ज्यादा पायलट हैं।

संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

लोकसभा 1 मिनट-राज्यसभा 1 घंटे चली, संसद सत्र खत्म

मोदी-शाह और राहुल सदन में मौजूद रहे । बंदर के खिलौने के साथ विपक्ष का प्रदर्शन

एजेंसी
नई दिल्ली । संसद का मानसून सत्र गुरुवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गया। आखिरी दिन लोकसभा की कार्यवाही सिर्फ 1 मिनट चली, जबकि राज्यसभा करीब 1 घंटे चली। लोकसभा में पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, पूरी कैबिनेट और विपक्ष के नेता राहुल गांधी मौजूद रहे। विपक्षी सांसद संसद के बाहर बंदर का खिलोना लेकर पहुंचे और सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया।
स्पीकर ओम बिड़ला ने वंदे मातरम गान के बाद सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी।इसके साथ ही संसद का मानसून सत्र समाप्त हो गया। मानसून सत्र का आखिरी दिन था। आमतौर पर सदन की कार्यवाही शाम तक चलती है लेकिन आज लगभग 11 बजकर 5 मिनट पर कार्यवाही स्थगित कर दी गई।

राहुल गांधी के अहंकार और अनुशासनहीनता की भेंट चढ़ा मानसून सत्रः रविशंकर प्रसाद

नई दिल्ली । भाजपा के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने पार्टी मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा। रविशंकर प्रसाद ने कहा, 'मानसून सत्र एक नेता के अहंकार, अनुशासनहीनता और उदंडता की भेंट चढ़ गया। बिना परमिशन लिए राहुल गांधी प्रधानमंत्री के निवास के गेट पर बैठ गए। जब सरकार की ओर से चर्चा के लिए कहा गया, तो उन्होंने कहा कि हमें इस्तीफा चाहिए। सरकार ने नीट पर बहुत कड़ा कानून बनाया। फास्ट ट्रैक कोर्ट की व्यवस्था की गई। धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद उनकी ओर से दूसरी मांगें कर दी गईं।

मानसून सत्र के समापन पर रिजिजू बोले-निर्धारित समय की तुलना में केवल 19 प्रतिशत काम हुआ

नई दिल्ली । संसद के मानसून सत्र के समापन के बाद केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने मीडिया को संबोधित किया। उन्होंने बताया, 'लोकसभा में निर्धारित समय की तुलना में केवल 19 प्रतिशत उत्पादकता हासिल हुई। राज्यसभा में 39 प्रतिशत रही। राज्यसभा में कभी-कभी विपक्षी पार्टी हंगामा करके वॉक आउट भी कीं।' किरेन रिजिजू ने कहा, 'लोकसभा में सिर्फ एक बिल पर चर्चा हो पाई। नकल रोकने को लेकर जो बिल आया उस पर। लोकसभा में इसके अलावा कोई अच्छी चर्चा नहीं हुई। चर्चा की दृष्टि से हम खुश नहीं। 'किरेन रिजिजू ने सदन में विपक्ष के रवैये पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा, 'मेरा तीन दशक का अनुभव है संसद का। ये पहली बार देखा विपक्ष चर्चा से भाग रहा है। पहली बार सरकार कह रही है चर्चा के लिए तैयार हैं लेकिन विपक्ष भाग गया।' उन्होंने कहा कि ऐसा नजारा पहले कभी नहीं देखा गया। 'येनया चीज देखने को मिला ये कल्पना से बाहर है। 'केंद्रीय मंत्री ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा, 'कांग्रेस के सांसद सोचते हैं उनका काम नारा लगाना और कार्ड लेकर हंगामा करना यही रह गया है। सुबह सुबह उठते हैं संसद में पहुंचते हैं नारा लगाते हैं।'

असम-अरुणाचल रिश्तों पर हिमंता सरमा बोले

सीमाएं राज्यों को बांट सकती हैं, दिलों को नहीं

एजेंसी
गुवाहाटी । असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने गुरुवार को कहा कि असम और अरुणाचल प्रदेश के बीच ऐसा रिश्ता है जो उनकी अंतर-राज्यीय सीमाओं से कहीं आगे का है। उन्होंने कहा कि दोनों सरकारें बातचीत और आपसी समझ से सीमा से जुड़े बाकी मतभेदों को सुलझाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में सीएम सरमा ने कहा कि असम और अरुणाचल प्रदेश के लोगों के बीच पीढ़ियों से करीबी रिश्ते रहे हैं। उन्होंने दोनों राज्यों के बीच के रिश्ते को प्यार, स्नेह और आपसी सम्मान पर आधारित बताया। मुख्यमंत्री ने कहा, 'असम और अरुणाचल प्रदेश के बीच एक ऐसा बंधन है

जो सीमाओं से कहीं आगे है। पीढ़ियों से हमारे लोग प्यार, स्नेह और आपसी सम्मान के साथ भाई-बहन की तरह रहे हैं। ' सरमा ने कहा कि हाल के वर्षों में पूर्वोत्तर के इन पड़ोसी राज्यों के बीच लंबे समय से चले आ रहे सीमा विवाद को सुलझाने में काफी प्रगति हुई है। उन्होंने कहा कि ज्यादातर मतभेदों को दोनों सरकारों के बीच बातचीत और दोस्ती के जरिए सुलझा लिया गया है। उन्होंने कहा, 'अब सिर्फ 52 गांव बचे हैं और दोनों सरकारें विवाद को पूरी तरह से सुलझाने के लिए इसी भावना के साथ बातचीत जारी रखेंगी। '

> मुख्यमंत्री ने कहा, 'असम और अरुणाचल प्रदेश के बीच एक ऐसा बंधन है जो सीमाओं से कहीं आगे है।

आरजी कर रेप-मर्डर केस में टीएमसी नेता निर्मल घोष गिरफ्तार

एजेंसी
कोलकाता । पश्चिम बंगाल पुलिस ने गुरुवार को आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल की महिला जूनियर डॉक्टर से 2024 में हुए रेप और हत्या के मामले में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के पूर्व विधायक और विधानसभा में पार्टी के पूर्व मुख्य सचेतक निर्मल घोष को गिरफ्तार कर लिया। वह उत्तर 24 परगना जिले की पानीहाटी विधानसभा सीट से पूर्व विधायक रहे हैं। यह गिरफ्तारी पीड़िता के शव के जल्दबाजी में अंतिम संस्कार किए जाने से जुड़े मामले में हुई है। आरोप है कि 9 अगस्त 2024 की रात पानीहाटी के एक श्मशान घाट में निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन किए बिना पीड़िता का अंतिम संस्कार कराया गया, ताकि शव का दोबारा पोस्टमार्टम कराने की संभावना खत्म हो जाए। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद पानीहाटी क्षेत्र के तहत आने वाले बैरकपुर पुलिस कमिश्नरेट ने पीड़िता के जल्दबाजी में किए गए अंतिम संस्कार की जांच शुरू की थी। इसी सप्ताह पीड़िता के पिता की ओर से खरदह थाने में दर्ज कराई गई नई शिकायत के आधार पर एक नई एफआईआर दर्ज की गई।

पहली बार किसी सरकार को इतना डरा-सहमा देखा : गौरव गोगोई

कांग्रेस लोकसभा सांसद गौरव गोगोई और राज्यसभा सदस्य एवं कांग्रेस संचार विभाग के महासचिव जयराम रमेश ने संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान गौरव गोगोई ने केंद्र सरकार पर निशान साधा। गौरव गोगोई ने कहा, 'हमने सदन के कई सत्र देखे हैं लेकिन पहली बार इस मानसून सत्र में सत्ताधारी सरकार को इतना डरा और सहमा देखा है।' उन्होंने कहा कि पहली बार देखा कि प्रधानमंत्री और गृह मंत्री सदन की कार्यवाही से दूर रहे और पूरे सत्र अनुपस्थित थे। गौरव गोगोई ने कहा कि छात्र आंदोलन के कारण पूरे देश में जो माहौल बना, उसके कारण सरकार को शिक्षा मंत्री का इस्तीफा लेना पड़ा। इससे संबंधित संशोधन बिल सदन में लाई गई और दो दिन चर्चा हुई। उस चर्चा में कांग्रेस ने तीन मांगे रखी थीं। पहली मांग थी शिक्षा मंत्री का इस्तीफा, दूसरी पैलेट गन पर गृह मंत्री का बयान और तीसरी छात्रों से प्रधानमंत्री को माफी मांगनी चाहिए। इसमें से सरकार ने सिर्फ एक मांग पर समर्थन दिया, वह है शिक्षा मंत्री का इस्तीफा। कांग्रेस सांसद ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, 'ये सरकार इतनी डरी हुई है कि इस दो दिन की चर्चा में न प्रधानमंत्री आए, न गृह मंत्री आए।

विपक्ष पर बरसीं कंगना रनौत

कहा- खराब कर रखा है संसद का माहौल

अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनौत ने गुरुवार को संसद में हंगामे को देखते हुए मीडिया से बातचीत में विपक्ष पर हमला बोलते हुए कहा कि इन्होंने पूरी तरह से संसद का माहौल खराब करके रखा है। विपक्ष के विरोध पर भाजपा सांसद कंगना रनौत ने कहा, 'यह बहुत आपत्तिजनक है। इन्होंने यहां का माहौल पूरी तरह से खराब कर रखा है। हालात दिन-ब-दिन बिगड़ते जा रहे हैं। एक तरफ राहुल गांधी होम मिनिस्ट्री से सवाल पूछते हैं, फिर भी कहते हैं कि वे गृह मंत्री को बोलने नहीं देंगे। यह कैसा बर्ताव है? वे चर्चा की मांग करते हैं लेकिन जब उन्हें चर्चा का ऑफर मिलता है, तो वह कहते हैं कि उन्हें जवाब नहीं चाहिए। इसका तो बस एक ही मतलब है कि उनके पास कोई असली मुद्दा नहीं है। ये सब विकास, देश की तरक्की, अर्थव्यवस्था या रक्षा से जुड़े मुद्दे खत्म हो जाने के बाद, वह यहां बस नखरे कर रहे हैं।' इसके साथ ही भाजपा सांसद शमिक भट्टाचार्य ने भी मीडिया संग बातचीत में विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि उनके पास चर्चा मे भाग लेने की हिम्मत ही नहीं है, तो वे जवाब क्या सुनेंगे। उन्होंने कहा, 'जवाब सुनने की हिम्मत होनी चाहिए, जो उनके पास नहीं है। चर्चा में भाग लेने की हिम्मत उनकी हो नहीं रही है, उनके पास कोई मुद्दा ही नहीं है। देश में जो भ्रष्टाचार चल रहा है, उसकी नीव कांग्रेस पार्टी द्वारा रखी गई है। '

15 राज्यों में अगले 4 दिन भारी बारिश का अलर्ट

काशी में घाट डूबे, अंतिम संस्कार के लिए घंटों इंतजार

एजेंसी
नई दिल्ली । बंगाल की खाड़ी में सिस्टम बनने से 20 राज्यों में अच्छी बारिश हुई। अगले 4 दिनों तक मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान समेत 15 राज्यों में तेज बारिश का अलर्ट है। उत्तर प्रदेश के बनारस में घाटों की सीढ़ियों तक पानी पहुंच गया है। हरिश्चंद्र घाट पर शवदाह स्थल डूब गया है। घाट की ऊपरी सीढ़ियों पर चिताएं जलाई जा रही हैं। लोगों को 2 से 3 घंटे तक शव का अंतिम संस्कार कराने के लिए इंतजार करना पड़ रहा है। उन्नाव मे सड़क पर नाव चलानी पड़ी।
राजस्थान के 5 से ज्यादा जिलों में बुधवार को तेज बारिश हुई। जयपुर में 4 घंटे से ज्यादा पानी बरसा। पानी से भरे गड्ढे के कारण बस पलट गई। बारिश और पेड़ गिरने से शहर के ज्यादातर हिस्सों में ट्रैफिक जाम रहा। उधर, उत्तराखंड के देहरादून-मसूरी मार्ग पर लैंडस्लाइड के चलते मलबा सड़क पर आ गिरा। इससे दोनों ओर करीब 10 किमी लंबा जाम लग गया। राज्य के 9 जिलों में 67 सड़कें बंद हैं। मध्य प्रदेश के कई जिलों में लगातार चार दिनों से तेज बारिश हो रही है। हिमाचल प्रदेश में बारिश से 204 सड़कें बंद हैं।

उत्तराखंड के देहरादून-टिहरी में लैंडस्लाइड

बाढ़ प्रभावित असम के लिए बंगाल सीएम राहत कोष से 10 करोड़ की मदद

पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री ने बाढ़ प्रभावित असम के लिए 10 करोड़ रुपए की मदद का ऐलान किया है। यह राशि मुख्यमंत्री राहत कोष से दी जाएगी। असम में बाढ़ से अब तक 103 लोगों की मौत हो चुकी है और राहत-बचाव जारी है।

राहुल गांधी ने सुप्रीम कोर्ट का किया रुख

आय से अधिक संपत्ति जांच के हाईकोर्ट आदेश को दी चुनौती

एजेंसी
नई दिल्ली । लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है, जिसमें सीबीआई और ईडी को उन आरोपों की जांच करने का निर्देश दिया गया था कि उनके पास आय के ज्ञात स्त्रोतों से अधिक संपत्ति है। राहुल गांधी की याचिका पर 17 अगस्त को चीफ जस्टिस सूर्य कांत की अध्यक्षता वाली बेंच सुनवाई करेगी। कांग्रेस सांसद ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी है जो कर्नाटक के भाजपा कार्यकर्ता विग्नेश शिशिर की शिकायत के संबंध में जारी किया गया था। शिशिर ने गांधी पर आय से अधिक संपत्ति रखने का आरोप लगाया था। मई में जारी अपने आदेश में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा था कि अगर संबंधित एजेंसियों को शिकायत मिली है, तो उसमें लगाए गए आरोपों की कानून के अनुसार जांच की जानी चाहिए। कोर्ट ने यह भी कहा था कि सीबीआई और ईडी कानूनी ढांचे के तहत उचित कार्रवाई करने के लिए स्वतंत्र हैं। 20 जुलाई को सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने सीबीआई द्वारा दायर हलफनामे पर

असंतोष जताया और कहा कि इसमें कोर्ट के पहले के निर्देशों का ठीक से पालन नहीं किया गया था।
हाईकोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा उठाए गए कदमों पर भी ध्यान दिया और कहा कि अगर सत्यापन या जांच के दौरान कोई कार्रवाई योग्य जानकारी मिलती है, तो एजेंसी कानून के अनुसार आगे बढ़ सकती है।

लेह-लद्दाख में 5.5 तीव्रता का भूकंप, फिलहाल नुकसान की सूचना नहीं

लेह (एजेंसी)। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में गुरुवार सुबह भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 5.5 मापी गई। भूकंप के झटके सुबह करीब 6ः05 बजे महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक, भूकंप का केंद्र जमीन की सतह से करीब 10 किलोमीटर की गहराई में स्थित था। भूकंप के झटके महसूस होते ही लोगों में कुछ देर के लिए दहशत का माहौल बन गया। कई लोग एहतियातन घरों और इमारतों से बाहर निकल आए। फिलहाल भूकंप के कारण किसी तरह के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है। भूकंप के झटके महसूस होने के साथ ही प्रशासन और संबंधित एजेंसियां स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। लद्दाख भूकंपीय दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र माना जाता है, इसलिए यहां समय-समय पर भूकंप के झटके महसूस होते रहे हैं। अधिकारियों की ओर से लोगों से घबराने के बजाय सतर्क रहने की अपील की गई है। भूकंप के बाद संभावित आफ्टरशॉक्स को देखते हुए भी निगरानी रखी जा रही है।

जेल में भी नहीं सुधरे प्रज्वल रेवन्ना : बैरक से मिला फोन में पोर्न वीडियो

बेंगलुरु (एजेंसी)। बलात्कार के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे जनता दल (सेक्युलर) के पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना की मुश्किलें एक बार फिर काफी बढ़ गई हैं। बेंगलुरु की उच्च सुरक्षा वाली परप्पना अग्रहारा सेंट्रल जेल में अचानक की गई छापेमारी के दौरान जांचकर्ताओं को उनकी बैरक से एक एंड्रॉइड मोबाइल फोन बरामद हुआ है। इस डिवाइस में लगभग 80 से 90 डाउनलोड किए गए अश्लील वीडियो मिले हैं, जिससे जेल प्रशासन और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। सेंट्रल क्राइम ब्रांच (सीसीबी) की ओर से हाई-प्रोफाइल कैदियों के लिए चलाए गए औचक तलाशी अभियान के दौरान यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, बरामद फोन में मिले अधिकांश वीडियो भारतीय अश्लील कंटेंट से जुड़े हैं। इसके अलावा जांचकर्ताओं को डिवाइस के भीतर ऐसे समाचार पत्रों की डिजिटल कटिंग भी मिली हैं, जिनमें महिलाओं से जुड़ी आपत्तिजनक सामग्रियां थीं। फिलहाल इस मोबाइल फोन को विस्तृत फोरेंसिक जांच के लिए भेज दिया गया है ताकि यह पता लगाया जा सके कि यह प्रतिबंधित सामग्री कब और कैसे जेल के अंदर पहुंची, इसका इस्तेमाल कौन-कौन करता था और इसमें अन्य कौन सी डिजिटल फाइलें मौजूद थीं। जेल एवं सुधार सेवाओं के पुलिस महानिदेशक ने बताया कि सीसीबी ने मंगलवार को जेल में चार से पांच घंटे तक गहन तलाशी अभियान चलाया था। इस दौरान प्रज्वल रेवन्ना की बैरक से यह फोन जब्त किया गया। इस गंभीर लापरवाही के सामने आने के बाद प्रशासनिक स्तर पर सख्त कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है। ड्यूटी में कोताही बरतने के आरोप में सहायक अधीक्षक को निलंबित कर दिया गया है, जबकि बेंगलुरु केंद्रीय कारागार के अधीक्षक को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। अधिकारियों का कहना है कि इस पूरे मामले की विस्तृत जांच की जा रही है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि जेल के भीतर इस तरह की प्रतिबंधित चीजें कैसे पहुंच रही हैं।

रांची में छात्र प्रदर्शन पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 600 पर एफआईआर

रांची (एजेंसी)। झारखंड में रांची पुलिस ने हाल ही में हुए छात्र प्रदर्शन के दौरान बैरिकेडिंग तोड़ने और पुलिस से झड़प के मामले में बड़ी कार्रवाई कर करीब 600 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज की है। इसमें 100 लोग नामजद हैं, जिसमें ज्यादातर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के युवा कार्यकर्ता बताए जा रहे हैं, जबकि 500 अज्ञात प्रदर्शनकारियों पर मामला दर्ज किया है। पुलिस ने नामजद आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है और प्रदर्शन के दौरान हुई घटनाओं की गहन जांच कर रही है। पुलिस का दावा है कि इस दौरान 14 पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं। दरअसल, सोमवार को हजारों छात्र और अभ्यर्थी विधानसभा की ओर मार्च कर रहे थे। उनकी मुख्य मांग भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता लाना है। प्रदर्शनकारियों ने रास्ते में कई बैरिकेडिंग तोड़ दीं और पुलिस के साथ उनकी झड़प भी हुई। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने जगन्नाथपुर मंदिर के पास पानी की बौछारें और आंसू गैस के गोले छोड़े। प्रदर्शनकारियों ने भी खुद के घायल होने का दावा किया है, जिससे वहां तनाव की स्थिति पैदा हो गई थी।

कर्नाटक विधानसभा परिसर में चल रही कैंटीन की थाली में मिले कॉकरोच

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक विधानसभा के अंदर चल रही कैंटीन, जहां मंत्रियों और अधिकारियों के दफ्तर हैं, स्वास्थ्य विभाग की छापेमारी में साफ-सफाई से जुड़ी कमियां पाए जाने के बाद जांच के दायरे में आ गई है। विभाग ने विधान सभा परिसर में मौजूद विकास सौधा की कैंटीनों में भी छापेमारी की। जांच में खाने की प्लेटों पर कॉकरोच नजर आए, जिससे कैंटीन में साफ-सफाई के मानकों को लेकर चिंता पैदा हो गई है। इस परिसर में कई होटल हैं जहां विधायक ठहरते हैं, जो बेंगलुरु के बाहर से आते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक स्वास्थ्य विभाग को लेजिस्लेटर्स हाउस में जांचे गए एक प्रतिष्ठान में घटिया गुणवत्ता वाला खाना और गंदगी मिली थी। जांच से पता चला है कि विभाग ने सरकारी इमारतों में चल रहे खाने-पीने के ठिकानों पर भी ध्यान देना शुरू कर दिया है। इनमें मंत्रियों, अधिकारियों और विधायकों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली जगहें भी शामिल हैं। यह कदम स्वास्थ्य विभाग द्वारा अपने ही मुख्यालय आरोग्य सौधा में चल रही कैंटीन में नियमों के उल्लंघन का पता चलने के बाद उठाया गया। अधिकारियों ने पाया कि आरोग्य सौधा की कैंटीन में साफ़-सफ़ाई का ध्यान नहीं रखा जा रहा था और कुछ खाने-पीने की चीज़ें एक्सपायरी हो चुकी थीं। जांच टीम ने यह भी पाया कि खाने-पीने की चीज़ों को फ़ूड सेफ़्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया के नियमों के मुताबिक स्टोर नहीं किया जा रहा था। टीम ने यह भी पाया कि कीड़ों से बचाव के जरूरी उपाय नहीं किए गए थे।

कर्नाटक सरकार ने तंबाकू गुटखा, पान मसाला और निकोटीन पर लगाया बैन

-उत्पादों के निर्माण, भंडारण, वितरण और बिक्री पर एक साल तक रोक

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक सरकार ने गुटखा, पान मसाला और तंबाकू-निकोटीन वाले उत्पादों पर एक साल की रोक लगा दी है। यह प्रतिबंध सिर्फ बिक्री पर नहीं है। इसके साथ ही यह बैन बनाने में, स्टोर करने में, सामान को इधर से उधर भेजने-पहुंचाने में भी लागू रहेगा, जिसके बाद पूरे राज्य में जांच अभियान तेज कर दिया गया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कर्नाटक राज्य के खाद्य सुरक्षा और औषधि प्रशासन विभाग ने गुटखा, पान मसाला और तंबाकू या निकोटीन वाले दूसरे संबंधित उत्पादों के खिलाफ बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने इन उत्पादों के निर्माण, भंडारण, ले जाने-पहुंचाने, वितरण और बिक्री पर एक साल के लिए रोक लगा दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, विभाग ने 10 अगस्त को इस संबंध में अधिसूचना जारी की थी। इसमें कहा गया है कि यह रोक अधिसूचना जारी होने की तारीख से एक साल तक लागू रहेगी यानी कर्नाटक में इन प्रतिबंधित उत्पादों के कारोबार से जुड़े लोगों के लिए अब मुश्किलें बढ़ सकती है।

सरकार ने इस बार पूरी सप्लाई चेन को जांच के दायरे में रखा है। इसका मतलब है कि अगर कोई प्रतिबंधित उत्पाद बाजार में पहुंच रहा है, तो विभाग केवल दुकान तक पहुंचकर जांच नहीं करेगा। सामान कहां बना, कहां रखा और किस रास्ते से बाजार तक पहुंचा, इसकी भी जानकारी जुटाई जाएगी। खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों को ऐसे उत्पादों के निर्माण, भंडारण, परिवहन, वितरण और बिक्री की जांच करने के निर्देश दिए हैं। विभाग का कहना है कि प्रतिबंधित उत्पादों का सर्कुलेशन रोकने के लिए नियमों को सख्ती से लागू किया जाएगा।

अधिसूचना जारी होने के बाद खाद्य सुरक्षा विभाग ने राज्यभर में कार्रवाई तेज कर दी है। फूड सेफ्टी अधिकारियों की निगरानी में जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसका मकसद प्रतिबंधित तंबाकू और निकोटीन वाले उत्पादों को बाजार में पहुंचने से रोकना है। सरकार ने इस अभियान में आम लोगों से भी सहयोग मांगा है। खाद्य सुरक्षा और औषधि प्रशासन विभाग ने अपील की है कि अगर किसी व्यक्ति को प्रतिबंधित तंबाकू या निकोटीन वाले उत्पादों के बनने, बिकने या बांटे जाने की जानकारी मिलती है तो वह संबंधित अधिकारियों को सूचना दे। विभाग का कहना है कि लोगों की भागीदारी से प्रतिबंधित उत्पादों की उपलब्धता रोकने में मदद मिलेगी। सरकार ने इसे स्वस्थ और नशा-मुक्त कर्नाटक की दिशा में उठाया गया कदम बताया है।

मेघालय में तीन महीने में एचआईवी के 574 नए मामले

शिलांग (एजेंसी)। मेघालय में वर्ष 2026 की पहली तिमाही में 574 नए एचआईवी संक्रमण सामने आए हैं। इनमें 16 गर्भवती महिलाएं भी शामिल हैं। राज्य में बढ़ते संक्रमण को देखते हुए मेघालय एड्स कंट्रोल सोसाइटी ने जागरूकता, जांच और रोकथाम के प्रयासों को तेज कर दिया है। मेघालय एड्स कंट्रोल सोसाइटी के आंकड़ों के मुताबिक, मेघालय में करीब 52 प्रतिशत एचआईवी संक्रमण आकस्मिक यौन संपर्क से जुड़े हैं। वहीं 32 प्रतिशत मामले नियमित पार्टनर या पति-पत्नी के माध्यम से हुए। संक्रमित सुई या सीरिंज साझा करने से नशीली दवाओं के इंजेक्शन उपयोग में 9 प्रतिशत, व्यावसायिक यौन संपर्क से 4 प्रतिशत और मां से बच्चे में संक्रमण के करीब 2.5 प्रतिशत मामले सामने आए हैं। अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर शिलांग के लेडी कीन कॉलेज में स्टेटवाइड इंटेंसिफाइड आईईसी कैंपेन 3.0 की शुरुआत की गई। स्वास्थ्य मंत्री वाइलाडमिकि शायला ने कहा कि एचआईवी के खिलाफ लड़ाई केवल मेघालय एड्स कंट्रोल सोसाइटी की जिम्मेदारी नहीं है। सरकार, शिक्षण संस्थानों, समुदायों, स्वास्थ्यकर्मियों और युवाओं की सामूहिक भागीदारी जरूरी है। अभियान के तहत 126 गांव, 3,000 स्कूल और 85 कॉलेज तक पहुंचने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अलावा 15 हजार घरों में जाकर लोगों को जागरूक किया जाएगा। फ्लैश मॉब, स्वास्थ्य शिविर और अन्य जन-जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। मेघालय एड्स कंट्रोल सोसाइटी के परियोजना निदेशक डॉ. के.एल. इआबोर ने कहा कि HIV को लेकर गलत जानकारी और सामाजिक भेदभाव अभी भी बड़ी चुनौती है। उन्होंने शुरुआती जांच और समय पर उपचार के महत्व पर जोर दिया। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि राज्य सरकार ने एचआईवी/एड्स से निपटने के लिए पांच वर्षीय योजना को मंजूरी दी है। अभियान में सुरक्षित व्यवहार, संक्रमित सुई से बचाव, मां से बच्चे में संक्रमण की रोकथाम और संक्रमित रक्त से बचाव पर विशेष जोर दिया जाएगा।

सीएम धामी के सामने ताइक्कांडो खिलाड़ी के बयान पर मचा बवाल

-बाद में वीडियो जारी कर दी सफाई

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और एक ताइक्कांडो खिलाड़ी के बीच बातचीत का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में सीएम धामी मीडिया के सामने छात्र-छात्राओं से बातचीत कर रहे थे। इस दौरान खिलाड़ी छात्रा ने मुख्यमंत्री को जो कहानी सुनाई, उसने सियासी गलियारों में विवाद खड़ा कर दिया। हालांकि, विवाद बढ़ता देख छात्रा ने एक नया वीडियो जारी कर अपनी बात पर सफाई दी है और कहा कि वह कार्यक्रम में अपनी पूरी बात नहीं रख पाई थी।

पहले वायरल वीडियो में छात्रा ने सीएम धामी से शिकायत करते हुए कहा था कि वह लोकल नेशनल खेलने गई थी जहां उसका गोल्ड मेडल आया और इंटरनेशनल के लिए सिलेक्शन हुआ, लेकिन वहां डेढ़ लाख रुपये की मांग की जा रही थी, जिस वजह से वह अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं ले सकी। इस पर मुख्यमंत्री ने उसे आश्वासन देते हुए बैठने को कहा था। यह वीडियो सामने आने के बाद खेल व्यवस्था पर सवाल उठने लगे थे। विवाद बढ़ने पर छात्रा ने खुद एक नया वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर साझा किया। उसने स्पष्ट किया कि वह सिया गर्ल्स स्कूल में 12वीं की छात्रा है और 10 तारीख को मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में पूरी बात नहीं रख पाई थी। उसने बताया कि वह नेशनल खेलने जम्मू गई थी, जहां से रोमानिया में होने वाली प्रतियोगिता के लिए उसका सिलेक्शन हुआ था। फेडरेशन उसे 1 लाख 70 हजार रुपये दे रही थी, लेकिन बाकी का खर्च उसे खुद उठाना था। उसने यह बात अपने स्कूल में किसी को नहीं बताई थी, जिस कारण वह प्रतियोगिता में नहीं जा सकी। इस सफाई के बाद पूरे मामले की स्थिति स्पष्ट हो गई है।

हिमाचल में कहर: 163 लोगों की मौत और 910 करोड़ का नुकसान

14 अगस्त से फिर भारी बारिश का अलर्ट

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में लगातार जारी बारिश के बीच लोगों को बुधवार को कुछ देर के लिए राहत मिली थी और राजधानी शिमला सहित कई इलाकों में धूप खिली थी। हालांकि, यह राहत ज्यादा लंबी नहीं टिकने वाली है। मौसम विज्ञान केंद्र ने 14 अगस्त से प्रदेश में मानसूनी बारिश के फिर से रौद्र रूप दिखाने का अंदेशा जताया है। मौसम विभाग ने कई जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश का नया येलो और ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इस दौरान संवेदनशील क्षेत्रों में भूस्खलन, फ्लैश फ्लड और अचानक जलस्तर बढ़ने का बड़ा खतरा बना हुआ है, जिसे देखते हुए प्रशासन ने लोगों और पर्यटकों को सतर्क रहने की अपील की है। प्राकृतिक आपदाओं का यह दौर कितना भयानक रहा है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि राज्य आपदा प्रबंधन के अनुसार 30 जून से लेकर अब तक मानसून सीजन में कुल 163 लोगों की जान जा चुकी है। इनमें 70 मौतें प्राकृतिक आपदाओं और 93 मौतें सड़क हादसों के कारण हुई हैं, जबकि 257 लोग घायल हुए हैं।

लगातार हो रही बारिश के कारण प्रदेश का जनजीवन बुरी तरह प्रभावित है। बीते 24 घंटों के दौरान हुई मूसलाधार बारिश और लैंडस्लाइड की वजह से 313 सड़कें यातायात के लिए बंद हो चुकी हैं। इसके अलावा, 112 ट्रांसफार्मर ठप पड़ने से कई इलाकों में बिजली गुल है, जबकि 65 पेयजल योजनाएं भी प्रभावित हुई हैं। आपदाओं की इस फेहरिस्त में कई दिल दहलाने वाली घटनाएं भी सामने आई हैं। हाल ही में सिरमौर जिले के राजगढ़ क्षेत्र में बिना बारिश के ही एक तीन मंजिला मकान अचानक ढह गया, जिससे मलबे में दबकर एक महिला और उसकी गर्भवती बेटी की दर्दनाक मौत हो गई। वहीं, सोलन के पास नेशनल हाईवे पर कार पर पत्थर गिरने से एक व्यक्ति की जान चली गई थी और उसका परिवार घायल हो गया था। इसके अलावा, राज्य भर में सैकड़ों पक्के और कच्चे मकान पूरी तरह या आंशिक रूप से जमींदोज हो चुके हैं, और पशुशालाओं तथा पशु-पक्षियों को भी भारी नुकसान पहुंचा है। राजस्व विभाग और स्टेट इमरजेंसी ऑपरेशन्स सेंटर की रिपोर्ट के अनुसार, इस मानसून सीजन में अब तक हिमाचल को बुनियादी ढांचे और निजी संपत्तियों को मिलाकर 910 करोड़ रुपये से अधिक का भारी-भरकम आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। लोक निर्माण, जल शक्ति, बिजली और बागवानी समेत कई विभागों की संपत्तियों को क्षति पहुंची है। मौसम विभाग के वैज्ञानिकों का कहना है कि 15 से 18 अगस्त तक भी बारिश का यह दौर जारी रहने की संभावना है। ऐसे में प्रशासन ने लोगों को एहतियात के तौर पर नदी-नालों और भूस्खलन संभावित इलाकों से दूर रहने की सख्त हिदायत दी है।

प्रियंका गांधी के 'गोमूत्र एक्सपर्ट' बयान के खिलाफ ऑनलाइन पिटीशन

-आईआईटी मद्रास निदेशक वी. कामकोटी के समर्थन में 38 देशों के वैज्ञानिकों समेत 14 हजार से अधिक लोगों के हस्ताक्षर का दावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के आईआईटी मद्रास के निदेशक वी. कामकोटी को लेकर दिए गए कथित 'गोमूत्र एक्सपर्ट' बयान पर विवाद बढ़ता जा रहा है। इस टिप्पणी के खिलाफ शुरू की गई ऑनलाइन पिटीशन पर अब तक 14 हजार से अधिक लोगों ने हस्ताक्षर किए हैं। याचिका में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मामले का संज्ञान लेने की मांग करते हुए प्रियंका गांधी से अपनी टिप्पणी वापस लेने और माफी मांगने की अपील की गई है।

यह ऑनलाइन पिटीशन एक अगस्त को चेंज डॉट ओआरजी पर शुरू की गई थी। आयोजकों के अनुसार, इसे देश के विभिन्न राज्यों और शिक्षण संस्थानों से समर्थन मिल रहा है। इसके अलावा दावा किया जारहा है कि 38 से अधिक देशों में रह रहे भारतीय वैज्ञानिकों ने भी याचिका का समर्थन किया है। आयोजकों ने इसे वैज्ञानिक और अकादमिक समुदाय की चिंता से जुड़ा मामला बताया है।

संसद में टिप्पणी से शुरू हुआ विवाद

दरअसल, संसद की कार्यवाही के दौरान प्रियंका गांधी ने आईआईटी मद्रास के निदेशक वी. कामकोटी के लिए 'गोमूत्र एक्सपर्ट' शब्द का इस्तेमाल किया था। इसके बाद उनके बयान को लेकर विवाद शुरू हो गया। याचिका शुरू करने वालों ने टिप्पणी को व्यक्तिगत और अपमानजनक बताते हुए इसका विरोध किया है। आयोजकों का कहना है कि किसी वैज्ञानिक या शिक्षाविद् की आलोचना उसके काम, शोध और विचारों के आधार पर होनी चाहिए, न कि व्यक्तिगत टिप्पणियों के जरिए। उनका दावा है कि इस तरह की भाषा से प्रतिष्ठित वैज्ञानिक की व्यक्तिगत गरिमा प्रभावित होती है और उस संस्थान की प्रतिष्ठा पर भी असर पड़ सकता है, जिसका वे नेतृत्व कर रहे हैं।

स्पीकर से संज्ञान लेने की मांग

याचिका के माध्यम से लोकसभा अध्यक्ष से मामले पर संज्ञान लेने की मांग की गई है। साथ ही प्रियंका गांधी से टिप्पणी वापस लेने और सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की अपील की गई है। इस मुद्दे ने राजनीतिक बयानबाजी के साथ-साथ वैज्ञानिक और अकादमिक समुदाय में सार्वजनिक संवाद की मर्यादा को लेकर भी बहस छेड़ दी है।

4.8 करोड़ श्रद्धालुओं के जाने के बाद हरिद्वार में निकला 7000 टन कूड़ा!

-कांवड़ यात्रा के बाद कचरे का अंबार, सफाई में जुटा प्रशासन

हरिद्वार (एजेंसी)। उत्तराखंड के हरिद्वार में इस बार करीब 4.8 करोड़ श्रद्धालुओं ने यात्रा पूरी की, जिसमें केवल अंतिम दो दिनों में ही एक करोड़ से अधिक लोग शामिल हुए। यात्रा के दौरान चारों ओर भोले के जयकारे गूंजते रहे और भक्ति का माहौल रहा। हालांकि, यात्रा के समापन के बाद हरिद्वार प्रशासन के सामने एक बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है। कांवड़ियों के लौटने के बाद गंगा घाटों, पार्किंग स्थलों और कैंपों में भारी मात्रा में कूड़े-कचरे का अंबार लग गया है।

प्रशासन के आंकड़ों के अनुसार, पिछले दो हफ्तों के भीतर शहर में लगभग 7,000 मीट्रिक टन कचरा जमा हो गया है। गंगा के पवित्र घाटों, जहां श्रद्धालु स्नान करते हैं, वहां बड़ी मात्रा में पुराने कपड़े, जूते-चप्पल, पॉलीथिन, प्लास्टिक की बोतलें और खाने-पीने का सड़ा हुआ सामान पड़ा मिला। इससे न केवल गंदगी फैली है, बल्कि घाटों पर बदबू का आलम भी बना हुआ है। शहर की सफाई व्यवस्था पर इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि सामान्य दिनों में हरिद्वार प्रशासन प्रतिदिन लगभग 250 टन कचरा ही संभालता है, लेकिन इस बार स्थिति बेहद विकट हो गई है।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए नगर निगम ने युद्धस्तर पर सफाई अभियान शुरू किया है। इस महा-अभियान में एक हजार से अधिक कर्मचारियों को तैनात किया गया, जो लगातार 24 घंटे काम कर रहे हैं। कचरे के इस विशाल ढेर को हटाने के लिए बड़ी मशीनों का सहारा लिया गया और 89 से अधिक बड़े ट्रकों के माध्यम से कचरे को शहर से बाहर भेजा गया। नगर निगम के अधिकारियों का कहना है कि यात्रा के स्वरूप में बदलाव आया है। पहले यह यात्रा शांत और श्रद्धापूर्ण होती थी, लेकिन अब इसमें शोर-शराबा और बड़े वाहनों का उपयोग बढ़ गया है, जिससे अव्यवस्था और गंदगी भी बढ़ी है। फिलहाल, सुभाष घाट, नई घाट, अलकनंदा और विष्णु घाट जैसे प्रमुख स्थानों को लगभग 95 प्रतिशत तक साफ कर लिया गया है। प्रशासन की प्राथमिकता जल्द से जल्द पूरे शहर को स्वच्छ बनाने की है ताकि आम लोगों और पर्यटकों को होने वाली असुविधा से निजात दिलाई जा सके।

आधुनिक युद्धों में आर्थिक और सामरिक क्षमताओं पर किया जा रहा है प्रहार

नई दिल्ली (एजेंसी)। बदतलते समय के साथ युद्धों की रणनीति में भी तेजी से बदलाव आ रहा है। अब युद्ध सीमाओं पर सैनिकों की लड़ाई तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि विरोधी देश की आर्थिक और सामरिक क्षमताओं पर प्रहार किया जा रहा है। विरोधी देश को कमजोर करने के लिए उसके महत्वपूर्ण ऊर्जा ढांचे को निशाना बनाया जा रहा है।

आधुनिक युद्ध में तेल रिफाइनरियां, गैस पाइपलाइन, बिजली संयंत्र, ऊर्जा भंडारण केंद्र और समुद्री तेल परिवहन मार्ग सबसे संवेदनशील लक्ष्य बनकर उभरे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि किसी देश की ऊर्जा व्यवस्था को बाधित कर उसकी सैन्य क्षमता, अर्थव्यवस्था और जनजीवन पर एक साथ प्रभाव डाला जा सकता है। हाल के वर्षों में रूस-यूक्रेन युद्ध और ईरान से जुड़े क्षेत्रीय तनावों ने इस बदलती रणनीति को स्पष्ट रूप से सामने रखा है। इन संघर्षों में ऊर्जा से जुड़े प्रतिष्ठानों पर हमलों की घटनाएं बढ़ी हैं, जिनका उद्देश्य केवल भौतिक नुकसान पहुंचाना नहीं, बल्कि विरोधी देश की युद्ध क्षमता और आर्थिक संसाधनों को प्रभावित करना भी है। इससे यह संकेत मिलता है कि आधुनिक युद्ध में ऊर्जा आपूर्ति शृंखला अब किसी भी देश की सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक संपत्तियों में शामिल हो चुकी है।

विशेषज्ञों के अनुसार, यदि किसी देश की तेल आपूर्ति बाधित हो जाती है या उसकी रिफाइनरियां और गैस नेटवर्क प्रभावित होते हैं, तो इसका असर केवल सैन्य अभियानों तक सीमित नहीं रहता। सेना के टैंक, लड़ाकू विमान, बख्तरबंद वाहन और अन्य सैन्य संसाधन ईंधन पर निर्भर होते हैं। वहीं दूसरी ओर, तेल निर्यात से होने वाली आय कई देशों के लिए युद्ध संचालन का प्रमुख आर्थिक स्रोत होती है। ऐसे में ऊर्जा अवसंरचना को नुकसान पहुंचने से राजस्व में कमी आती है और युद्ध संचालन की क्षमता भी प्रभावित हो सकती है। रूस-यूक्रेन संघर्ष के दौरान यूक्रेन ने लंबी दूरी तक मार करने वाले ड्रोन के जरिए रूस के भीतर स्थित कई तेल प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया। विभिन्न हमलों के बाद कई ऊर्जा केंद्रों में आग लगने और उत्पादन प्रभावित होने की खबरें सामने आईं।

इन घटनाओं ने यह दिखाया कि आधुनिक ड्रोन तकनीक के जरिए दूर स्थित रणनीतिक ठिकानों तक भी पहुंच बनाई जा सकती है। इसी प्रकार, पश्चिम एशिया में ईरान से जुड़े तनावों के दौरान ऊर्जा संयंत्रों, गैस नेटवर्क और बिजली अवसंरचना को लेकर भी लगातार सुरक्षा चिंताएं बनी रही हैं। ऊर्जा ढांचे पर संभावित हमलों और उनके जवाबी प्रभावों को लेकर क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर लगातार चर्चा होती रही है। विश्लेषकों का मानना है कि ऊर्जा संसाधनों पर बढ़ती निर्भरता ने युद्ध की परिभाषा को बदल दिया है। यदि तेल आपूर्ति बाधित होती है, समुद्री मार्ग प्रभावित होते हैं या ऊर्जा उत्पादन ठप पड़ता है, तो उसका असर केवल युद्धरत देशों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि वैश्विक बाजार में तेल की कीमतों, महंगाई, आपूर्ति शृंखला और विश्व अर्थव्यवस्था पर भी पड़ता है।

पति ने प्रेमिका के साथ गला दबाकर कार में की थी पत्नी की हत्या

लखनऊ। रहीमाबाद के सहिजना गांव निवासी अंजली की हत्या के मामले में पुलिस ने उसके पति उमेंद्र और प्रेमिका मड़ियांव निवासी आरती वर्मा को गिरफ्तार किया है। पुलिस मामले में नामजद उमेंद्र के चाचा उमेश सिंह, मां गायत्री, ड्राइवर सुजीत चौरसिया और कपिल की भूमिका की जांच कर रही है। इंस्पेक्टर अरुण कुमार के मुताबिक 30 जुलाई की रात करीब 12:30 बजे उमेंद्र ने अंजली को घर के बाहर बुलाकर कार में बैठाया। उस समय आरती भी घर के पास मौजूद थी। कार में पति-पत्नी के बीच विवाद और मारपीट होने लगी। इसी दौरान आरती कार में पहुंची। आरोप है कि उमेंद्र और आरती ने मिलकर अंजली का गला दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद उसकी साड़ी में पत्थर बांधकर शव इटौंजा क्षेत्र में नदी में फेंक दिया। पत्थर ठीक से नहीं बंधने के कारण शव पानी में उतराने लगा। हत्या के बाद उमेंद्र घर पहुंचा और अंजली के जेवर आरती को दे दिए। शुक्रवार सुबह उसने ससुरालवालों को फोन कर बताया कि अंजली देर रात घर से कहीं चली गई है। इसके बाद वह खुद थाने पहुंचा और गुमशुदगी दर्ज कराई। जांच में भूमिका संदिग्ध मिलने पर पुलिस ने पूछताछ की। उमेंद्र ने आरती के साथ हत्या की बात कबूल की। रविवार को दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। वारदात में इस्तेमाल कार और अंजली के जेवर बरामद हुए हैं। अंजली के भाई पुष्पेंद्र ने छह लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जांच में सामने आया कि आरती कॉल सेंटर में काम करती है। वह उमेंद्र की बुआ के साथ आती-जाती थी। करीब छह महीने पहले उमेंद्र उसे लाने-ले जाने लगा। इसी दौरान दोनों के बीच प्रेम संबंध हो गए। जानकारी होने पर अंजली ने विरोध किया। आरोप है कि उमेंद्र ने उसे मारा-पीटा। नाराज होकर अंजली सात वर्षीय बेटे पीयूष को लेकर मायके चली गई थी। बाद में उमेंद्र उसे समझाकर वापस ले आया। अंजली को उम्मीद थी कि पति सुधर जाएगा।

राजौरी गार्डन मेट्रो स्टेशन के पास 19 साल की छात्रा का शव

नई दिल्ली। दिल्ली के राजौरी गार्डन इलाके में 8 अगस्त को एक 19 वर्षीय युवती का शव मिलने से सनसनी फैल गई। यह घटना तब सामने आई जब नियमित गश्त पर तैनात हेड कांस्टेबल अवधेश ने राजौरी गार्डन मेट्रो स्टेशन (पिंक लाइन) के पास एक युवती का शव देखा। डीसीपी वेस्ट डिस्ट्रिक्ट, हरेश्वर वी स्वामी के मुताबिक, घटना की सूचना मिलते ही पुलिस स्टेशन राजौरी गार्डन में मामला दर्ज किया गया। तुरंत मौके पर पहुंची क्राइम टीम और एफएसएल टीम ने घटनास्थल का विस्तृत निरीक्षण किया। जांच के दौरान पुलिस को एक सुसाइड नोट भी बरामद हुआ। प्रारंभिक जांच में किसी भी तरह के संदिग्ध या अनैतिक गतिविधियों के सबूत नहीं मिले हैं

जमीयत उलेमा चांदनी चौक ज़िला दिल्ली के तत्वावधान में मदरसा मेराजुल उलूम रशीदिया में भव्य ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित

नई दिल्ली, 13 अगस्त (संवाददाता)- जमीयत उलेमा चांदनी चौक ज़िला दिल्ली के तत्वावधान में मदरसा मेराजुल उलूम रशीदिया, झोंपड़ी (कुरैश नगर) में स्वतंत्रता दिवस समारोह बड़े उत्साह, उल्लास और देशभक्ति की भावना के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुफ़्ती इंतिज़ार हुसैन मज़ाहिरी ने की, जबकि मंच संचालन की जिम्मेदारी मुफ़्ती मुशाहिद अहमद हुसैनी ने निभाई। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित भारतीय समाज वैज्ञानिक डॉ. ज़हीर अहमद खान ने अपने संबोधन में कहा कि स्वतंत्रता एक महान नेमत है और देश के विकास, राष्ट्रीय एकता तथा सामाजिक सौहार्द को बढ़ावा देने के लिए हम सभी को मिलकर कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि बच्चों को उच्च शिक्षा के साथ-साथ आधुनिक तकनीक से जोड़ना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि मुस्लिम बच्चे देश के भविष्य के निर्माता हैं, इसलिए उनकी शिक्षा और परवरिश पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। विशिष्ट अतिथि डॉ. अलीम एडवोकेट ने कहा कि देश के विकास में प्रत्येक नागरिक की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने युवाओं से शिक्षा को अपना सबसे बड़ा हथियार बनाने और देश के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर मुसर्रत चौधरी ने कहा कि भारत की गंगा-जमुनी तहज़ीब हमारी साझा विरासत है और आने वाली पीढ़ियों में देशभक्ति, भाईचारे तथा आपसी सम्मान की भावना को मज़बूत करना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। अपने अध्यक्षीय संबोधन में मुफ़्ती इंतिज़ार हुसैन ने कहा कि मदरसे हमेशा से समाज की बौद्धिक और नैतिक शिक्षा के प्रमुख केंद्र रहे हैं। उन्होंने कहा कि

देश से प्रेम ईमान का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और हमें एकता, सद्भाव और भाईचारे के माध्यम से एक मज़बूत भारत के निर्माण में अपनी भूमिका निभानी चाहिए। कार्यक्रम के सफल आयोजन में हाजी मोहम्मद नवाबुद्दीन कुरैशी और हाजी मोहम्मद वासिफ़ कुरैशी के योगदान की सराहना की गई। कार्यक्रम के अंत में हाफ़िज़ मोहम्मद गुफ़रान नक्शबंदी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता हाजी मोहम्मद मुशर्रफ़ीन कुरैशी, हाजी गड्डू भाई, मोहम्मद शाकिर अंसारी, हाजी मोहम्मद फ़ाज़लि अंसारी, हाफ़िज़ मोहम्मद अतहर, मौलवी मोहम्मद उमर क़ासमी, डॉ. ज़हीर कुरैशी, शेख़ सुहैल सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

ट्रक ने पीछे से बाइक में मारी टक्कर, मां-बेटी की मौत पति गंभीर रूप से घायल, जलाभिषेक कर लौट रहे थे घर

बहराइच। यूपी के बहराइच में सोमवार सुबह श्रावस्ती किसान सहकारी चीनी मिल के पास तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक में पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में मां-बेटी की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि, बाइक चला रहा पति गंभीर रूप से घायल हो गया। ये लोग मटेरा के जंगली नाथ मंदिर में जलाभिषेक कर घर लौट रहे थे। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। आगे की कार्रवाई की जा रही है। नानपारा के चौक बाजार निवासी भोला सरकार (45) अपनी पत्नी सुमित्रा (40) और बेटी गहना (17) के साथ मटेरा स्थित बाबा जंगली नाथ मंदिर में जलाभिषेक करने गए थे। परिजनों के अनुसार, मंदिर में अधिक भीड़ होने की आशंका के चलते तीनों रविवार रात ही मंदिर क्षेत्र पहुंच गए थे। सोमवार तड़के पूजा-अर्चना और जलाभिषेक करने के बाद परिवार बाइक से सुबह नानपारा स्थित अपने घर लौट रहा था। नानपारा-बहराइच मार्ग पर टोल प्लाजा के पास कुछ देर रुकने के बाद करीब पांच बजे वे नानपारा की ओर रवाना हुए। इसी दौरान टोल प्लाजा और श्रावस्ती किसान सहकारी चीनी मिल के बीच पीछे से आ रहे तेज रफ्तार अज्ञात ट्रक ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार तीनों लोग सड़क पर गिर गए। हादसे में सुमित्रा और उनकी बेटी गहना की मौके पर ही कुचलकर मौत हो गई। जबकि भोला सरकार गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को उपचार के लिए अस्पताल भेजा। पुलिस ने मां-बेटी के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस आसपास के लोगों से जानकारी जुटाने के साथ ही दुर्घटना करने वाले ट्रक और उसके चालक की तलाश कर रही है। हादसे की खबर नानपारा पहुंचते ही परिवार के लोगों में चीख-पुकार मच गई। एक ही परिवार की मां-बेटी की मौत से चौक बाजार क्षेत्र में भी शोक का माहौल है।

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री मनीष कुमार पुत्र श्री हरवीर सिंह, निवासी 241, उखलारसी, मुराद नगर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश 201206, एक आवासीय प्लाट संख्या -8, क्षेत्रफल 100 वर्ग गज, खसरा संख्या 930/3, स्थित ग्राम उखलारसी, तहसील मोदी नगर, जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश, के मालिक व काबिज खतौनी फसली वर्ष 1427-1432 द्वारा मालिक व काबिज है। कथित संपत्ति भार मुक्त है, न किसी प्राधिकरण द्वारा अधिगृहित है न ही कोई मामला किसी न्यायालय मे लंबित है। वर्तमान में, मेरे मुव्किल कथित सम्पत्ति को श्री रविन्द्र कुमार पुत्र श्री प्रेम चन्द को बेच रहे है जो आधार हाउसिंग फाइनेन्स लि0, शाखा निठारी, सेक्टर 31, नोएडा, गौतम बुद्ध नगर, उत्तरप्रदेश, के द्वारा फाइनेन्स किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त कथित सम्पत्ति के सबंध में कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षरी या आधार हाउसिंग फाइनेन्स लि0 के समक्ष इस प्रकाशन के 7 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति उचित कागजात के साथ रखे / संपर्क करे, अन्यथा कथित सम्पत्ति के संबंध में दावा अवैध व व्यर्थ माना जायेगा।

रूपेश कुमार रौशन अधिवक्ता
पता - डी-803, नंदग्राम,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश 201003
roushan.rupesh@gmail.com

PUBLIC NOTICE

This is to inform to the public at large that my client THE STATE BANK OF INDIA, SBI RACPC SEC-55, NOIDA, U.P. had granted a loan to Mrs. Archana Singh and Mr. Tek Bahadur Singh for purchase of a Flat No. 704, Tower No. B1, 7th floor, having super area 2124 Sq. Fts . in the complex known as IVY County constructed upon plot noGH-15, Eco city , Sector-75 , Noida U.P. That from the custody of my client Original Tripartite SubLease Deed executed by NOIDA and M/s Perfect Megastructure Pvt. Ltd. In favour of Mrs. Archana Singh and Mr. Tek Bahadur Singh having Regd. No. 4367, Book No.1, Vol No. 10046, on pages 73-108, dated 01.07.2024 and letter of allotment dated 04.02.2023 and offer of possession dated 22.04.2024 executed by NOIDA and M/s Perfect Megastructure Pvt. Ltd. In favour of Mrs. Archana Singh and Mr. Tek Bahadur Singh for the above said property is misplaced/lost/untraceable. If anybody/person/entity misuses the aforesaid property documents, my client will hold the first exclusive right. The said property will not be accepted against the mortgage (except my client's claim) in any such cases. And no claim shall be accepted on the basis of the aforesaid documents

RAHUL KUMAR GUPTA
(ADVOCATE)
Off. 43B, Third Floor,
Patparganj Village,
Mayur Vihar, Phase-I,
Delhi-1, M-NO- 7252922875

NAME CHANGE

I ANU RANI W/O RAJESH KUMAR SHARMA R/O. FLAT NO M-13 KRISHNA VIHAR I.P EXTENSION SHAKARPUR GANDHI NAGAR DELHI-110092 have changed my name to ANNU RANI for all future purposes.

NAME CHANGE

I MEHRUNISA W/0 MOHAMMAD AJMAEEN R/0 3520 3RD FLOOR KATRA BABAR BEG.LAL KUAN G.P.O.DELHI 110006 CHANGED MY NAME TO MEHRUN NISA

NAME CHANGE

I SHADATT UL ALLAH S/0 SAKHAWAT ULLAH R/0 2752 GALI PORGO WALI CHOHTI BARA DARISHER AFGAN BALLIMARAN DELHI G.P.O.DELHI 110006 CHANGED MY NAME TO SHAHADAT ULLAH

NAME CHANGE

I SAQAFAT ULLAH S/0 RAFAT ULLAH R/0 2752 GALI SHER AFGHAN CHOTI BARADARI DELHI G.P.O. DELHI 110006 CHANGED MY NAME TO SAKHAWAT ULLAH

NAME CHANGE

I CHAMAK LAL PRASAD SINGH S/O NARAYAN SINGH R/O WZ 596 A/2 RAJ NAGAR PART -1 PALAM COLONY DELHI 110077 have changed my name to CHAMAK LAL SINGH Permanently for all future

PUBLIC NOTICE

Information is hereby given to the general public that our client 1. Mr. Naushad S/o Mr. Ausaf Ali 2. Mr. Sabir S/o Mr. Iliyas are the owner and in possession of a Freehold Residential Part of Plot No. 2, area measuring 41.82 Sq. Mtrs., (i.e., 50 Sq. Yds) being the Western 1/2 portion of the 100 Sq. Yds., out of Khasra No. 120, Situated at Village Piplehda (Karim Colony), Pargana Dasna, Tehsil Dhaulana, District Hapur, U.P., Our client acquired the said property by virtue of a Sale Deed dated 25.03.2025 as Document No. 5063, in Book No. 1, Volume No. 7144, on pages 47-62, on 25.03.2025, SR-Dhaulana ., in the chain documents below mentioned documents not available i.e. Original Sale Deed dated 24.08.2017 executed by Mrs. Aasmeen in favour of Mr. Shahin Beg as Document No. 5115, in Book No. 1, Volume No. 2196, on pages 125-136, on 24.08.2017, with the Sub-Registrar Office of Dhaulana., Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property., and same property sold too bee Mr. Imran and the said property is presently financed/ mortgaged with Piramal Finance Ltd., Branch Gurgaon Haryana. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE

I, Maneesh Shende, S/O Shrikrishna Vasudev Shende, House No I-108, Ashok Vihar, Phase -1, opp. DDA Sports Complex, North West Delhi Pin: 110052 Have Changed My Name To Maneesh Shrikrishna Shende For All the future purposes

NAME CHANGE

I Yunus S/o Imamudin R/o H.no 1652, Gali no 17b, Near Naya Gaon, Krishna Kunj, Bhondsi, Gurugram, Haryana, 122102. Have changed my name to Yunus Khan for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Asif Ahmad Khan, S/O Rahis Ahmad, R/O Flat No-431 4th Floor, Block-C Swabhiman Apartments Jailerwala Bagh, Ashok Vihar Phase-2, Ashok Vihar, North West Delhi, Delhi- 110052 have changed my name to Asif for all future purposes.

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है की, मै राजबाला, उम्र लगभग 59 वर्ष, पत्नी स्वर्गीय श्री धरमबीर, निवासी मकान नंबर 960, गौतमपुरी, फेज-1, बदरपुर, नई दिल्ली, दक्षिण दिल्ली, दिल्ली-110044 ने अपने पुत्र राज कुमार उम्र लगभग 34 वर्ष जोकि मेरे साथ निवास नहीं करता कही और अपना निवास रखता है मैंने अपनी चल और अचल सम्पति से बेदखल कर दिया है आज से मेरा और हमारे परिवार का राज कुमार से किसी भी प्रकार का लेंन देंन नहीं रहा है अगर कोई भी उससे किसी भी प्रकार का लेन देन करेगा वह स्वंम जिम्मेदार होगा।

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधरण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किलों सलीम अहमद राशिद पुत्र अब्दुल राशिद व जुवेदा पत्नी सलीम अहमद राशिद पता मकान नं0 सी-878, सी-ब्लाक, जे जे कालोनी हस्तसाल, वीटीसी उत्तम नगर, पो0ओ0 डी. के. मोहन गार्डन, जिला पश्चिमी दिल्ली, दिल्ली-110059 ने अपने पुत्र सुल्तान अब्बासी उर्फ भूरे व पुत्रवधु मोसिन पत्नी सुल्तान अब्बासी उर्फ भूरे के अवज्ञाकारी व नियन्त्रण में न होने के कारण अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिये है और अपने सारे संबंध विच्छेद कर लिये है। यदि कोई व्यक्ति मेरे मुवक्किलों के पुत्र व पुत्रवधु से किसी भी तरह का लेन देन करता है तो वह स्वयं जिम्मेदार होगा इसमें मेरे मुविक्कलों व मेरे मुविक्कलों के परिवार की कोई जिम्मेदारी नही होगी।

एन.के. तिवारी, अधिवक्ता
चैम्बर नं0 832 जिला न्यायालय, द्वारका
कोर्ट, द्वारका, नई दिल्ली 110075.
मो0 नं0 9718829511.

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large on behalf of my client **Mrs. Savita in respect of Upper Ground Floor and Third Floor With Roof Rights, House No WZ-239-A area Measuring 68 sq. yds., Gali No.07, out of Khasra No.67/9/1, Situated in the revenue estate of Village Palam, Delhi State Delhi abadi Known as Sadh Nagar, Palam Colony Delhi..; for** Lost OF Property document i.e, Sale Deed dated 04.09.2008 executed by Jyoti Prakash in favour of Usha Devi & Ramesh Chand in respect of Plot no.WZ239-A, area measuring 22 sq. yards, out of Khasra No.67/9/1, Village-Palam, Abadi known as Sadh Nagar, Gali No.7, Palam Colony, New Delhi-110045, DOC. NO.8769, VOL. NO.4562, DATED 04.09.2008, PAGE NOS.38-46, IN BOOK NO.1 BY SRO-IX, NEW DELHI, **on 10.06.2024 in New Delhi. An E-FIR was registered for the same examined by E-Police vide LR No. 536361/2026 on 13.08.2026**, This property is mortgaged with **Bajaj Housing Finance Limited.** Any person(s)/ Institution(s) found/finds the same may please send us to the address mentioned herein. Anyone misusing the same shall be liable for action under relevant provisions of the Law of the Land, If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within Seven days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE

I DNYANESHWAR legally father of Army no - 2809454H, Rank - L/HAV, Name - PANDHARE VISHNU DNYANESHWAR, Presently Residing At - AVHANA, Post-AVHANA, Teh - BHOKARDAN, Dist - JALNA, State - MAHARASHTRA, Pin - 431114 have changed my name from DNYANESHWAR to DNYANESHWAR BHUJANRAO PANDHARE for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/01/1967 instead of my correct date of birth as 11/10/1966 Vide Affidavit dated 13/08/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I PRAYAGBAI legally mother of Army no - 2809454H Rank - L/HAV, Name - PANDHARE VISHNU DNYANESHWAR , Presently Residing At - AVHANA, Post-AVHANA Teh - BHOKARDAN, Dist - JALNA, State - MAHARASHTRA, Pin - 431114 have changed my name from PRAYAGBAI to PRAYAGBAI PANDHARE for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/01/1971 instead of my correct date of birth as 12/08/1966 Vide Affidavit dated 13/08/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I INDUBAI DAGDU legally mother of Army no - 2807386f, Rank - NK, Name - PATOLE SUNIL DAGADU, Presently Residing At-Lohshingave, Post- SHENIT, Teh - NASHIK, Dist - NASHIK, State-MAHARASHTRA Pin - 422401 have changed my name from INDUBAI DAGDU to INDUBAI DAGDU PATOLE for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 15/04/1966 instead of my correct date of birth as 12/09/1966 Vide Affidavit dated 13/08/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I, Solunke Ashruba Rama is Legally father of NO-2824662P RANK-Sep, Name- Solunke Rambhau Ashruba, Presently residing VILL-Ghatewadi, POST- Shindi, TEH-Kaij, DIST- Beed (MAHARASHTRA), PIN-431123, Have Changed my Name from Solunke Ashruba Rama To Ashruba Rama Solunke and Date of Birth from 01/01/1964 for all future purpose vide Before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, Aman deep, S/O Govind Ram Tanwar , 354, Divya Jyoti apartment , B4 Road ,Block C, Sector 19 Rohini Pin: 110089 Have Changed My Name To Amandeep Singh For All Future Purposes.

PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large that our client Mrs. Afsana W/o Mr. Afzal is the owner of Freehold Residential Vacant Plot No. 93-B, area measuring 80 Sq. Yds., i.e., 66.88 Sq. Mtrs., out of Khasra No. 1049, Situated at Om Vihar Colony, in the area of Village Dundahera, Pargana Loni, Tehsil & District Ghaziabad, U.P. by virtue of Sale Deed dated 06.04.2023 duly registered Vide Document No. 3344, in Book No. 1, Volume No. 19854, on Pages No. 373-392, on dated 06.04.2023, in the office of SR- Sadar I, Ghaziabad., in the chain documents below mentioned document lost/Misplace his Original Sale Deed dated 06.03.2017 executed by Mr. Shriram Kaushik in favour of Mrs. Savitri Devi duly registered Vide Document No. 1006, in Book No. 1, Volume No. 14387, on Pages No. 223-272, on dated 06.03.2017, in the office of SR- I, Ghaziabad., now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and same has been financed by SMFG India Home Finance Company Limited Branch: Ghaziabad Uttar Pradesh. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE

I . VIRENDER SINGH S/O VED PARKASH DABAS R/O B-60/1 GALI NO 11 DWARKA MOD . SEWAK PARK UTTAM NAGAR DELHI 110059 have changed my name to VIRENDER SINGH DABAS Permanently for all future

NAME CHANGE

I KARAMVEER S/O INDRAJ KAUSHIK R/O AMRU PANA, KELANGA(130) , BHIWANI, HARYANA - 127114 have changed my name to KARMVEER KAUSHIK Permanently for all future

NAME CHANGE

I, RAVI KUMAR S/o SHRI PRAKASH CHAND R/o H-232-233, J.J. COLONY WAZIRPUR, DELHI-110052, that my name is written "RAVI KUMAR" in my School Record and Ration Card. That my name is written "RAVI" in my Voter I Card and Aadhar Card. That I declare that RAVI KUMAR and RAVI is one and the same person.

NAME CHANGE

I, ABHISHEK KUMAR S/o Ram Prasad Singh R/o Tower C-4, 204, Amrapali Golf Homes, Greater Noida, Sec-4, Gautam Budh Nagar, U.P-201309, have changed my name to ABHISHEK SINGH permanently

NAME CHANGE

I, RAJNI PAL W/O BHAGRAJ R/O 493, Mirzapur Sector-12 Pratap Vihar, Vijay Nagar, Ghaziabad, PO: Ghaziabad City, DIST: Ghaziabad, Uttar Pradesh-201009 have changed the name of my minor son MIVAAN PAL aged 5 years and he shall hereafter be known as MAYANK PAL.

NAME CHANGE

I hitherto known as Santosh W/o Shri Surjeet Kumar R/o H.No-05, Gali No-01, Razapur, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201002 have changed my name and shall hereafter be known as Sunita.

NAME CHANGE

I, RAJNI PAL W/O BHAGRAJ R/O 493, Mirzapur Sector-12 Pratap Vihar, Vijay Nagar, Ghaziabad, PO: Ghaziabad City, DIST: Ghaziabad, Uttar Pradesh-201009 have changed the name of my minor son DARSH PAL aged 7 years and he shall hereafter be known as DIPANSH PAL.

PUBLIC NOTICE

My clients Sh. Jogender Singh Shakya, S/o. Sh.Siya Ram Shakya and Ms Sneh Lata, W/o Sh. Jogender Singh Shakya both R/o. H.No.-B-111, Gali No.10, Sai Nagar, Meethapur Extn. Mithepur, South Delhi-110044 has disowned their daughter Vishakha from all their movable/ immovable properties because of her misbehavior and severed all their relations with Vishakha. My clients shall not be responsible for any of her acts in future.

RAMVEER SINGH
Advocate

NAME CHANGE

I NEERAJ KATARIA W/0 SUSHIL KUMAR R/0 H.NO-31 ADCHINI VILLAGE MALVIYA NAGAR DELHI 110017 CHANGED MY NAME TO NEERAJ DEVI

NAME CHANGE

I SUSHIL KATARIA S/0 KRISHAN KUMAR R/0 H.NO-31 ADCHINI VILLAGE MALVIYA NAGAR DELHI 110017 CHANGED MY NAME TO SUSHIL KUMAR

NAME CHANGE

I PUKRAJ S/0 NATHU RAM R/0 H.NO 219 POCKET-2 PASCHIM PURI DELHI CHANGED MY NAME TO PUKH RAJ

NAME CHANGE

I, AUSAF S/o ISTYAK R/o HOUSE NO-132, AMINABAD URF BADA GAON, MEERUT, UTTAR PRADESH-250401 have changed my name to OAUSAF for all future purposes.

NAME CHANGE

I, FATAMA W/o OAUSAF R/o HOUSE NO-132, AMINABAD URF BADA GAON, MEERUT, UTTAR PRADESH-250401 have changed my name to FATMA for all future purposes.

NAME CHANGE

I, ABHIMANYU S/O PRITHVI SINGH, R/O HOUSE NO-10 A, KISSAN COLONY, AZAD NAGAR, HISAR, HARYANA-125001,HAVE CHANGED MY NAME ABHIMANYU DUDI FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I RINEKESH GUPTA W/O MUKESH GUPTA R/O C -59 RAMA PARK UTTAM NAGAR D K MOHAN GARDEN DELHI 110059 have changed my name to RINKESH GUPTA Permanently for all future

NAME CHANGE

I, RAM PRASAD KUSHWAHA S/o Ramkrat Prasad R/o C-22, Nirmal Puri, Old Double Storey, Lajpat Nagar-4, Delhi-110024, declare that name of RAM PRASAD KUSHWAHA / SHRIRAM PRASAD and SHREERAM PRASAD are one and same person

NAME CHANGE

I, MANGAMMA mother of No 15210229H, Rank-HAV (GNR), Name-NARESH BABU CHINTHALA residing at C 22, PEDABAYALU, VTC-PEDA BAYALU, PO-PEDABAYALU, SUB DIST-PEDA BAYALU, DIST-VISAKHAPATNAM, ANDHRA PRADESH-531040 have changed my name from MANGAMMA to CHINTHALA ALIVELI MANGAMMA for all future purposes vide Affidavit dated 12/08/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, RANVIJAY SINGH RANA S/o MANISH RANA R/o NPC-223, ARJUN VIHAR DELHI CANTT, NEW DELHI-110010, have changed my name from RANVIJAY SINGH to RANVIJAY SINGH RANA for all future purposes.

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large on behalf of my client **Mrs. Nirmala Mehra W/o. Mr. Sudesh Kumar, in respect of Third Floor, With Roof/Terrace Rights., of Built-Up Property bearing No. C-24, Land Area Measuring 37.1/2 Sq. Yards, Out of Khasra No. 67/16/2, Situated in the Revenue Estate of Village Hastsal, Delhi State Delhi, area abadi Known as Hastsal Vihar, in Block-C, Uttam Nagar, New Delhi-110059** claiming to have undisputed ownership. Now my client intends to sell the property in which **SMFG India Home Finance Company Limited** will provide the financial assistance If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within Seven days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE

I, hitherto known as SYED MD QUTUBUDDIN S/O SYED MD FAHIMDDIN R/O E-53, QUTUB MANZIL, SHAHEEN BAGH, JAMIA NAGAR, OKHLA, SOUTH DELHI, DELHI-110025 have changed my name and shall hereafter be known as S. M. QUTBUDDIN DEHLVI

PUBLIC NOTICE

Be it known to all that my client namely HARUN S/O RAMJAN ANSARI R/O D-33, MANSA RAM PARK, UTTAM NAGAR, MATIALA, WEST DELHI, DELHI-110059, presently residing at A-1, GALI NO.15, PART-1, SITAPURI, NEW DELHI-110059, has disowned, debarred his son namely NASEEM ANSARI S/O HARUN and daughter-in-law GULFZA W/O HARUN, from all his moveable and immoveable properties because they are out of control of my client. My client has severed all relations with them. Henceforth, my client shall not be responsible for any acts, deeds and things of his above named son and daughter-in-law and anybody dealing with them in any manner shall be doing so at his/her own risk and responsibility.

DEEPAK KUMAR ADVOCATE
Chamber No.542,
Lawyers Chamber Complex
District Courts Dwarka, Sector 10,
New Delhi-110075.
Mob. No. 9899661837

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री अशोक कुमार पुत्र श्री अंगद सिंह, निवासी ग्राम खोदना कला, श्यौराजपुर, दादरी, जिला गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश 203207, एक आवासीय प्लाट संख्या -15, क्षेत्रफल 75 वर्ग गज, खसरा संख्या 434, स्थित महादेव पुरम-2, ग्राम खोदना कला, तहसील दादरी, जिला गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश, के मालिक व काबिज खतौनी फसली वर्ष 1427-1432 द्वारा मालिक व काबिज है। कथित संपत्ति भार मुक्त है, न किसी प्राधिकरण द्वारा अधिगृहित है न ही कोई मामला किसी न्यायालय मे लंबित है। वर्तमान में, मेरे मुव्किल कथित सम्पत्ति को श्री पंकज कुमार पुत्र श्री कृष्ण पाल को बेच रहे है जो आधार हाउसिंग फाइनेन्स लि0, शाखा निठारी, सेक्टर 31, नोएडा, गौतम बुद्ध नगर, उत्तरप्रदेश, के द्वारा फाइनेन्स किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त कथित सम्पत्ति के सबंध में कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षरी या आधार हाउसिंग फाइनेन्स लि0 के समक्ष इस प्रकाशन के 7 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति उचित कागजात के साथ रखे / संपर्क करे, अन्यथा कथित सम्पत्ति के संबंध में दावा अवैध व व्यर्थ माना जायेगा।

रूपेश कुमार रौशन अधिवक्ता
पता - डी-803, नंदग्राम,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश 201003
roushan.rupesh@gmail.com

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री जगदीश लाल भसीन यूनिट नंबर 2-A "Private", क्षेत्रफल 222.25 वर्ग गज, तथा प्रथम तल पर स्थित पोर्शन नंबर 2-D (Private), जिसका आनुपातिक भूमि क्षेत्रफल 217.75 वर्ग गज है, अर्थात कुल भूमि क्षेत्रफल 440 वर्ग गज, जो संपत्ति संख्या C-1/2, कुल भूमि क्षेत्रफल 894.89 वर्ग गज, मॉडल टाउन, दिल्ली में निर्मित है, के स्वामी हैं, उक्त स्वामित्व घोषणा विलेख (Declaration Deed) दिनांक 02.05.2022 के आधार पर है, जो (1) श्री ओम प्रकाश भसीन, (2) श्री जगदीश भसीन तथा (3) श्रीमती पुष्पा भसीन द्वारा निष्पादित किया गया था तथा जो उप-पंजीयक कार्यालय-VI-A, नई दिल्ली/दिल्ली में दस्तावेज संख्या 643, बुक संख्या 4, वॉल्यूम संख्या 1409, पृष्ठ 73-77 के रूप में दिनांक 04.05.2022 को पंजीकृत हुआ, उक्त संपत्ति की मूल स्वामिनी श्रीमती राधा बाई थीं, जिन्होंने बिक्री विलेख दिनांक 25.07.1958, दस्तावेज संख्या 5841, के माध्यम से उक्त संपत्ति प्राप्त की थी, तत्पश्चात, पंजीकृत सामान्य मुख्तारनामा दिनांक 21.06.1982 श्रीमती राधा बाई द्वारा श्री तिलक राज भसीन एवं श्री जगदीश लाल भसीन के पक्ष में निष्पादित किया गया, जो संपत्ति संख्या 1/2, क्षेत्रफल 2548 वर्ग गज, से संबंधित था। इसी प्रकार, पंजीकृत वसीयतनामा दिनांक 21.06.1982 श्रीमती राधा बाई द्वारा उक्त संपत्ति के संबंध में श्री ओम प्रकाश भसीन, श्री तिलक राज भसीन एवं श्री जगदीश राज भसीन के पक्ष में निष्पादित किया गया, श्रीमती राधा बाई के निधन के पश्चात, रिलीज डीड दिनांक 21.10.1992 (1) श्री चमन लाल नारंग, अपने लिए तथा श्रीमती मुक्ता अरोड़ा एवं श्रीमती स्मिता अरोड़ा के सामान्य मुख्तार के रूप में, (2) श्रीमती शारदा शर्मा एवं (3) श्रीमती आशा रानी अरोड़ा द्वारा अपने-अपने अविभाजित हिस्से के संबंध में श्री विजय नारंग के पक्ष में निष्पादित की गई, जो संपत्ति संख्या 1/2, क्षेत्रफल 2548 वर्ग गज, से संबंधित थी। उक्त दस्तावेज दस्तावेज संख्या 6731 के रूप में पंजीकृत है, तत्पश्चात, कन्वेयंस डीड दिनांक 01.09.1993 (1) श्री ओम प्रकाश भसीन, (2) श्री तिलक राज भसीन एवं (3) श्री जगदीश लाल भसीन, अपने लिए तथा M/s Bhasin Properties के साझेदारों के रूप में, द्वारा श्रीमती मीना भसीन के पक्ष में निष्पादित की गई, जो संपत्ति संख्या C-1/2 के प्रथम तल पर स्थित पोर्शन नंबर 2-D (Private) से संबंधित थी। उक्त दस्तावेज दस्तावेज संख्या 5198 के रूप में पंजीकृत है, इसके पश्चात, पार्टिशन डीड दिनांक 27.10.1993 निम्नलिखित पक्षकारों के मध्य निष्पादित की गई, श्री ओम प्रकाश भसीन, प्रथम पक्ष, जिन्हें यूनिट नंबर 2-A "Private", क्षेत्रफल 258.98 वर्ग गज, के स्वामित्व अधिकार प्राप्त हुए, श्री जगदीश लाल भसीन, द्वितीय पक्ष, जिन्हें यूनिट नंबर 2-C "Private", क्षेत्रफल 222.25 वर्ग गज, के स्वामित्व अधिकार प्राप्त हुए; तथा श्री तिलक राज भसीन, तृतीय पक्ष, जिन्हें यूनिट नंबर 2-E एवं 2-F "Private", क्षेत्रफल 410.66 वर्ग गज, के स्वामित्व अधिकार प्राप्त हुए, उक्त विभाजन संपत्ति संख्या C-1/2, कुल भूमि क्षेत्रफल 894.89 वर्ग गज, के संबंध में था। उक्त पार्टिशन डीड उप-पंजीयक कार्यालय-I, नई दिल्ली/दिल्ली में दस्तावेज संख्या 7185, बुक संख्या 1, वॉल्यूम संख्या 6299, पृष्ठ 156-164 के रूप में दिनांक 27.10.1993 को विधिवत पंजीकृत हुई, उपरोक्त दस्तावेजों के आधार पर श्री जगदीश लाल भसीन ने उक्त संपत्ति पर वैध स्वामित्व अधिकार प्राप्त किया है तथा वर्तमान में वे उक्त संपत्ति के शांतिपूर्ण एवं वास्तविक भौतिक कब्जे में हैं, मेरे द्वारा परीक्षण हेतु प्रस्तुत दस्तावेजों तथा उपलब्ध कराई गई जानकारी के आधार पर उक्त संपत्ति सभी प्रकार के भार, ग्रहणाधिकार, शुल्क, बंधक, कुर्की, अधिग्रहण, मुकदमेबाजी एवं तृतीय पक्ष के दावों से मुक्त प्रतीत होती है। प्रस्तावित खरीद हेतु वित्तीय सहायता RBL Bank Limited, Building No. 1, First Floor, Modi Mill Compound, Okhla Industrial Estate, New Delhi द्वारा प्रदान की जानी है, यदि किसी व्यक्ति/व्यक्तियों को उक्त संपत्ति के संबंध में किसी प्रकार की आपत्ति, दावा, अधिकार, हित अथवा कोई अन्य आपत्ति है, तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 07 (सात) दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में नीचे दिए गए पते पर रजिस्टर्ड डाक अथवा ई-मेल के माध्यम से अधोहस्ताक्षरी के समक्ष प्रस्तुत कर सकता/सकती है। निर्धारित अवधि के भीतर कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में, उक्त संपत्ति के संबंध में किसी भी व्यक्ति/व्यक्तियों द्वारा बाद में प्रस्तुत किया गया कोई भी दावा या आपत्ति निरस्त एवं शून्य (Null and Void) मानी जाएगी तथा उसे स्वीकार नहीं किया जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल- kumarw®wvashwani@gmail.com

NAME CHANGE

I, Sandeep Patil Army No. 14831857M Rank - HAV Presently Posted at Unit 5004 ASC Bn, C/o - 99 APO, Tezpur, Assam, Pin Code - 905004 & Permanent Resident of Village - Bhat Nanganur, Post - Appachiwadi, Tehsil - Chikkodi, Dist - Belagavi, State - Karnataka, Pin - 591241 have changed my father's name from Balasahab to Balasaheb for all future purposes. Vide Affidavit Dated 13th Aug. 2026 before The Notary Public at Delhi in presence of Advocate Rajkumar.

NAME CHANGE

I, Veena, W/O Rattan Lal, R/O 86/8, Model Town, Near Gurudwara, Gurgaon, PO: Gurgaon Haryana, 122001 have changed my name to Veena Kumari for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Rahul Kumar Yadav, S/O Rajender Kunar Yadav, R/O Flat No. 4172 Tower -4, 17th Floor ATS Kocoon Sector 109 Dwarka Expressway Gurugram 122017 Haryana , SECTOR 109, Bajghera PO :Carterpuri, DIST:Gurgaon, Haryana-122017 have changed my name to Rahul Yadav for all future purposes

NAME CHANGE

I, Rena Shishodia, W/o Leelu, R/o VPO Bhondsi, Gurugram, Haryana – 122102, have changed my name from Rena Shishodia to Reena Devi. Henceforth, I shall be known as Reena Devi for all purposes.

NAME CHANGE

I, KUMKUM wife of JC-333129M, Rank-SUB, Name-ARUN KUMAR TRIPATHI residing at FLAT NO-C101, SALASAR ANGAN ABC/C-1, CHS LTD, KANAKIA ROAD, MIRA ROAD EAST, THANE-MAHARASHTRA-401107, have changed my name from KUMKUM to KUMKUM TRIPATHI for all future purposes vide Affidavit dated 13/08/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, ANJURA BIBI mother of No 15717105Y, Rank-L/NK, Name-IDRISH MONDAL residing at VILL-KHABRAPOTA, PO-GOPAL NAGAR, TEHSIL & DIST-NORTH 24 PARGANAS, WEST BENGAL-743262 have changed my name from ANJURA BIBI to ANJURA MANDAL for all future purposes vide Affidavit dated 13/08/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, JALAL MONDAL father of No 15717105Y, Rank-L/NK, Name-IDRISH MONDAL residing at VILL-KHABRAPOTA, PO-GOPAL NAGAR, TEHSIL & DIST-NORTH 24 PARGANAS, WEST BENGAL-743262 have changed my name JALAL MONDAL to JALAL MANDAL for all future purposes vide Affidavit Dated 13/08/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, formerly Imran, son of Shri Pratap, resident of House no. 321, Indana Road, Khaika, Hathin, Palwal Haryana, hereby declare that I have changed my name from Imran to Imran Khan and will be known and addressed as Imran Khan for all purposes, records and documents in future.

NAME CHANGE

I RAJSHREE W/O KARMVEER KAUSHIK R/O AMRU PANA, KELANGA(130) , BHIWANI, HARYANA - 127114 have changed my name to RAJSHREE KAUSHIK Permanently for all future

NAME CHANGE

I OM PRAKASH KUMAWAT S/O MOTI RAM R/O PIPLI WALI TALAI WARD NO -1, KISHANGARH RENWAL JAI PUR RAJASTHAN 303603 have changed my name to OMPRAKASH JETHIWAL Permanently for all future

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

महेंद्रगढ़ में अवैध खनन याचिका की जांच करेगी सीबीआई

एजेंसी
चंडीगढ़। पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने महेंद्रगढ़ जिले में अवैध खनन के संबंध में दाखिल याचिका का नोटिस लेते हुए सीबीआई को प्राथमिकी दर्ज करके जांच करने के आदेश जारी किए हैं। इस याचिका पर सच्चाई पर उठे सवाल के बाद हाईकोर्ट ने यह फैसला किया है, क्योंकि हाई कोर्ट की प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट हुआ कि याचिका में जिस व्यक्ति को याचिकाकर्ता बताया गया, उसे न तो याचिका दाखिल होने की जानकारी थी और न ही उसने इसे दाखिल करने के लिए किसी को अधिकृत किया था। इस गंभीर मामले को देखते हुए कार्यवाहक चीफ जस्टिस अश्विनी कुमार मिश्रा और जस्टिस रोहित कपूर की खंडपीठ ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को प्राथमिकी दर्ज कर जांच के आदेश दिए हैं। सीबीआई की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में खंडपीठ के समक्ष पेश की गई थी। रिपोर्ट के अनुसार, याचिकाकर्ता को याचिका दाखिल करने की जानकारी नहीं थी और उसने किसी को निर्देश या अधिकृत नहीं किया था। प्रारंभिक जांच में गलत प्रस्तुतीकरण और रिकार्ड में हेरफेर के तथ्य सामने आए हैं, जिससे प्रथम दृष्टया संज्ञेय अपराध का मामला बनता है।

हरियाणा में बढ़ रहे हैं दलित उत्पीड़न की घटनाओं के अदालती केस

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा में अनुसूचित जाति-जनजाति के खिलाफ अत्याचार से संबंधित अदालती मामलों में लगातार वृद्धि हो रही है। दलितों को अदालतों से केवल तारीख मिल रही है। 2022 में ऐसे 1633 मामले दर्ज हुए थे, जो 2024 में घटकर 1077 रह गए। इसके बावजूद लंबित मामलों की संख्या 3119 से बढ़कर 3910 हो गई। कुरुक्षेत्र से भाजपा सांसद नवीन जिंदल के लोकसभा में सवाल के जवाब में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास आठवले ने यह आंकड़े दिए। 2024 में दर्ज 1077 मामलों में 661 में आरोपपत्र दाखिल हुआ, जबकि सिर्फ 56 मामलों में दोषसिद्धि हुई। साल के अंत तक 3910 मामले लंबित थे। यानी नए मामलों में कमी के बावजूद पुराने मामलों के निपटारे की रफ्तार लंबित बोझ कम करने के लिए पर्याप्त नहीं रही। 2022 से 2024 के बीच नए मामलों की संख्या 1633 से घटकर 1077 हुई यानी करीब 34 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। इसके उलट लंबित मामलों की संख्या 3119 से बढ़कर 3910 हो गई। करीब 25 फीसदी की बढ़ोतरी इस अवधि में हुई। 2023 में 1539 नए मामले दर्ज हुए थे और साल के अंत में 3569 मामले लंबित थे।

केंद्र सरकार ने कहा: हिसार व सोनीपत में मनरेगा की कोई मजदूरी बकाया नहीं

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा के सोनीपत और हिसार में मनरेगा मजदूरों को मजदूरी भुगतान में देरी की शिकायतों पर केंद्र सरकार ने दावा किया है कि वित्त वर्ष 2025-26 तक की सभी देय और पात्र लंबित मजदूरी का भुगतान किया जा चुका है। सोनीपत सांसद सतपाल ब्रह्मचारी और हिसार सांसद जयप्रकाश ने लोकसभा में दोनों क्षेत्रों में मजदूरी भुगतान में देरी और पिछले तीन वर्षों के आंकड़ों को लेकर सवाल पूछा था। ग्रामीण विकास राज्य मंत्री कमलेश पासवान ने बताया कि मनरेगा में मस्टर रोल बंद होने के 15 दिन के भीतर मजदूरी भुगतान की प्रक्रिया पूरी करने का प्रावधान है। इसका अहम चरण फंड ट्रांसफर ऑर्डर (एफटीओ) जारी करना है। हिसार में 15 दिन के भीतर एफटीओ जारी होने का अनुपात 2023-24 में 82.54 फीसदी था, जो 2024-25 में बढ़कर 99.50 और 2025-26 में 97.23 फीसदी रहा। सोनीपत में यह अनुपात क्रमशः 94.31, 97.47 और 93.83 फीसदी रहा। मनरेगा में पंजीकृत मजदूरों की संख्या तीनों वर्षों में सोनीपत में करीब 69 हजार और हिसार में करीब 2.54 लाख रही। हालांकि उपलब्ध काम में गिरावट आई। सोनीपत में मानव-दिवस 2023-24 के 4.05 लाख से घटकर 2025-26 में 2.50 लाख रह गए। हिसार में 24.3 लाख मानव-दिवस से घटकर 12.1 लाख रह गए।

फरीदाबाद की ग्लोबल सिटी में बनेगा विश्व स्तर का आइकॉनिक टावर

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सरकार द्वारा फरीदाबाद में विकसित की जा रही ग्लोबल सिटी के अंदर तीन माह में बिजली, पानी आदि मूलभूत योजनाएं पूरी करने के लिए विशेष कार्य योजना तैयार की जाए। इसके अलावा ग्लोबल सिटी में विश्व स्तर का आइकॉनिक टावर बनाने के लिए कार्य योजना तैयार की जाए। उन्होंने पिंजौर की हवाई पट्टी का विस्तार करने के लिए भी कार्य योजना बनाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री चंडीगढ़ में राज्य प्रगति पोर्टल समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि ग्लोबल सिटी के पूर्ण हो जाने के बाद इसमें मूलभूत सुविधाओं के साथ-साथ युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी सुलभ हो सकेंगे।

युवा शक्ति ही विकसित भारत और विकसित हरियाणा की सबसे बड़ी ताकत: मुख्यमंत्री

अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस पर पंचकूला में आयोजित कार्यक्रम में 'एचआईवी-एड्स जागरूकता अभियान' का शुभारंभ

- 12 अक्टूबर तक प्रदेशभर में चलेगा विशेष अभियान

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश के युवाओं को अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस की बधाई देते हुए कहा कि युवा केवल एक उम्र नहीं, बल्कि ऊर्जा, सामर्थ्य और संभावनाओं का अथाह सागर हैं। युवा केवल भविष्य नहीं, बल्कि वर्तमान की सबसे बड़ी ताकत हैं जो विकसित भारत-2047 के संकल्प को साकार करने में निर्णायक भूमिका निभाएगी।
मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर पंचकूला स्थित इंद्रधनुष ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने एचआईवी-एड्स जागरूकता अभियान का शुभारंभ करते हुए कहा कि यह अभियान आगामी 12 अक्टूबर तक पूरे प्रदेश में चलेगा।

उन्होंने देश के 15 सुरक्षित जिलों की सूची में शामिल हरियाणा के कुरुक्षेत्र व कैथल जिलों को सम्मानित करते हुए कहा कि एचआईवी के खिलाफ लड़ाई केवल विरोध से नहीं, बल्कि सही जानकारी, जागरूकता, अपनापन और संवेदनशीलता के माध्यम से जीती जा सकती है।मुख्यमंत्री ने

कहा कि एचआईवी के साथ जीवन जी रहे व्यक्ति से दूरी बनाना अज्ञानता है। हमें बीमारी से लड़ना है, बीमार व्यक्ति से नहीं। उन्होंने समाज से आह्वान किया कि चुप्पी, कलंक और शर्म की तीन दीवारों को हमें मिलकर गिराना होगा। प्रत्येक व्यक्ति कम से कम 10 अन्य लोगों तक एचआईवी से बचाव और उपचार से जुड़ी सही जानकारी पहुंचाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं की आकांक्षाएं चाहे कितनी भी बड़ी हों, उन्हें पूरा करने के लिए स्वस्थ और सक्षम शरीर आवश्यक है।

अच्छे स्वास्थ्य, बेहतर शिक्षा, समान अवसर और सुरक्षित भविष्य की आकांक्षा रखने वाले युवाओं को सबसे पहले अपना शरीर स्वस्थ रखना होगा। उन्होंने युवाओं को नशे से दूर रहने का आह्वान करते हुए कहा कि जिस हाथ में हुनर होना चाहिए, उसमें नशे की सुई नहीं होनी चाहिए और जिन आंखों में जीवन की चमक होनी चाहिए, उनमें नशे का अंधेरा नहीं होना चाहिए। स्वस्थ शरीर और अनुशासित चरित्र ही मजबूत भविष्य की नींव हैं। श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में भारत का युवा तेज गति से आगे बढ़ रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ऑटोमेशन, रोबोटिक्स, ड्रोन, इलेक्ट्रॉनिक्स, डिजिटल तकनीक और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में दुनिया तेजी से बदल रही है। हरियाणा को इस बदलाव में सबसे आगे रहना है।

उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास है कि गांव का युवा भी शहर के युवा की तरह आधुनिक तकनीक और कौशल सीख सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की आईटीआई संस्थाओं को करीब 3,000 करोड़ रुपये की लागत से उन्नत किया जा रहा है।

'कपिल मुनि की तपोभूमि पर तिरंगे का गौरव'

तप, त्याग और बलिदान की परंपरा ही भारत की असली शक्ति: डॉ. अर्चना गुप्ता

ऋषियों की तपस्या से लेकर स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान तक, भारत की मिट्टी ने हमेशा राष्ट्र को स्वयं से ऊपर रखा : डॉ. अर्चना गुप्ता

एजेंसी
चंडीगढ़। ऋषि कपिल मुनि की तपोभूमि कैथल एक अलग ही रंग में दिखाई दी। जिस धरती की पहचान सदियों से तप, त्याग और भारतीय संस्कृति से रही है, उसी धरती पर आज हाथों में तिरंगा लेकर निकले हजारों कदमों ने स्वतंत्रता के ज्ञात-अज्ञात बलिदानियों को नमन किया।

माननीय भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता के नेतृत्व में सैकड़ों मोटरसाइकिलों, ट्रैक्टरों और गाड़ियों के साथ निकली भव्य तिरंगा यात्रा के दौरान 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम्' के उद्घोष से पूरा कैथल राष्ट्रभक्ति के रंग में रंग गया।जिमखाना क्लब से प्रारंभ हुई

तिरंगा यात्रा पिहोवा चौक, करनाल रोड और सचिवालय चौक से होते हुए लाला चरणदास शोरेवाला मार्ग पहुंची। पूरे रास्ते हाथों में लहराते तिरंगे और जगह-जगह नागरिकों द्वारा किए गए स्वागत ने यात्रा को जनभागीदारी के उत्सव में बदल दिया। युवाओं, महिलाओं, बुजुर्गों और भाजपा कार्यकर्ताओं में तिरंगे को लेकर विशेष उत्साह दिखाई दिया। माननीय प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि कपिल मुनि की यह पवित्र धरती हमें तप और त्याग की प्रेरणा देती है और भारत की स्वतंत्रता भी ऐसे ही असंख्य त्याग और बलिदानों की अमूल्य विरासत है। हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने स्वयं और अपने परिवारों से ऊपर राष्ट्र को रखा और भारत माता की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। उन्होंने कहा कि आज हम उन महान स्वतंत्रता सेनानियों को तो नमन करते ही हैं जिनके नाम इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित हैं, साथ ही उन असंख्य गुमनाम वीरों को भी श्रद्धापूर्वक स्मरण करते हैं जिनके बलिदान की कहानी शायद इतिहास के पन्नों तक नहीं पहुंच सकी।

स्वतंत्र भारत की प्रत्येक सांस ऐसे ज्ञात-अज्ञात बलिदानियों की ऋणी है। डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि तिरंगा केवल तीन रंगों से बना ध्वज नहीं है। इसमें स्वतंत्रता सेनानियों का संघर्ष, सैनिकों का शौर्य, किसानों और श्रमिकों का पुरुषार्थ तथा 140 करोड़ भारतीयों के सपने समाहित हैं। यही तिरंगा हमें भाषा, क्षेत्र, जाति और वर्ग से ऊपर उठाकर एक पहचान देता है—हम भारतीय हैं।

हरियाणा में प्राइम खसरों की पहचान और उन्हें चिन्हित करने के लिए आसान और डिजिटल व्यवस्था को मंजूरी

अधिकृत अधिकारी तय डिजिटल प्रक्रिया के तहत प्राइम खसरों का सत्यापन और निर्धारण कर सकेंगे

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने प्राइम खसरों की पहचान और उन्हें चिन्हित करने के लिए एक आसान और तय डिजिटल व्यवस्था को मंजूरी दे दी है। इससे पूरे राज्य में प्राइम खसरा तय करने की प्रक्रिया एक समान तरीके से लागू की जा सकेगी। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने राजस्व हरियाणा पोर्टल पर प्राइम खसरा मॉड्यूल के साथ-साथ इसके संचालन के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) और उपयोगकर्ता पुस्तिका को भी मंजूरी दी है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की वित्तीय आयुक्त डॉ. सुमिता मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि प्राइम खसरा मॉड्यूल को प्राइम खसरों की पहचान और चिन्हित करने के लिए विकसित किया गया है। इसके तहत अधिकृत राजस्व अधिकारी संबंधित रिकॉर्ड की जांच करने और जरूरी दस्तावेज अपलोड करने के बाद प्राइम खसरे का चयन और निर्धारण कर सकेंगे।

उन्होंने बताया कि इस व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य पूरी प्रक्रिया में एकरूपता और पारदर्शिता लाना तथा भूमि रिकॉर्ड के डिजिटल प्रबंधन को मजबूत करना है। इससे अधिकारियों को प्राइम खसरे के सत्यापन, दस्तावेज तैयार करने और उसे तय करने के लिए स्पष्ट प्रक्रिया मिलेगी। इससे अलग-अलग जगहों पर अलग-अलग तरीके अपनाने की जरूरत नहीं रहेगी।

राष्ट्रीय ध्वज के साथ सेल्फी अपलोड करने पर मिलेगा प्रमाण पत्र : डीसी अपराजिता

हर घर तिरंगा अभियान केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि देश के प्रति सम्मान, एकता और राष्ट्रभक्ति की भावना को प्रदर्शित करने का अवसर हैः डीसी

एजेंसी
कैथल। डीसी अपराजिता ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में देशभर में हर घर तिरंगा अभियान चलाया जा रहा है। सभी जिला वासी इस राष्ट्रव्यापी अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लें और तिरंगे के साथ फोटो अथवा सेल्फी लेकर आधिकारिक पोर्टल पर अपलोड करें। फोटो अपलोड करने के बाद संबंधित व्यक्ति के नाम से डिजिटल हर घर तिरंगा प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा। नागरिक इस प्रमाण पत्र को पोर्टल के माध्यम से डाउनलोड करें। उन्होंने बताया कि इसके लिए पोर्टल पर अपना नाम, मोबाइल नंबर और स्थान जैसी आवश्यक जानकारी दर्ज करनी होती हैं। इसके बाद तिरंगे के साथ ली गई अपनी सेल्फी अपलोड करनी होगी। फोटो अपलोड होते ही डिजिटल प्रमाण पत्र जनरेट हो जाएगा, जिसे नागरिक डाउनलोड कर सकते हैं। डीसी अपराजिता ने कहा कि राष्ट्रीय ध्वज देश की आन, बान और शान का प्रतीक है। हर घर तिरंगा अभियान केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि देश के प्रति सम्मान, एकता और राष्ट्रभक्ति की भावना को

प्रदर्शित करने का अवसर है। इसलिए सभी जिलावासी इस अभियान में पूरे उत्साह के साथ भाग लें और अपने परिवार, दोस्तों तथा आसपास के लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करें।

स्वतंत्रता दिवस पर राज्यपाल प्रोफेसर असीम कुमार घोष यमुनानगर में करेंगे ध्वजारोहण

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी हांसी में फहराएंगे राष्ट्रीय ध्वज

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा में 80वां स्वतंत्रता दिवस पूरे हर्षोल्लास, जोश और गरिमा के साथ मनाया जाएगा। आगामी 15 अगस्त को हरियाणा के राज्यपाल प्रोफेसर असीम कुमार घोष यमुनानगर में जबकि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी नवगठित जिला हांसी में ध्वजारोहण करेंगे। वहीं, एट होम कार्यक्रम शाम को हरियाणा लोक भवन, चंडीगढ़ में आयोजित किया जाएगा। मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी द्वारा जारी एक पत्र के अनुसार, राज्य में जिला, उपमंडल, ब्लॉक एवं पंचायत स्तर पर स्वतंत्रता दिवस समारोह आयोजित किए जाएंगे और निर्धारित स्थानों पर प्रातः 9 बजे के तुरंत बाद राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाएगा। सरकार द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार अंबाला में ऊर्जा मंत्री श्री अनिल विज, भिवानी में सांसद श्री सुभाष बराला, चरखी दादरी में सांसद श्रीमती रेखा शर्मा, फरीदाबाद में राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री श्री विपुल गोयल, फतेहाबाद में स्कूल शिक्षा मंत्री श्री महिपाल ढांडा, गुरुग्राम में हरियाणा विधानसभा उपाध्यक्ष डॉ. कृष्ण लाल मिड्ढ़ा, हिसार में

सांसद श्री नवीन जिंदल, झज्जर में स्वास्थ्य मंत्री सुश्री आरती सिंह राव, जींद में सांसद श्री संजय भाटिया, कैथल में सामाजिक न्याय, अधिकारिता मंत्री श्री कृष्ण कुमार बेदी, करनाल में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री श्री रणबीर गंगवा, कुरुक्षेत्र में हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष श्री हरविंद्र कल्याण, महेंद्रगढ़ स्थित नारनौल में सांसद श्री धर्मबीर सिंह, नूंह में सांसद श्री कार्तिकेय शर्मा, पलवल में युवा सशक्तिकरण एवं उद्यमिता मंत्री श्री गौरव गौतम ध्वजारोहण करेंगे।

स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर नगराधीश शुभम ने किया राजीव गांधी खेल परिसर का निरीक्षण

समारोह स्थल पर चल रही विभिन्न तैयारियों का जायजा लिया

एजेंसी
रोहतक। जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर नगराधीश शुभम ने राजीव गांधी खेल परिसर का निरीक्षण किया। उन्होंने समारोह स्थल पर चल रही विभिन्न तैयारियों का जायजा लिया तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों से तैयारियों की प्रगति की रिपोर्ट प्राप्त की। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करते हुए सभी व्यवस्थाएं निर्धारित समय से पहले पूरा करने को कहा। नगराधीश शुभम ने कहा कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह को भव्य एवं शानदार तरीके से आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि समारोह में देशभक्ति की

भावना से ओत-प्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ-साथ परेड, पीटी शो एवं अन्य आकर्षक प्रस्तुतियां आयोजित की जाएंगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सभी कार्यक्रमों की तैयारियों में आपसी समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने समारोह स्थल पर मंच, विशिष्ट एवं अति विशिष्ट अतिथियों के बैठने की व्यवस्था तथा स्वतंत्रता सेनानियों के लिए सम्मानजनक एवं उचित बैठक व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। इसके अलावा दर्शकों के बैठने, समारोह स्थल की साफ-सफाई, सुरक्षा, पेयजल सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को समय रहते पूरा करने को कहा। नगराधीश शुभम ने बताया कि जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद कुमार शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में ध्वजारोहण करेंगे। उन्होंने कहा कि समारोह की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 13 अगस्त को फाइनल रिहर्सल आयोजित की जाएगी। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को फाइनल रिहर्सल के दौरान सभी व्यवस्थाओं को पूरी तरह दुरुस्त रखने तथा किसी भी कमी को तत्काल दूर करने के निर्देश दिए।

नगराधीश ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस हमारे लिए राष्ट्रीय गौरव और देशभक्ति का पर्व है। इसलिए समारोह में आने वाले प्रत्येक नागरिक को बेहतर व्यवस्थाएं उपलब्ध करवाना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि समारोह को गरिमापूर्ण, व्यवस्थित एवं यादगार बनाने के लिए सभी अधिकारी एवं कर्मचारी पूरी जिम्मेदारी और तत्परता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें।

उपायुक्त ने फुल ड्रेस रिहर्सल में किया ध्वजारोहण

भव्य परेड का किया निरीक्षण, मुख्य मंच से ली शानदार मार्च पास्ट की सलामी

स्वतंत्रता दिवस समारोह को भव्य, गरिमापूर्ण और यादगार बनाने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह तैयार: बोले उपायुक्त डा. छिल्लर

एजेंसी
पलवल। पलवल में 80वें जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह की फुल ड्रेस रिहर्सल के दौरान आगरा चौक स्थित नेताजी सुभाष चंद्रबोस स्टेडियम देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया। देश की आजादी के जश्न से संबंधित राष्ट्रीय पर्व की आयोजित फुल ड्रैस रिहर्सल के दौरान जब मुख्य अतिथि उपायुक्त डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर ने राष्ट्रीय ध्वजारोहण किया तो वातावरण राष्ट्रभक्ति के नारों और देशभक्ति की भावना से गूंज उठा। इसके उपरांत मुख्य अतिथि उपायुक्त डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर ने भव्य परेड का निरीक्षण किया और मुख्य मंच से विभिन्न टुकडियों के शानदार मार्च पास्ट की सलामी ली। सधे हुए कदमों और अनुशासित अंदाज में आगे बढ़ती हरियाणा पुलिस महिला और पुरूष, होमगार्ड, एनसीसी तथा अन्य टुकडियों ने अपनी शानदार प्रस्तुति से उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया। मार्च पास्ट के दौरान प्रतिभागी जवानों और विद्यार्थियों के चेहरे पर देश के प्रति समर्पण और गर्व का भाव साफ दिखाई दिया। परेड में कदमताल की एकरूपता और अनुशासन देखते

ही बन रहा था। फुलड्रेस रिहर्सल के दौरान विद्यार्थियों द्वारा देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए। प्रस्तुतियों में भारत की विविधता, संस्कृति, वीरता और स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान की झलक दिखाई दी। देशभक्ति गीतों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों में उत्साह भर दिया तथा पूरा माहौल तालियों की गडग़ड़ाहट से गूंजता रहा। उपायुक्त डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर अन्य प्रशासनिक अधिकारियों के साथ मुख्य मंच से सांस्कृतिक प्रस्तुतियों सहित अन्य गतिविधियों को देखकर उनका मूल्यांकन कर रहे थे। परेड की सलामी, अनुशासनबद्ध मार्च पास्ट और देशभक्ति से सराबोर सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों में नया उत्साह भर दिया। उपायुक्त डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर ने फुल ड्रेस रिहर्सल के दौरान जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर की जाने वाली व्यवस्थाओं का भी बारीकी से निरीक्षण किया गया। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ आयोजन स्थल पर स्वतंत्रता सेनानियों और उनके परिजनों को ससम्मान बैठाने, सुरक्षा, यातायात, बैठने की व्यवस्था, पेयजल, साफ-सफाई और अन्य आवश्यक प्रबंधों को परखा और संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों की टीम को मुस्तैदी के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के निर्देश दिए।

युवा बनें लोकतंत्र के भागीदार, 16 से 20 अगस्त तक कॉलेज में बनेंगे नए वोट

एजेंसी
झज्जर। डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी वर्षा खांगवाल ने कहा कि शुद्ध एवं त्रुटिरहित मतदाता सूची निष्पक्ष और मजबूत लोकतांत्रिक व्यवस्था की आधारशिला है। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 1 जुलाई 2026 को अर्हता तिथि मानकर जिला झज्जर में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 की प्रक्रिया जारी है। उन्होंने नागरिकों से मतदाता सूची में अपना नाम और विवरण जांचने तथा किसी भी प्रकार की त्रुटि मिलने पर निर्धारित समय में सुधार करवाने की अपील की। डीसी ने बताया कि 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके पात्र युवाओं के नए वोट बनवाने के लिए 16 से 20 अगस्त तक जिले के उच्च शिक्षण संस्थानों में विशेष कैंप आयोजित किए जाएंगे। इन कैंप में युवा आवश्यक दस्तावेज एवं घोषणा पत्र के साथ फॉर्म-6 भरकर अपना नाम मतदाता सूची में शामिल करवा सकेंगे। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि कैंपों के दौरान युवाओं को आवेदन प्रक्रिया की पूरी जानकारी उपलब्ध करवाते हुए अधिक से अधिक पात्र युवाओं के वोट बनवाना सुनिश्चित करें। डीसी ने कहा कि यदि किसी पात्र नागरिक का नाम प्रारूप मतदाता सूची में नहीं है तो घबराने की जरूरत नहीं है। ऐसे नागरिक 30 अगस्त 2026 तक फॉर्म-6 के माध्यम से संबंधित बीएलओ के जरिए ऑनलाइन अथवा ऑफलाइन आवेदन कर सकते हैं।जिला निर्वाचन अधिकारी वर्षा खांगवाल ने बताया कि मतदाता के नाम, पते अथवा अन्य विवरण में गलती होने पर फॉर्म-8 के माध्यम से सुधार के लिए आवेदन किया जा सकता है। प्रारूप फोटोयुक्त मतदाता सूची में नाम जुड़वाने, संशोधन अथवा अन्य त्रुटियों से संबंधित दावे एवं आपत्तियां 30 अगस्त तक संबंधित बीएलओ के माध्यम से दर्ज कराई जा सकती हैं।

सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली ।

अंतराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी की कीमतें गिरी हैं। आज सोने और चांदी के वायदा भाव की तेज शुरुआत हुई इसके बाद भी इन दोनो कीमती धातुओं में कमजोरी आई है। कॉमेक्स पर सोना 4,465 डॉलर प्रति औंस के करीब, जबकि चांदी 65.60 डॉलर प्रति औंस के करीब कामकाज कर रहा है। वहीं घरेलू बजार में सोने के वायदा भाव 1,54,700 रुपये, जबकि चांदी के भाव 2,37,800 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। आज सोने के वायदा भाव की शुरुआत बढ़त के साथ हुई। एमसीएक्स पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर अनुबंध 189 रुपये उछलकर 1,55,071 रुपये की कीमत पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 1,54,882 रुपये था। एक समय यह अनुबंध 170 रुपये नीचे आकर 1,54,712 रुपये पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 1,55,145 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 1,54,694 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर हासिल किया। सोने के वायदा भाव इस साल 1,80,779 रुपये के सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे जबकि चांदी के वायदा भाव की शुरुआत भी बढ़त के साथ हुई। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर अनुबंध 165 रुपये की तेजी के साथ 2,38,000 रुपये पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 2,37,835 रुपये था। एक समय यह अनुबंध 1,010 रुपये टूटकर 2,36,825 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 2,38,000 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 2,37,300 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर हासिल किया। दूसरी ओर चांदी के वायदा भाव इस साल 4,20,048 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने चांदी के वायदा भाव में कमजोरी रही। कॉमेक्स पर सोना 4,468.80 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। इसका पिछला बंद भाव प्राइस 4,467.50 डॉलर प्रति औंस था। सोने के भाव ने इस साल 5,586.20 डॉलर के सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे। वहीं कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 65.45 डॉलर के भाव पर खुले। इसका पिछला बंद भाव 65.70 डॉलर था।

एवोर ने अपनी नई इलेक्ट्रिक बाइक श्रृंखला पेश की

नईदिल्ली ।

गुजरात की वाहन निर्माता कंपनी एवोर ने अपनी नई इलेक्ट्रिक बाइक श्रृंखला पेश की है, जिसमें ईएक्स1, ईएक्स2 और ईएक्स2एस जैसे तीन मॉडल शामिल हैं। एवोर की इस श्रृंखला का सबसे खास मॉडल ईएक्स2एस है, जिसके बारे में कंपनी का दावा है कि यह एक बार चार्ज होने पर 260 किलोमीटर तक की प्रभावशाली दूरी तय कर सकती है। इसमें 5 किलोवाट-घंटे क्षमता वाली बड़ी बैटरी और 114 किलोमीटर प्रति घंटा की अधिकतम गति मिलती है। ईएक्स2एस में आधुनिक 7 इंच की स्पर्श स्क्रीन और पांच अलग-अलग चलाने के तरीके भी दिए गए हैं, जिसकी शुरुआती कीमत 1.70 लाख रुपये है। श्रृंखला के शुरुआती मॉडल ईएक्स1 में 3.24 किलोवाट-घंटे की बैटरी के साथ 160 किलोमीटर की दूरी और 100 किलोमीटर प्रति घंटा की अधिकतम गति मिलती है, जिसकी कीमत 1.23 लाख रुपये है। वहीं, ईएक्स2 मॉडल 5 किलोवाट-घंटे की बैटरी के साथ 255 किलोमीटर की दूरी और 100 किलोमीटर प्रति घंटा की अधिकतम गति प्रदान करता है, जिसकी कीमत 1.46 लाख रुपये है। एवोर की ये लंबी दूरी वाली इलेक्ट्रिक बाइक ओला और एथर जैसी स्थापित कंपनियों के लिए प्रतिस्पर्धा बढ़ा सकती हैं, जो मुख्य रूप से स्कूटर बाजार में मजबूत हैं। कंपनी का यह कदम उन ग्राहकों को आकर्षित कर सकता है जो स्कूटर के बजाय मोटरसाइकिल जैसा अनुभव और लंबी दूरी चाहते हैं। कंपनी ने इन बाइक्स की अग्रिम बुकिंग केवल 799 रुपये में शुरू कर दी है, जिससे ग्राहकों के लिए यह एक आकर्षक विकल्प बन सकती है।

शेयर बाजार सपाट बंद

सेंसेक्स 113 अंक उछला, निफ्टी 40 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को मिले-जुले रुख के साथ बंद हुआ। दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली होने से बाजार पर ये दबाव आया। इसके अलावा अमेरिका और ईरान के बीच समझौते को लेकर संशय से भी बाजार धारणा कमजोर हुई है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 113.61 अंक बढ़कर 78,079.96 पर पहुंच गया, जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 40.10 अंक नीचे अकर 24,395.85 पर बंद हुआ। आज बीएसई पर 4545 शेयरों में बढ़त जबकि 2,198 शेयरों में गिरावट आई । वहीं 227 शेयरों में कोई बदलाव नहीं देखा गया । निफ्टी के प्रमुख शेयरों में टाटा कंज्यूमर, टाटा मोटर्स , एनटीपीसी और श्रीराम फाइनेंस सबसे अधिक बढ़त वाले शेयर रहे

जबकि हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, ग्रासिम और पावर ग्रिड के शेयर सबसे अधिक गिरे।

2027 में अपनी पहली इलेक्ट्रिक बाइक लॉन्च करेगी हीरो मोटोकार्प

नई दिल्ली ।

दो पहिया वाहन निर्माता हीरो मोटोकॉर्प कंपनी वर्ष 2027 में अपनी पहली इलेक्ट्रिक बाइक लॉन्च करेगी। कंपनी का ध्यान अभी तक मुख्य रूप से विडा इलेक्ट्रिक स्कूटर तक सीमित था, लेकिन अब वह इलेक्ट्रिक बाइक श्रेणी में प्रवेश कर रही है। हीरो मोटोकॉर्प कंपनी इसके लिए दो बिल्कुल नए बाइक-विशिष्ट प्लेटफॉर्म विकसित कर रही है, जिनके नाम यूबीईएक्स और वीएक्सजेड हैं। कंपनी ने स्पष्ट किया है कि ये नए प्लेटफॉर्म मौजूदा विडा स्कूटर के ढांचे पर आधारित नहीं होंगे, बल्कि इन्हें विशेष रूप से बाइक की बेहतर सवारी, प्रदर्शन और चढ़ाई की क्षमता को ध्यान में रखकर तैयार किया जा रहा है। यूबीईएक्स प्लेटफॉर्म शहरी और स्पोर्टी बाइक के लिए होगा, जबकि वीएक्सजेड को ज्यादा दमदार और साहसिक यात्राओं के लिए विकसित किया जा रहा है। वीएक्सजेड परियोजना में हीरो मोटोकॉर्प अमेरिकी कंपनी ज़ीरो मोटरसाइकिल्स के साथ सहयोग कर रही है, जो इलेक्ट्रिक बाइक तकनीक में विशेषज्ञता रखती है।यह साझेदारी प्रदर्शन-केंद्रित इलेक्ट्रिक बाइक तैयार करने में मदद करेगी। कंपनी ने 2025 में ईआईसीएमए मोटरसाइकिल प्रदर्शनी में इन प्लेटफॉर्म्स के अवधारणा मॉडल भी प्रदर्शित किए थे।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें गिरीं

मुम्बई ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में मांग कम होने से गुरुवार को कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट दर्ज की गयी है। आज ब्रेंट में करीब 1.5 फीसदी और डब्ल्यूटी आई क्रूड में 1.6 फीसदी की कमी आई। अमेरिका और ईरान के बीच समझौते को लेकर अनिश्चितता से भी ऊर्जा आपूर्ति में बाधा की भी आशंका बनी हुई है जिससे भी इसकी कीमतों में तेजी रही। जानकारों के अनुसार अब तक हालात सामान्य नहीं होंगे कीमतें कम नहीं होंगी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड वायदा 1.29 डॉलर करीब 5 फीसदी फिसलकर 87.69 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया जबकि अमेरिकी वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 1.30 डॉलर तकरीबन 1.6 फीसदी नीचे आकर 81.97 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था।अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) ने भी इस साल क्रूड की खपत में 16 लाख बैरल प्रतिदिन की कमी आने का अनुमान जताया है। गौरतलब है कि अमेरिका और इजरायल के ईरान के साथ युद्ध की वजह से उर्जा आपूर्ति प्रभावित हुई है जिससे इसकी कीमतें बढ़ी हैं। इससे मांग पर असर पड़ा है।दूसरी ओर अमेरिका में कच्चे तेल का स्टॉक बढ़ने से भी कीमतों पर दबाव पड़ा। अमेरिकी ऊर्जा सूचना प्रशासन के मुताबिक, एक्सपोर्ट घटने के कारण बीते हफ्ते कच्चे तेल के भंडार में जनवरी 2023 के बाद की सबसे बड़ी बढ़ोतरी दर्ज की गई। अमेरिकी कच्चा तेल भंडार 1.74 करोड़ बैरल बढ़कर 42.44 करोड़ बैरल हो गया। यह 5 जून के बाद का सबसे ऊंचा स्तर है। गौरतलब है कि खाड़ी क्षेत्र में हालात सामान्य बनाने के लिए अमेरिका और ईरान के बीच जारी बातचीत में कोई ठोस प्रगति नहीं होने से कच्चे तेल की कीमतें अब भी ऊंचे स्तर पर बनी हुई हैं।

भारत के तीन बड़े बिजनेस परिवारों का कारोबार 42 लाख करोड़ रुपए

रिलायंस के मुकेश अंबानी समेत केएम बिरला और जिंदल परिवार शामिल

नई दिल्ली,।

भारत में अमीरों की तादाद बढ़ रही है और बिजनेस परिवारों का कारोबार लगातार विस्तार कर रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक जून 2026 तक भारत के तीन सबसे बड़े कारोबारी घरानों की कंबाइंड नेटवर्थ 42 ट्रिलियन या करीब 42 लाख करोड़ रुपए आंकी गई है। इनमें अरबपति मुकेश अंबानी, केएम बिरला और जिंदल परिवार शामिल है।

रिपोर्ट के मुताबिक रिलायंस चेयरमैन मुकेश अंबानी तीनों बिजनेस फैमिली की संयुक्त संपत्ति का ये आंकड़ा भारत में लिस्टेड बाजार पूंजीकरण के करीब 9फीसदी के बराबर है। रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले एक साल में इन टॉप-3 बिजनेस फैमिली की संपत्ति के मूल्य में 1.57 लाख करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई, जिसके चलते उनका संयुक्त मूल्यांकन 444 अरब डॉलर या 42 ट्रिलियन हो गया।

परिवारों की रैंकिंग में रिलायंस चेयरमैन मुकेश अंबानी की फैमिली 25.8 लाख करोड़ रुपए की संपत्ति के साथ पहले नंबर पर हैं। इसके बाद दूसरे नंबर पर केएम बिरला परिवार है, जिनकी पारिवारिक संपत्ति 8.1 लाख करोड़ है। वहीं तीसरे नंबर पर 8 लाख करोड़ रुपए की संपत्ति के साथ जिंदल फैमिली है। भारत में पारिवारिक स्वामित्व वाले व्यवसायों का दायरा टॉप तीन कंपनियों से कहीं ज्यादा बड़ा है। रिपोर्ट के मुताबिक टॉप-300 फैमिली बिजनेस का कंबाइंड वैल्यूएशन 138 ट्रिलियन रुपए आंका गया यानी करीब 1.46 ट्रिलियन डॉलर और ये आंकड़ा नीदरलैंड्स, स्विट्जरलैंड और पोलैंड समेत कई देशों की जीडीपी से भी ज्यादा है।

जून 2026 तक भारत के 10 सबसे मूल्यवान परिवारों की संयुक्त नेटवर्थ 70.5 लाख करोड़ रुपए रही, जो एक साल पहले 69 ट्रिलियन रुपए थी। इन टॉप-10 लिस्ट में शामिल होने की सीमा भी एक साल की अवधि में करीब 14फीसदी बढ़कर 2.5 लाख करोड़ हो गई, जो प्रमुख पारिवारिक व्यवसायों की वैल्यूएशन में तेज बढ़ोतरी को दर्शाता है। रिपोर्ट के मुताबिक वेदांता ग्रुप का संचालन करने वाले अरबपति अनिल अग्रवाल परिवार ने रैंकिंग में सबसे बड़ी छलांग लगाई है। साल भर में इसके वैल्यूएशन में 74.7फीसदी की बढ़ोतरी के बाद यह तीन स्थान ऊपर चढ़कर अब टॉप-10 लिस्ट में छठे पायदान पर पहुंच गया है।

रिपोर्ट में पहली पीढ़ी के कारोबारी परिवारों में टॉप पर अडानी ग्रुप के गौतम अडानी फैमिली का दबदबा रहा। अडानी परिवार का नेटवर्थ 19.57 लाख करोड़ रुपए आंकी गई। उनके बाद भारतीय एयरटेल के सुनील भारती मित्तल फैमिली 12.1 लाख करोड़ रुपए की संपत्ति के साथ है।

पीक सीजन से पहले कंपनियां 15-20 फीसदी अस्थायी कर्मचारियों की करेंगी भर्ती

सबसे ज्यादा मांग वेयरहाउस पिकर्स, पैकर्स और डार्क स्टोर कर्मचारियों की रहेगी

नई दिल्ली,।

त्योहारी सीजन में संगठित रिटेल, ई-कॉमर्स, क्विक कॉमर्स (क्यूकॉम), लॉजिस्टिक्स, एफएमसीजी और उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं वाली कंपनियों में अस्थायी कर्मचारियों की भर्ती 15-20 फीसदी तक बढ़ सकती है। टीमलीज सर्विसेज की फेस्टिव सीजन वर्कफोर्स रिपोर्ट 2026 के मुताबिक इस सीजन में सबसे ज्यादा मांग वेयरहाउस पिकर्स, पैकर्स और डार्क स्टोर कर्मचारियों की रहेगी। इसके बाद स्टोर में प्रमोटर और विशेषज्ञ, रिटेल एसोसिएट्स, कैशियर और स्टोर परिचालन से जुड़े कर्मचारियों की जरूरत होगी। इसके अलावा इन्वेंट्री और फुलफिलमेंट समन्वयक, वेयरहाउस ऑटोमेशन परिचालक और रिटर्न प्रबंधक अधिकारियों जैसे नए तरह के पदों की मांग भी बढ़ रही है।रिपोर्ट के मुताबिक दक्षिण और पश्चिम भारत में भर्ती की रफ्तार सबसे ज्यादा रहने की उम्मीद है।

बेंगलूरु, हैदराबाद, चेन्नई, मुंबई, पुणे और अहमदाबाद जैसे शहरों में कंपनियां बड़ी संख्या में कर्मचारियों की भर्ती कर सकती हैं। शहरों के स्तर पर भी बदलाव देखने को मिल रहा है। 2026 में अग्रिम पंक्ति के कुल कर्मचारियों में टीयर-1 शहरों की हिस्सेदारी 40.5 फीसदी रहने का अनुमान है, जो 2025 में 38.2 फीसदी थी। वहीं टीयर-2 शहरों की हिस्सेदारी 26.5 फीसदी और टीयर-3 शहरों की हिस्सेदारी 33 फीसदी रहने की उम्मीद है। पीक सीजन में कर्मचारियों को बनाए रखने के लिए कंपनियां उपस्थिति से जुड़े बोनस, बिक्री इवेंट के दौरान अतिरिक्त भुगतान, किसी की सिफारिश करने पर बोनस मिलने, प्रदर्शन के आधार पर इनाम और डिजिटल प्रशिक्षण जैसे कदम उठा रही हैं। टीमलीज के मुताबिक इस त्योहारी सीजन में ग्राहक सेवा, रिटेल और वेयरहाउस से जुड़ी भूमिकाओं के लिए कर्मचारियों की कोई बड़ी कमी नहीं है। अब सिर्फ कुछ दिनों की बिक्री को ध्यान में रखकर भर्ती नहीं कर रही हैं। स्वतंत्रता दिवस से लेकर दीवाली और साल के अंत तक चलने वाले लंबे सेल सीजन को देखते हुए वे ऐसी कार्यबल वाली टीम तैयार कर रही हैं जो लगातार काम कर सके।टीमलीज सर्विसेज के वरिष्ठ उपाध्यक्ष ने कहा कि त्योहारी सीजन में भर्ती अब सिर्फ ज्यादा लोगों को रखने तक सीमित नहीं है। कंपनियां तेजी, काम की उत्पादकता और ग्राहक अनुभव पर भी ध्यान दे रही हैं।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया छह पैसे की गिरावट के साथ ही 95.39 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह रुपया सात पैसे की गिरवट के साथ ही 95.40 के स्तर पर खुला। ये गिरावट कच्चे तेल की कीमतों में आई तेजी से आई है। वहीं गत दिवस अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.40 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में यह फिसलकर 95.42 प्रति डॉलर पर आ गया वहीं रुपया बुध्वार को 95.33 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.05 फीसदी की बढ़त के साथ 99.87 पर रहा।

चंद्रशेखरन के पद छोड़ने के बाद टाटा चेयरमैन की दौड़ शुरू, नरेंद्रन का नाम चर्चा में

नई दिल्ली।

टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन के पद छोड़ने की घोषणा के साथ ही उनकी जगह लेने दौड़ शुरू हो गई है। शीर्ष पद की दौड़ में टाटा स्टील के टीवी नरेंद्रन का नाम उभरकर सामने आ रहा है। सूत्रों के मुताबिक इस पद के लिए टाटा कंपनियों के प्रमुखों, बोर्ड सदस्यों के साथ ही बाहरी उम्मीदवारों पर भी विचार किया जा सकता है। मामले की जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति ने कहा कि कंपनी के अंदर चर्चित दावेदारों में टीवी नरेंद्रन, टाटा संस के मुख्य वित्त अधिकारी सौरभ अग्रवाल और टाटा मोटर्स के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ शैलेश चंद्र शामिल हैं। टाटा संस में उत्तराधिकारी चुनना कोई आसान प्रक्रिया नहीं है। टाटा संस के आर्टिकल ऑफ एसोसिएशन के आर्टिकल 118 के मुताबिक चेयरमैन की नियुक्ति के लिए चयन समिति बनानी होती है। साइरस मिस्त्री की नियुक्ति के समय इसी प्रक्रिया का पालन किया गया था। इसी तरह मिस्त्री को हटाए जाने के बाद पांच सदस्यों वाली एक चयन समिति बनाई गई, जिसने बाद में एन चंद्रशेखरन के नाम पर मुहर लगाई। चंद्रा उस समय टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के प्रबंध निदेशक और सीईओ थे। मिस्त्री के मामले से अलग इस बार टाटा संस के पास उत्तराधिकारी की घोषणा करने के लिए सात महीने का समय है।

कानून के जानकारों का कहना है कि अगर चयन समिति किसी वजह से किसी नतीजे पर नहीं पहुंच पाती है तो जरूरी हालात को देखते हुए नोएल टाटा कंपनी के अंतरिम चेयरमैन बन सकते हैं। मिस्त्री को अचानक हटाए जाने के बाद 2016 में रतन टाटा ने टाटा संस के अंतरिम चेयरमैन का पद संभाला था। सुप्रीम कोर्ट में वकील एच पी रनिना ने कहा कि सबसे अहम बात तलाश या चयन समिति का गठन है। यह समिति व्यक्ति का नाम तय करेगी और फिर उसकी सिफारिश टाटा संस के बोर्ड से की जाएगी। वकीलों ने इस बात का भी उल्लेख किया कि चंद्रशेखरन ने इस्तीफा नहीं दिया है। उन्होंने कहा है कि वे फरवरी 2027 में दोबारा नियुक्ति के लिए उपलब्ध नहीं होंगे।

बैंक ऑफ अमेरिका जियो क्रेडिट में 49.9 फीसदी की हिस्सेदारी खरीदेगा

सब्सक्राइब होने पर बैंक का कुल निवेश 18,268 करोड़ रुपए तक होगा

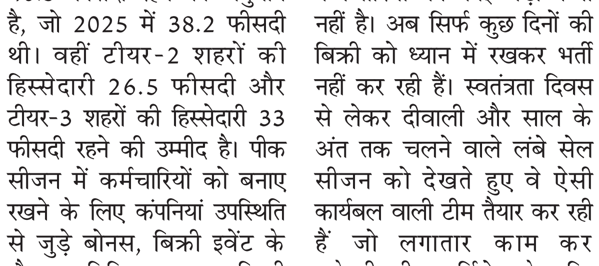

नई दिल्ली,।

जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड (जेएफएसएल) और बैंक ऑफ अमेरिका ने जियो क्रेडिट लिमिटेड में संयुक्त उद्यम के लिए समझौता किया है। जिओ फाइनेंशियल सर्विसेज ने बताया कि बैंक ऑफ अमेरिका जियो क्रेडिट में 49.9 फीसदी तक हिस्सेदारी ले सकता है। इक्विटी शेयर और वारंट पूरी तरह सब्सक्राइब होने पर बैंक का कुल निवेश 18,268 करोड़ रुपए तक होगा। सौदे को नियामकीय और वैधानिक मंजूरियां मिलनी अभी शेष हैं। पहले चरण में बैंक ऑफ अमेरिका को जियो क्रेडिट में 26.5 फीसदी इक्विटी की हिस्सेदारी मिलेगी। वारंट के इस्तेमाल के बाद यह बढ़कर 49.9 फीसदी तक पहुंच सकती है। सौदे के बाद जियो क्रेडिट के बोर्ड में जेएफएसएल और बैंक ऑफ अमेरिका का समान प्रतिनिधित्व होगा, जबकि कंपनी की मौजूदा प्रबंधन टीम कारोबार को संभालती रहेगी।

रिपोर्ट के मुताबिक गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी जियो क्रेडिट का एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) महज दो साल में 30,667 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। कंपनी रिटेल, कमर्शियल और सप्लाई चेन फाइनेंस समेत कई ऋण उत्पादों पर काम करती है। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी ने कहा कि विकसित भारत की यात्रा के लिए ऐसा वित्तीय तंत्र जरूरी है जो बड़े पैमाने, भरोसे और समावेश पर आधारित हो। जियो फाइनेंशियल सर्विसेज और बैंक ऑफ अमेरिका की साझेदारी प्रौद्योगिकी और वैश्विक विशेषज्ञता के जरिये भारतीयों के लिए कर्ज को ज्यादा आसान, पारदर्शी और सुलभ बनाने की दिशा में अहम कदम है।

बैंक ऑफ अमेरिका के चेयर और मुख्य कार्यकारी अधिकारी ब्रायन मोयनिहान ने कहा कि भारत दुनिया के सबसे अहम बढ़ते बाजारों में से एक है और यह निवेश उसके भविष्य में हमारे भरोसे को दर्शाता है।

एफडीए ने डोमिनोज के चार आउटलेट्स फूड बिजनेस के लाइसेंस किए निलंबित

पीने के पानी, खाने के स्टोरेज, पेस्ट कंट्रोल और साफ-सफाई में कमियां मिलीं

मुंबई,।

महाराष्ट्र में फूड सेफ्टी और साफ-सफाई के नियमों के उल्लंघन के मामले में राज्य के एफडीए ने डोमिनोज पिज्जा के चार आउटलेट्स के फूड बिजनेस लाइसेंस निलंबित कर दिए हैं। इनमें तीन आउटलेट मुंबई और एक सतारा जिले में है। महाराष्ट्र एफडीए के प्रमुख एआईएस अधिकारी तुकाराम मुंडे ने बताया कि यह कार्रवाई राज्य में चेन रेस्टोरेंट्स के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत की गई है। एफडीए की टीमों ने अलग-अलग आउटलेट्स का निरीक्षण कर वहां खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता से जुड़े नियमों की जांच की।एफडीए ने बताया कि चेन रेस्टोरेंट के खिलाफ स्पेशल ड्राइव के दौरान विले पार्ले वेस्ट, बोरीवली वेस्ट और घाटकोपर वेस्ट के आर-सिटी मॉल में जुबिलेंट फूडवर्क्स लिमिटेड के डोमिनोज पिज्जा आउटलेट्स के खिलाफ यह कार्रवाई की गई। एफडीए ने कहा कि विले पार्ले के डोमिनोज पिज्जा आउटलेट में एफएसएसएआई लाइसेंस दिखाने, पीने के पानी, खाने के स्टोरेज, पेस्ट कंट्रोल और साफ-सफाई की सुविधाओं से जुड़ी कमियां पाई गईं। साथ ही, उन्हें फ्रोजन फूड के तापमान की सही निगरानी, खाने और खाने-पीने की चीज़ों के अलावा दूसरी चीजो को अलग-अलग रखने, चूहों और कीड़ों से बचाव और हाथ धोने व साफ-सफाई की उचित सुविधाएं सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।एफडीए ने कहा कि बोरीवली आउटलेट में 15 फीसदी नियमों का पालन नहीं हो रहा था।

पेटीएम के शीर्ष अधिकारियों को सेबी का नोटिस, कंपनी के शेयरों में 20 फीसदी गिरावट

नई दिल्ली।

डिजिटल पेमेंट कंपनी पेटीएम के शीर्ष अधिकारियों को भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) की ओर से नोटिस मिला है। यह नोटिस दिसंबर 2023 में छोटे पर्सनल लोन को लेकर कंपनी की घोषणा के समय से जुड़ा है। कंपनी ने बुधवार देर रात इसकी जानकारी दी। पेटीएम के सीईओ विजय शेखर शर्मा और सीएफओ मधुर देवड़ा समेत कंपनी के कुछ प्रमुख अधिकारियों को मंगलवार को सेबी का शो-कॉज नोटिस मिला। अधिकारियों को नोटिस का जवाब देने के लिए 14 दिन का समय दिया गया है।

पेटीएम ने 6 दिसंबर 2023 को बताया था कि वह 50,000 से कम के पर्सनल लोन देने की संख्या कम करेगी। यह फैसला भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से पर्सनल लोन से जुड़े नियमों को सख्त किए जाने के बाद लिया गया था। आरबीआई ने इससे करीब तीन सप्ताह पहले बैंकों और वित्तीय संस्थानों के लिए छोटे और असुरक्षित पर्सनल लोन पर पूंजी संबंधी जरूरतें बढ़ाई थीं। इसका उद्देश्य तेजी से बढ़ रहे छोटे कर्ज से जुड़े जोखिम को नियंत्रित करना था।

पेटीएम की घोषणा के अगले कारोबारी दिन कंपनी के शेयर में करीब 20 फीसदी की गिरावट आई थी। हालांकि कंपनी के मुताबिक घोषणा से पहले के आठ कारोबारी दिनों में भी पेटीएम के शेयर करीब 12 फीसदी गिर चुके थे। सेबी का नोटिस मुख्य रूप से इस बात से जुड़ा है कि पेटीएम ने छोटे पर्सनल लोन कम करने की जानकारी बाजार को किस समय दी थी। नियामक इस मामले में कंपनी और उसके अधिकारियों से उनका पक्ष जानना चाहता है। शो-कॉज नोटिस का मतलब यह है कि सेबी ने संबंधित पक्षों से जवाब मांगा है। यह अपने आप में किसी गलती या नियम उल्लंघन का अंतिम निष्कर्ष नहीं है। अगर जांच में नियमों का उल्लंघन साबित होता है, तो संबंधित लोगों या संस्थाओं पर जुर्माना या अन्य नियामकीय कार्रवाई हो सकती है।

सत्तापक्ष-विपक्ष के गतिरोध में घिरा संसद का मानसून सत्र

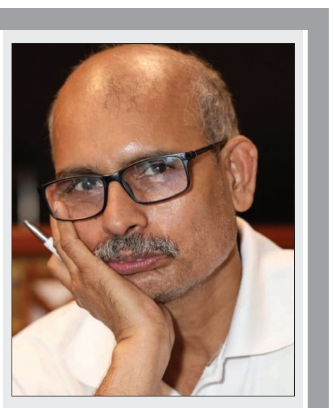

विनोद सिंह 'तकियावाला',

संसद का मानसून सत्र 2026 आज 13 अगस्त को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गया। 20 जुलाई से शुरू हुए इस सत्र की 25 दिनों की अवधि में कुल 19 बैठकें हुईं। लोकसभा में 11 और राज्यसभा में 2 विधेयक पुरःस्थापित किए गए।दोनों सदनों द्वारा कुल 12 विधेयक पारित किए गए।इसके बावजूद लोकसभा की उत्पादकता केवल 19 प्रतिशत और राज्यसभा की लगभग 39 प्रतिशत रही।

12 विधेयक पारित होने के बावजूद लोकसभा की 19 प्रतिशत और राज्यसभा की करीब 39 प्रतिशत उत्पादकता ने संसदीय कार्यप्रणाली, कार्यसमय और करदाताओं के धन पर खड़े किए गंभीर सवाल...

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति उसकी संसद है।यही वह सर्वोच्च राष्ट्रीय मंच है जहाँ देश के करोड़ों नागरिकों की आकांक्षाएँ, समस्याएँ, अपेक्षाएँ और भविष्य की नीतियाँ कानून का स्वरूप ग्रहण करती हैं।संसद केवल विधेयक पारित करने की संस्था नहीं है। यह सरकार की जवाबदेही तय करने,विपक्ष को अपनी बात रखने और राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर सार्थक संवाद का संवैधानिक मंच है।

संसद का मानसून सत्र 2026 आज 13 अगस्त को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गया। 20 जुलाई से शुरू हुए इस सत्र की 25 दिनों की अवधि में कुल 19 बैठकें हुईं। लोकसभा में 11 और राज्यसभा में 2 विधेयक पुरःस्थापित किए गए।दोनों सदनों द्वारा कुल 12 विधेयक पारित किए गए।इसके बावजूद लोकसभा की उत्पादकता केवल 19 प्रतिशत और राज्यसभा की लगभग 39 प्रतिशत रही।

ये आँकड़े केवल संसदीय रिकॉर्ड नहीं हैं। इनके पीछे एक गंभीर सवाल है कि संसद को उपलब्ध कराए गए समय का कितना हिस्सा वास्तव में जनता के सवालों, कानून निर्माण और राष्ट्रीय मुद्दों पर सार्थक चर्चा में बदल पाया।संसद की कार्यवाही का प्रत्येक घंटा देश की जनता की अमानत है। प्रश्नकाल में सांसद सरकार से सवाल पूछते हैं।शून्यकाल में तत्काल जनहित के विषय उठाए जाते हैं। विधेयकों पर चर्चा होती है। सरकार की नीतियों की समीक्षा होती है।विभिन्न राज्यों और समाज के अलग-अलग वर्गों की समस्याएँ राष्ट्रीय मंच तक पहुँचती हैं।ऐसे में संसद का एक घंटा केवल समय नहीं है।वह लोकतांत्रिक जवाबदेही का एक घंटा है।लंबे समय से संसदीय व्यय के संबंध में प्रति मिनट लगभग ढाई लाख रुपये के सार्वजनिक खर्च का अनुमान सामने आता रहा है। इस हिसाब से संसद की कार्यवाही के एक घंटे पर लगभग डेढ़ करोड़ रुपये और आठ घंटे के कार्यदिवस पर लगभग 12 करोड़ रुपये तक खर्च होने का अनुमान लगाया जाता है। इसमें सांसदों के वेतन और भत्ते, संसद सचिवालय,सुरक्षा,तकनीकी व्यवस्था,अनुवाद,प्रसारण, बिजली, रखरखाव और कर्मचारियों से संबंधित खर्च शामिल हैं।संसद चले या न चले,इन व्यवस्थाओं पर होने वाला अधिकांश खर्च जारी रहता है। इसलिए जब सदन हंगामे और स्थगन की वजह से बाधित होता है तो नुकसान केवल समय का नहीं होता। जनता के धन और लोकतांत्रिक अवसर दोनों प्रभावित होते हैं।संसदीय गतिरोध की समस्या नई नहीं है। पिछले वर्षों में भी कई सत्रों में व्यवधान के कारण निर्धारित कार्यसमय का बड़ा हिस्सा नष्ट हुआ है।वर्ष 2025 के मानसून सत्र में लोकसभा के लिए निर्धारित 120 घंटों में लगभग 37 घंटे ही बैठक हो सकी थी। इससे स्पष्ट है कि संसदीय समय का सदुपयोग लगातार चिंता का विषय बना हुआ है।मानसून सत्र 2026 में भी कम उत्पादकता का आँकड़ा सामने है।

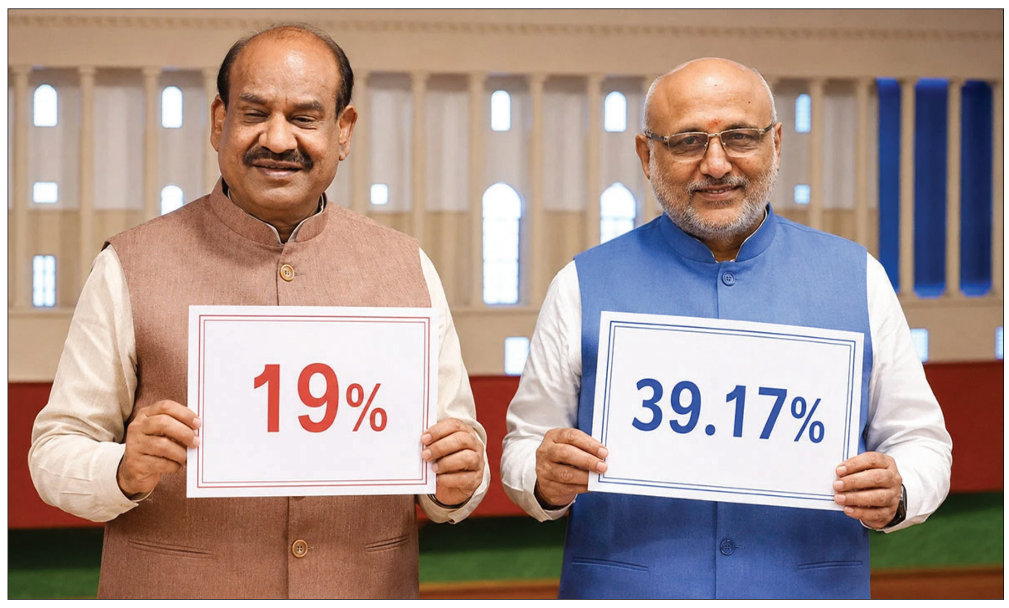

लोकसभा की 19 प्रतिशत और राज्यसभा की लगभग 39 प्रतिशत उत्पादकता बताती है कि उपलब्ध संसदीय समय का बड़ा हिस्सा अपेक्षित कार्य में नहीं बदल सका।फिर भी इस सत्र को पूरी तरह निष्फल कहना उचित नहीं होगा। दोनों सदनों ने 12 विधेयक पारित किए।लोक परीक्षा प्रणाली में अनुचित साधनों की रोकथाम को मजबूत करने वाला संशोधन युवाओं और प्रतियोगी परीक्षाओं की विश्वसनीयता से जुड़ा महत्वपूर्ण कदम है।परीक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता युवाओं के भविष्य और व्यवस्था के प्रति उनके विश्वास दोनों के लिए आवश्यक है।जन्म और मृत्यु रजिस्ट्रीकरण में संशोधन प्रशासनिक अभिलेखों की विश्वसनीयता से जुड़ा है। बैंककार बही साक्ष्य विधेयक डिजिटल युग की बैंकिंग व्यवस्था के अनुरूप कानूनी ढाँचे को आधुनिक बनाने का प्रयास है। सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम विकास संशोधन विधेयक छोटे कारोबारियों और उद्यमियों के लिए महत्वपूर्ण है। वित्त तक पहुँच आसान करना और विलंबित भुगतान से जुड़े विवादों का शीघ्र समाधान टरटए क्षेत्र को मजबूती दे सकता है।

अधिकरण सुधार विधेयक न्यायिक और प्रशासनिक व्यवस्था की दक्षता से जुड़ा है। खान और खनिज क्षेत्र से संबंधित संशोधन देश की आर्थिक आवश्यकताओं और आत्मनिर्भर भारत की दिशा से जुड़े हैं। राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम से संबंधित संशोधन सहकारी क्षेत्र को अधिक सक्षम बनाने का प्रयास है।वंदे मातरम को कानूनी संरक्षण देने वाला प्रावधान राष्ट्रीय भावना और स्वतंत्रता आंदोलन की स्मृतियों से जुड़ा है। केरल का नाम बदलकर केरलम करने का प्रस्ताव संवैधानिक प्रक्रिया और क्षेत्रीय पहचान का विषय है। विदेशी अभिदाय विनियमन संशोधन विधेयक को संयुक्त समिति को भेजा जाना इस बात का उदाहरण है कि जटिल विषयों पर विस्तृत विचार के लिए संसदीय समिति व्यवस्था का उपयोग किया जा सकता है। इन उपलब्धियों के बावजूद एक सवाल अपनी जगह कायम है। क्या विधेयक पारित होना ही संसद की सफलता का पर्याप्त मापदंड है?कानून बनाना संसदीय प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उसके साथ उस कानून पर पर्याप्त बहस भी उतनी ही आवश्यक है। विधेयक के प्रावधानों पर सरकार का पक्ष सामने आए।विपक्ष अपने सुझाव और आपत्तियाँ रखे। विशेषज्ञों की राय ली जाए। आवश्यक संशोधन हों। तभी कानून निर्माण की प्रक्रिया अधिक व्यापक और प्रभावी बन सकती है।लोकतंत्र में विरोध आवश्यक है। विपक्ष का काम सरकार की नीतियों पर सवाल उठाना है। जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठाना है।सरकार का दायित्व है कि वह विपक्ष की आवाज सुने और महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा का अवसर दे।परन्तु विरोध और व्यवधान में अंतर है।विरोध लोकतंत्र को मजबूत करता है। लगातार व्यवधान लोकतंत्र की कार्यक्षमता को कमजोर करता है।यदि प्रश्नकाल बाधित होता है तो जनता के सवालों के उत्तर नहीं मिलते। शून्यकाल बाधित होता है तो तत्काल जनहित के मुद्दे सदन तक नहीं पहुँच पाते।विधेयकों पर पर्याप्त चर्चा नहीं होती तो कानून निर्माण की गुणवत्ता पर प्रश्न उठता है।यह भी उचित नहीं होगा कि हर व्यवधान के लिए केवल विपक्ष को जिम्मेदार ठहराया जाए।सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों संसद की गरिमा और कार्यवाही के लिए समान रूप से उत्तरदायी हैं। विपक्ष को अपनी आवाज उठाने का अधिकार है।सरकार को जवाब देने का दायित्व है।दोनों के बीच संवाद का रास्ता खुला रहना चाहिए।संसद किसी राजनीतिक दल का मंच नहीं है।यह पूरे राष्ट्र की संस्था है।आज भारत विकास के महत्वपूर्ण दौर से गुजर रहा है।रेल,सड़क,रक्षा, डिजिटल अर्थव्यवस्था,अंतरिक्ष, हरित ऊर्जा,कृत्रिम बुद्धिमत्ता, विनिर्माण और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में बड़े बदलाव हो रहे हैं।ऐसे समय में संसद का प्रत्येक कार्यदिवस राष्ट्रीय महत्व रखता है।किसान अपनी समस्याओं का समाधान चाहता है।युवा रोजगार और परीक्षा व्यवस्था पर जवाब चाहता है।छोटे कारोबारी वित्त और कारोबार की कठिनाइयों पर चर्चा चाहते हैं।आम नागरिक शिक्षा, स्वास्थ्य,महँगाई,सुरक्षा और विकास से जुड़े प्रश्नों पर सरकार से जवाब चाहता है।

इन सभी सवालों का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक मंच संसद है। करदाता भी यह जानना चाहता है कि संसद के संचालन पर खर्च होने वाला उसका पैसा किस प्रकार जनहित में परिवर्तित हो रहा है। इसलिए संसदीय उत्पादकता केवल एक प्रशासनिक आँकड़ा नहीं है।यह जनता के प्रति लोकतांत्रिक उत्तरदायित्व का भी पैमाना है।

संसदीय गतिरोध की कीमत केवल रुपये में नहीं आँकी जा सकती। सबसे बड़ी कीमत लोकतांत्रिक विश्वास की होती है। जनता अपने प्रतिनिधियों को इसलिए चुनती है कि वे उसकी आवाज संसद में उठाएँ। यदि वही संसद बार-बार हंगामे और स्थगन की तस्वीर प्रस्तुत करे तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि जनता को मिला प्रतिनिधित्व किस सीमा तक प्रभावी हो पाया।

सत्ता पक्ष को यह समझना होगा कि बहुमत केवल कानून पारित करने की शक्ति नहीं है। बहुमत के साथ संवाद और जवाबदेही की जिम्मेदारी भी आती है। विपक्ष को भी समझना होगा कि प्रभावी विरोध का अर्थ सदन को लगातार रोकना नहीं है।तीखी बहस हो सकती है। सरकार से कठोर प्रश्न पूछे जा सकते हैं।जनहित के मुद्दों पर दबाव बनाया जा सकता है। किंतु संसद की पूरी कार्यवाही को बाधित करना लोकतांत्रिक उद्देश्य को कमजोर करता है।

आवश्यकता इस बात की है कि सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों राजनीतिक लचीलेपन का परिचय दें।महत्वपूर्ण राष्ट्रीय विषयों पर सर्वदलीय संवाद को मजबूत किया जाए।संसदीय समितियों की भूमिका बढ़ाई जाए।प्रश्नकाल और शून्यकाल को अधिक प्रभावी ढंग से संरक्षित किया जाए।संसदीय आचार और मयार्दा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।मानसून सत्र 2026 अपने साथ 12 विधेयकों के पारित होने की उपलब्धि लेकर समाप्त हुआ है। साथ ही लोकसभा की 19 प्रतिशत और राज्यसभा की करीब 39 प्रतिशत उत्पादकता का आँकड़ा भी छोड़ गया है।यह आँकड़ा सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों के लिए आत्ममंथन का अवसर है।संसद में मतभेद रहें।राजनीतिक संघर्ष रहे। सरकार से सवाल पूछे जाएँ।विपक्ष की आलोचना हो। लेकिन संवाद का रास्ता बंद नहीं होना चाहिए।संसद चलेगी तो सवाल उठेंगे।सवाल उठेंगे तो जवाब माँगे जाएँगे।जवाब मिलेंगे तो जवाबदेही तय होगी।जवाबदेही तय होगी तो बेहतर कानून बनेंगे। बेहतर कानून बनेंगे तो देश की विकास यात्रा को नई गति मिलेगी।अंततः संसद किसी सरकार की नहीं है।संसद किसी विपक्ष की नहीं है। संसद पूरे भारत की है। वहाँ व्यतीत होने वाला प्रत्येक मिनट जनता की अमानत है।वहाँ होने वाली प्रत्येक सार्थक बहस लोकतंत्र की पूँजी है।संसद का प्रत्येक मिनट जनता की गाढ़ी कमाई से जुड़ा है। इसलिए सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों का दायित्व है कि राजनीतिक हितों से ऊपर उठकर संसद की गरिमा,लोकतांत्रिक परंपराओं और राष्ट्रीय उत्तरदायित्व का निर्वहन करें।

लोकतंत्र की वास्तविक विजय सत्ता पक्ष की जीत या विपक्ष की हार में नहीं है। लोकतंत्र की विजय तब होगी जब संसद चलेगी, संवाद होगा,जनता के सवाल उठेंगे, सरकार जवाब देगी और देशहित में निर्णय होंगे।

संपादकीय

नशा विरोधी अभिनव पहल

यह एक हकीकत है कि बच्चों को जितना अभिभावक और शिक्षक समझ सकते हैं, उतना दूसरा कोई नहीं। वे बच्चों के असामान्य व्यवहार की निगरानी करके उन्हें बुरी आदतों से बचा भी सकते हैं। शायद यही सोचकर पंजाब सरकार ने राज्य के 12 जिलों में 21,850 स्कूल टीचरों को छात्रों को नशीली दवाओं की लत से दूर रखने के लिये प्रशिक्षण देने का फैसला लिया है। ये शिक्षक प्रशिक्षण के बाद छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य की समस्याओं और भावनात्मक परेशानी के शुरूआती लक्षणों की पहचान कर सकेंगे। निश्चय ही यह एक स्वागतयोग्य पहल है। यह इसलिए भी जरूरी है कि बच्चों के मनोवैज्ञानिक विश्लेषण से उन्हें नशे की गिरफ्त में आने से पहले ही बचाया जा सकेगा। यह बेहतर स्थिति है कि नशे की लत का शिकार होने के बाद उपचार के बजाय उन्हें पहले ही नशे से दूर रहने को प्रेरित किया जाए। दरअसल, पंजाब सरकार के ह्ययुद्ध नशियां विरुद्धह्व अभियान के तरह शुरू किया गया यह कार्यक्रम प्रिंसिपल और हेडमास्टरों की पिछली ट्रेनिंग तथा अमृतसर में 2,800 से ज्यादा टीचरों को शामिल करने वाले एक पायलट प्रोजेक्ट का हिस्सा है। दरअसल,इस अभियान की सबसे बड़ी खूबी है कि यह नशा-विरोधी अभियान का फोकस नशे की लत लगने के बाद प्रतिक्रिया देने से हटाकर, उसे रोकने की ओर ले जाता है। निस्संदेह, शिक्षक एक अभिभावक जैसी भूमिका में होते हैं, जो बच्चे के व्यवहार, स्कूल में उपस्थिति, पढ़ाई-लिखाई के प्रदर्शन, दोस्ती या भावनात्मक स्थिति में बदलाव को बेहतर ढंग से महसूस कर सकते हैं। दरअसल, शिक्षक कक्षा में छात्र की चुप्पी और क्लास में होते हुए भी वहां न होने जैसे संवेदनशील बदलावों को भांप सकते हैं। लेकिन बच्चों की संवेदनशीलता को देखते हुए शिक्षकों को अनाड़ी जांचकर्ता या काउंसलर बनने से बचना होगा। निर्विवाद रूप से किसी बच्चे का क्लास में चुप-चुप रहना, नंबर कम आना या व्यवहार में बदलाव आना हमेशा नशे से जुड़े कारण से नहीं हो सकता। उससे जुड़े अन्य कारकों पर भी विचार किया जाना जरूरी होता है। दरअसल, इस जटिल समस्या के समाधान के लिये शिक्षकों को संवेदनशील व्यवहार के लिये प्रेरित किया जाना चाहिए। शिक्षकों को बिना किसी पूर्वाग्रह के देखने, सुनने, बातचीत करने तथा छात्रों को योग्य पेशेवरों के पास भेजने के लिये प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। वास्तव में इस संवेदनशील समस्या का सबसे महत्वपूर्ण पहलू है कि किसी बच्चे में नशे की ओर उन्मुख होने और उसकी जल्दी पहचान होने पर उसे जल्दी मदद मिल सके। पर ऐसा न हो कि शिक्षक उत्साह में उसकी पहचान उजागर कर दें और उसकी जल्दी बदनामी हो जाए। ऐसा बच्चा कुंठा व हताशा में गलत राह में भटक सकता है। ऐसे में इस अभियान का मानसिक स्वास्थ्य वाला हिस्सा विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो जाता है। यह एक हकीकत है कि युवाओं में नशीले पदार्थों के गलत इस्तेमाल की समस्या को सिर्फ चेतावनी तथा नैतिक उपदेश देकर दूर नहीं किया जा सकता है। वास्तव में भावनात्मक परेशानी, पारिवारिक समस्याएं, दोस्तों का दबाव, अकेलापन और पढ़ाई का तनाव आदि सभी चीजें बच्चों को जोखिम में डाल सकती हैं। इसलिए स्कूलों में जागरूकता कार्यक्रम के साथ ही काउंसलिंग और रेफरल की प्रभावी व्यवस्था होनी चाहिए। वहीं दूसरी ओर सरकार को भी सिर्फ प्रशिक्षित किए गए शिक्षकों की संख्या के आधार पर सफलता को नहीं मापना चाहिए। दरअसल, उसे यह भी देखना चाहिए कि कितने कमजोर या जोखिम वाले छात्रों की पहचान की गई है। साथ ही उन्हें कहां भेजा गया है। क्या उनकी काउंसलिंग की गई है? क्या बाद में उनका फॉलो-अप किया गया है? यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि शिक्षकों पर पढ़ाई के अलावा कई तरह के सरकारी कार्यक्रमों के लिये समय देने का दबाव होता है। ऐसे में सावधानी रखनी बेहद जरूरी है कि तमाम प्रशासनिक जिम्मेदारियों के बीच ड्रग्स के खिलाफ प्रशिक्षण सिर्फ खानापूर्ति के लिये कागजी कार्रवाई बनकर न रह जाए। सबसे महत्वपूर्ण यह कि इस कार्यक्रम को क्लासरूम से आगे लेकर जाना चाहिए। जिसमें माता-पिता, काउंसलर, हेल्थ प्रोफेशनल और सामाजिक समूहों को एकजुट होकर जोखिम वाले बच्चों के लिये एक सपोर्ट नेटवर्क तैयार करना चाहिए।

तिरंगा : भारत की आन, बान और शान

हर्षवर्धन पान्डे

किसी भी देश का राष्ट्र ध्वज उसके स्वतंत्र होने का संकेत है। भारत का राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा केवल एक कपड़े या कागज का टुकड़ा नहीं है बल्कि यह भारत की आत्मा, इतिहास और संस्कृति का प्रतीक है। इसके तीन रंग केसरिया, सफेद, हरा और मध्य में अशोक चक्र भारतीयता के विभिन्न आयामों को दशार्ते हैं। तिरंगा न केवल स्वतंत्रता संग्राम की गाथा को बतलाता है, बल्कि यह भारत की एकता, विविधता और आकांक्षाओं का भी प्रतीक है। तिरंगे ने अपने रंगों से दुनिया में अपनी अद्वितीय छवि बनाई है। राष्ट्रीय ध्वज के लिए हथकरघा खादी (सूती या रेशमी) कपड़ा इस्तेमाल किया जाता है। तिरंगे झंडे में नीले रंग का अशोक चक्र धर्म तथा ईमानदारी के मार्ग पर चलकर देश को उन्नति की ओर ले जाने की प्रेरणा देता है।

तिरंगे का केसरिया रंग साहस, बलिदान और त्याग का प्रतीक है। यह उन लाखों स्वतंत्रता सेनानियों की याद दिलाता है जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। भारतीयता का यह पहलू हमें निःस्वार्थ भाव से देश के लिए समर्पित होने की प्रेरणा देता है। इसी तरह से सफेद रंग शांति और सत्य का प्रतीक यह रंग भारत की अहिंसावादी विचारधारा को रेखांकित करता है। महात्मा गांधी के नेतृत्व में अहिंसा और सत्याग्रह ने न केवल भारत को स्वतंत्रता दिलाई, बल्कि विश्व को शांति का संदेश भी दिया। यह रंग भारतीयता की उस भावना को दशार्ता है जो सहिष्णुता और सामंजस्य में विश्वास रखती है। हरा रंग समृद्धि, उर्वरता और प्रकृति के प्रति भारत की गहरी आस्था को दशार्ता है। भारत की संस्कृति में प्रकृति और पर्यावरण का विशेष स्थान रहा है। यह रंग हमें सतत विकास और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कार्य करने की प्रेरणा देता है। मध्य में नीले रंग का अशोक चक्र गतिशीलता और प्रगति का प्रतीक है। यह सम्राट अशोक के धर्म चक्र से प्रेरित है जो न्याय, धर्म और नैतिकता का प्रतीक है। यह चक्र भारतीयता के उस दर्शन को दशार्ता है जो निरंतर प्रगति और नैतिकता के मार्ग पर चलने को प्रेरित करता है। भारतीयता एक ऐसी अवधारणा है जो भारत की सांस्कृतिक, सामाजिक और ऐतिहासिक विविधता को समेटे हुए है। तिरंगा इस भारतीयता का एक जीवंत प्रतीक है।

भारत विभिन्न धर्मों, भाषाओं, संस्कृतियों और परंपराओं का देश है। तिरंगा इस विविधता को एक सूत्र में पिरोने का कार्य करता है। जैसे तिरंगे के तीन रंग एक साथ मिलकर एक पूर्ण ध्वज बनाते हैं वैसे ही भारत की विभिन्न संस्कृतियाँ और समुदाय एक साथ मिलकर भारतीयता का निर्माण करते हैं। यह ध्वज हमें सिखाता है कि भिन्नताओं के बावजूद हम एक हैं। तिरंगा स्वतंत्रता संग्राम का साक्षी रहा है। यह उन असंख्य बलिदानों का प्रतीक है जिन्होंने भारत को औपनिवेशिक शासन से मुक्ति दिलाई। भारतीयता का यह पहलू हमें स्वाभिमान और आत्मनिर्भरता की भावना से जोड़ता है। तिरंगा हमें याद दिलाता है कि हमारी स्वतंत्रता अनमोल है और इसे बनाए रखने के लिए हमें सतत प्रयास करना होगा।

भारतीय इतिहास में 1905 से पहले पूरे भारत की अखंडता को दशार्ने के लिए कोई राष्ट्र ध्वज नहीं था। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान वर्ष 1905 में स्वामी विवेकानंद की शिष्य सिस्टर निवेदिता ने पहली बार पूरे भारत के लिए एक राष्ट्रीय ध्वज की कल्पना की थी। सिस्टर निवेदिता द्वारा बनाए गए ध्वज में कुल 108 ज्योतियाँ बनाई गई थी। यह ध्वज चौकोर आकार का था। ध्वज के दो रंग थे- लाल और पीला। लाल रंग स्वतंत्रता संग्राम और पीला रंग विजय का प्रतीक था। ध्वज पर बंगाली भाषा में वंदे-मातरम् लिखा गया था और इसके पास वज्र (एक प्रकार का हथियार) और केन्द्र में एक सफेद कमल का चित्र भी था। वर्तमान में इस ध्वज को आचार्य भवन संग्रहालय, कोलकाता में संरक्षित रखा गया है। इसके बाद 7 अगस्त 1906 को कोलकाता (तत्कालीन कलकत्ता) के पारसी बागान चौक में ध्वज को फहराया गया। कोलकाता ध्वज प्रथम भारतीय अनाधिकारिक ध्वज था। इसकी अभिकल्पना शचिन्द्र प्रसाद बोस ने की थी। झंडे में बराबर चौड़ाई की तीन क्षैतिज पट्टियाँ थीं। शीर्ष धारी नारंगी, केंद्र धारी पीली और निचली पट्टी हरे रंग की थी। शीर्ष पट्टी पर ब्रिटिश-शासित भारत के आठ प्रांतों का प्रतिनिधित्व करते 8 आधे खुले कमल के फूल थे और निचली पट्टी पर बाईं तरफ सूर्य और दाईं तरफ एक वर्धमान चाँद की तस्वीर अंकित थी। ध्वज के केंद्र में वन्दे-मातरम् का नारा अंकित किया गया था। इसी तरह पहली बार विदेशी धरती पर भारतीय ध्वज मैडम भीकाजी कामा द्वारा 22 अगस्त 1907 को अंतर्राष्ट्रीय सोशलिस्ट कांग्रेस केस्टटगार्ट में फहराया गया था। इस ध्वज को सप्तर्षि झंडे' के नाम से जाना जाता है। यह ध्वज काफी कुछ वर्ष 1906 के झंडे जैसा ही था लेकिन इसमें सबसे ऊपरी पट्टी का रंग केसरिया था और कमल के बजाए सात तारे सप्तऋषि के प्रतीक थे।

भारतीय धरती पर तीसरे प्रकार का तिरंगा होम रूल लीग के दौरान फहराया गया था। 'होम रूल आंदोलन' के दौरान कोलकाता में एक कांग्रेस अधिवेशन के दौरान यह ध्वज फहराया गया था। उस समय ध्वज स्वतंत्रता संग्राम की लड़ाई का प्रतीक था। इसमें 9 पट्टियाँ थीं, जिसमें 5 लाल रंग और 4 हरे रंग की थी। ध्वज के ऊपरी बाएँ कोने में यूनियन जैक था। शीर्ष दाएँ कोने में अर्धचंद्र और सितारा था। ध्वज के बाकी हिस्सों में सप्तर्षि के स्वरूप में सात सितारों को व्यवस्थित किया गया था। वर्ष 1921 में आंध्र प्रदेश के पिंगले वेंकय्या ने बिजावाड़ा (अब विजयवाड़ा) में गांधीजी के निदेर्शों के अनुसार सफेद,हरे और लाल रंग में पहला चरखा-झंडा डिजाइन किया था। इस ध्वज को स्वराज-झंडे के नाम से जाना जाता है। वर्ष 1931 ध्वज के इतिहास में एक यादगार वर्ष है। इस वर्ष तिरंगे ध्वज को हमारे राष्ट्रीय ध्वज के रूप में अपनाने के लिए एक प्रस्ताव पारित किया गया। यह ध्वज जो वर्तमान स्वरूप का पूर्वज है, केसरिया, सफेद और मध्य में गांधी जी के चलते हुए चरखे के साथ था।

ब्रिटिश सरकार द्वारा भारत को स्वतंत्र करने की घोषणा के बाद भारतीय नेताओं को स्वतंत्र भारत के लिए राष्ट्रीय ध्वज की आवश्यकता का एहसास हुआ। तदनुसार ध्वज को अंतिम रूप देने के लिए एक तदर्थ ध्वज समिति का गठन किया गया। सुरैया बद्र-उद-दीन तैयब द्वारा प्रस्तुत स्वतंत्र भारत के राष्ट्रीय ध्वज के डिजाइन को 17 जुलाई 1947 को ध्वज समिति द्वारा अनुमोदित और स्वीकार किया गया था। समिति की सिफारिश पर 22 जुलाई 1947 को संविधान सभा ने तिरंगे को स्वतंत्र भारत के राष्ट्रीय ध्वज के रूप में अपनाया। तिरंगे में तीन समान चौड़ाई की क्षैतिज पट्टियाँ हैं जिनमें सबसे ऊपर केसरिया रंग की पट्टी जो देश की ताकत और साहस को दशार्ती है। बीच में श्वेत पट्टी धर्म चक्र के साथ शांति और सत्य का संकेत है और नीचे गहरे हरे रंग की पट्टी देश के विकास और उर्वरता को दशार्ती है। तिरंगे के केंद्र में सफेद पट्टी के मध्य में गहरे नीले रंग का अशोक चक्र है जिसमें 24 तीलियाँ होती हैं। यह चक्र एक दिन के 24 घंटों और हमारे देश की निरंतर प्रगति को दशार्ता है। तिरंगे को भारत की महिलाओं की ओर से 14 अगस्त, 1947 को संविधान सभा के अर्द्ध-रात्रिकालीन अधिवेशन में समर्पित किया गया था।

भारत ने राष्ट्रीय चिन्ह को 26 जनवरी, 1950 को अपनाया था। भारत के तिरंगे झंडे के ध्वज की लंबाई और चौड़ाई का अनुपात 2:3 है। भारत का राज चिन्ह अशोक स्तम्भ के शीर्ष की एक प्रतिकृति है जो सारनाथ के संग्रहालय में सुरक्षित है। अशोक स्तम्भ तीन शेरों की आकृति जिसके नीचे एक चौखट के बीच में एक धर्म चक्र है। इस चक्र के दाई ओर एक बैल और बाई ओर एक अश्व है। चौखट के आधार पर 'सत्यमेव जयते' शब्द अंकित है। भारत के राजचिन्ह में तीन प्रकारे के छः जानवर हैं-शेर (चार), बैल (एक), अश्व (एक) भारत का यह चिन्ह भारत की एकता का घोतक है। राष्ट्रीय चिन्ह के दो भाग शीर्ष और आधार हैं। शीर्ष पर शेर साहस और शक्ति का प्रतीक है। राष्ट्रीय चिन्ह के आधार भाग में एक धर्म चक्र है। चक्र के दायीं ओर एक बैल है तथा बायीं ओर एक घोड़ा है जो स्फूर्ति का ताकत व गति का। 'सत्यमेव जयते' मुंडकोपनिषद से लिया गया है। 'सत्यमेव जयते' का अर्थ सत्य की ही विजय है। भारत के तिरंगे झंडे में चरखे की जगह 'चक्र' 1947 को अस्तित्व में आया। 26 जनवरी 2002 से फ्लैग कोड बदल गया है। भारतीयों को कहीं भी किसी भी समय गर्व के साथ झंडा फहराने की आजादी दे दी गयी है। अभी कुछ समय पूर्व सुप्रीम कोर्ट ने अनुच्छेद 19 ए अनुच्छेद के तहत ध्वज फहराने के अधिकार को मौलिक अधिकार के रूप में घोषित किया था जिसके बाद देश में भारतीय ध्वज को दिन -रात फहराने की अनुमति दे दी गई है।

15 अगस्त 1947 आजाद भारत के इतिहास का ऐतिहासिक दिन था जब अंग्रेजों की गुलामी से मुक्ति पाकर भारत में नई सुबह हुई थी। स्वतंत्रता मिलने के बाद पहली बार देशवासियों ने खुली हवा में साँस ली और देश प्रगति के पथ पर अग्रसर हुआ। आजादी के बाद से देश के कई प्रधानमंत्रियों और सरकारों को

देखा है लेकिन इस अमृतकाल में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार के हर-घर तिरंगा जन अभियानों के माध्यम से देश के प्रति जोश, जज्बा और प्रबल हुआ है। किसी भी देशवासी के लिए भारत और भारतीयता का भाव पहले होना चाहिए। यह मुहिम जाति ,धर्म,संप्रदाय से परे है और देश को इस अमृत काल में एकता के सूत्र में बांध सकती है। नागरिकों में देश प्रेम की भावना जगाने और संकीर्णता से बाहर निकालने का यही अमृतकाल है।

आज के समय में तिरंगा केवल एक राष्ट्रीय प्रतीक ही नहीं बल्कि भारत की आकांक्षाओं और सपनों का दर्पण भी है। यह हमें आत्मनिर्भर भारत, डिजिटल भारत और विकसित भारत के सपने को साकार करने की प्रेरणा देता है। हर घर तिरंगा जैसे अभियान भारतीयों को अपने ध्वज के प्रति गर्व और सम्मान की भावना को और गहरा करने का अवसर प्रदान करते हैं। तिरंगा झंडा भारत और भारतीयता का एक ऐसा प्रतीक है जो हमें हमारी जड़ों से जोड़ता है और भविष्य की ओर प्रेरित करता है। इसके रंग और चक्र हमें साहस, शांति, समृद्धि और प्रगति के मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा देते हैं। यह ध्वज हमें याद दिलाता है कि भारतीयता का अर्थ है विविधता में एकता, स्वाभिमान में साहस और शांति में प्रगति। तिरंगे के अक्स में हमारा भारत और हमारी भारतीयता न केवल जीवंत है बल्कि विश्व मंच पर एक प्रेरणा स्रोत के रूप में भी उभर रही है।

देश के प्रत्येक नागरिक को आजादी के इस अमृतकाल में इस पावन महायज्ञ में आहूति देकर पुण्य का भागीदार बनना चाहिए। तिरंगे को देखकर हर भारतीय के दिलों में राष्ट्रप्रेम की भावना उमड़ पड़ती है। राष्ट्र ध्वज देखकर उसके प्रति आदर भाव खुद ही जग जाता है। तिरंगा साहस, त्याग, बलिदान के रंगों से सरोबार है। तिरंगे को सम्मान देते हुए आज हर देशवासी का कर्तव्य है इस अमृतकाल में अपने घरों में तिरंगा लहराकर वह इस उत्सव को ऐतिहासिक बनाए। आजादी के रणबांकुरों ने अपने शौर्य से जिस प्रकार देश के लिए तन- मन न्यौछावर कर दिया उसी प्रकार तिरंगा झंडा लहराकर हमें भारतबोध का अहसास होगा जो शहीदों को अमृत काल में सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

संक्षिप्त समाचार

बाली में आग और ऊंची लहरों के बीच फंसा जहाज, 106 यात्रियों को बचाया गया; रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

वाशिंगटन, एजेंसी। इंडोनेशिया के टूरिस्ट आइलैंड बाली के पास बुधवार को ऊंची लहरों के बीच एक पैसेंजर जहाज में आग लग गया। जिसमें 106 को बचाया गया है। इसके साथ ही आग बुझाने की कोशिशें की जा रही हैं। अधिकारियों ने बताया कि बचाव दल और वहां से गुजर रहे जहाजों ने 106 लोगों को बचा लिया था। वहीं, वे जलते हुए जहाज से बाकी 25 लोगों को निकालने की कोशिश कर रहे है। मताराम सर्च एंड रेस्क्यू ऑफिस के प्रमुख मुहम्मद हरियादी ने कहा, 'हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता सभी यात्रियों और क्रू सदस्यों की सुरक्षा है।' उन्होंने बताया कि समुद्र में उथल-पुथल और 4 मीटर (13 फीट) तक ऊंची लहरों के कारण बचाव कार्य में मुश्किल आ रही थी। प्रांतीय राजधानी मताराम में मौजूद सर्च ऑफिस के अनुसार, आग सुबह करीब 4:15 बजे लगी। उस समय 'पुत्री यास्मीन' जहाज बाली के पाडांग बाई पोर्ट से वेस्ट नुसा तेंगारा प्रांत के पड़ोसी द्वीप लोम्बोक के लेम्बर पोर्ट जा रहा था। एजेंसी को लगभग आधे घंटे बाद इमरजेंसी रिपोर्ट मिली और उसने तुरंत अपने कर्मचारियों और बचाव जहाजों को काम पर लगा दिया। हरियादी ने बताया कि बचाव अभियान में इंडोनेशियाई नौसेना के जहाज, पेट्रोल बोट, बचाव नौकाएं और हवाई सर्वे के लिए एक हेलीकॉप्टर शामिल थे। हरियादी ने पाडांग बाई पोर्ट अथॉरिटी से मिली यात्री सूची के आधार पर बताया कि जहाज में 114 यात्री और 17 क्रू सदस्य सवार थे। इसके साथ ही जहाज में 44 गाड़ियां और 53 मोटरसाइकिलें भी लदी हुई थीं।

अमेरिकी कोर्ट ने पन्नू केस के आरोपी निखिल गुप्ता की सजा की तारीख बदली, अब कब होगा फैसला

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी फेडरल कोर्ट ने आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश रचने का जुर्म कबूल करने वाले निखिल गुप्ता की सजा सुनाने की तारीख 20 नवंबर तक टाल दी है। न्यूयॉर्क के सदर्न डिस्ट्रिक्ट की फेडरल कोर्ट ने पहले गुप्ता को सजा सुनाने के लिए 25 सितंबर की तारीख तय की थी, लेकिन जिसकी हत्या की साजिश रची गई थी उस व्यक्ति के अनुरोध पर सुनवाई को टाल दिया गया। हालांकि कोर्ट में दाखिल दस्तावेजों में पीड़ित का नाम नहीं है, लेकिन पन्नू के वकील ने सार्वजनिक रूप से खुद को कथित हत्या की साजिश का निशाना बताया है। न्यूयॉर्क के दक्षिणी जिले के लिए अमेरिकी जिला न्यायालय के समक्ष दायर एक पत्र में, सरकारी वकीलों ने बताया कि जिस पीड़ित का नाम नहीं बताया गया है। वह सजा सुनाए जाने की प्रक्रिया में शामिल होना चाहता है। उन्होंने 25 सितंबर को होने वाली सुनवाई को टालने का अनुरोध किया क्योंकि उस समय वह देश से बाहर होगा। जज विक्टर मरेरो ने यह अनुरोध मान लिया और गुप्ता को सजा सुनाने की तारीख बदलकर 20 नवंबर को सुबह 10 बजे कर दी। 13 फरवरी को गुप्ता ने पन्नू की हत्या की साजिश के संबंध में हत्या के लिए सुपारी देने, हत्या के लिए सुपारी देने की साजिश रचने और मनी लॉन्ड्रिंग की साजिश रचने के तीनों आरोपों में दोषी होने की बात स्वीकार कर ली। सुपारी लेकर हत्या करने के आरोप में अधिकतम 10 साल की जेल की सजा हो सकती है।

उत्तर कोरिया ने फिर दागी संदिग्ध बैलिस्टिक मिसाइल, जापान बोला- समुद्र में गिरी; क्यों बढ़ा तनाव

सियोल, एजेंसी। उत्तर कोरिया ने बुधवार को अपने पूर्वी तट से जापान सागर की ओर एक संदिग्ध बैलिस्टिक मिसाइल दागी। जापान के रक्षा मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी। मंत्रालय के मुताबिक, संदिग्ध मिसाइल समुद्र में गिर गई। यह घटना ऐसे समय हुई है, जब एक सप्ताह से भी कम समय में उत्तर कोरिया की ओर से दूसरी बार इस तरह के हथियार का परीक्षण किया गया है। दक्षिण कोरिया की समाचार एजेंसी योनहाप ने वहां की सेना के हवाले से बताया कि उत्तर कोरिया ने अपने पूर्वी तट से एक अज्ञात प्रक्षेप्य का प्रक्षेपण किया। दक्षिण कोरियाई सेना ने इस प्रक्षेपण की जानकारी ऐसे समय में दी है, जब क्षेत्र में सैन्य गतिविधियों को लेकर तनाव बना हुआ है। उत्तर कोरिया का यह प्रक्षेपण दक्षिण कोरिया और अमेरिका की ओर से अगले सप्ताह वार्षिक बड़े पैमाने का सैन्य अभ्यास शुरू करने की घोषणा के दो दिन बाद हुआ है। दोनों देशों का कहना है कि इस अभ्यास का उद्देश्य उत्तर कोरिया से जुड़े संभावित खतरों से निपटने के लिए अपनी सैन्य तैयारियों को मजबूत करना है। 'उल्ची फ्रीडम शील्ड' नाम से होने वाले इस सैन्य अभ्यास को लेकर उत्तर कोरिया की प्रतिक्रिया पर भी नजर है। प्योंगयांग लंबे समय से अमेरिका और दक्षिण कोरिया के संयुक्त सैन्य अभ्यासों का विरोध करता रहा है।

तालिबानी शासन के पांच साल: अफगान महिलाओं से छिना पढ़ने, काम करने और सपने देखने का हक; कैसे जिंदा हैं उम्मीदें

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान में तालिबान शासन के पांच साल पूरे होने के बीच वहां की लड़कियों और महिलाओं की जिंदगी पर पाबंदियों की तस्वीर सामने आई है। पढ़ाई, नौकरी और आजादी के रास्ते बंद होने के बावजूद कई महिलाएं अपने सपनों को बचाने की कोशिश कर रही हैं। बल्ख की 23 वर्षीय सोफिया मालेक चोरी-छिपे ऑनलाइन कक्षाएं लेकर साहित्य पढ़ रही हैं और उपन्यास लिख रही हैं, जबकि हेरात की पूर्व महिला सैनिक पारस्तो को अपनी वर्दी तक छोड़नी पड़ी। इन महिलाओं की कहानियां बताती हैं कि पाबंदियों के बीच भी पढ़ने, लिखने और अपने पैरों पर खड़े होने की इच्छा खत्म नहीं हुई है।

तालिबान के शासन में महिलाओं की जिंदगी कैसे बदल गई : तालिबान के सत्ता में आने के बाद अफगानिस्तान में लड़कियों और महिलाओं के सामने कई तरह की पाबंदियां खड़ी हो गईं। पढ़ाई और काम के अवसर सीमित हुए तो उनके लिए सामान्य जीवन जीना भी मुश्किल हो गया। कई महिलाओं को अपने पुराने काम और पहचान से हाथ धोना पड़ा। हेरात की रहने वाली पारस्तो छह साल तक समर्पित सैनिक के तौर पर अफगानिस्तान की सेवा कर चुकी थीं। लेकिन तालिबान के सत्ता में आने के बाद उन्हें और उनकी महिला साथियों को बुलाकर वर्दी सौंपने के लिए कहा गया। उनके मुताबिक, वर्दी छिनने का एहसास ऐसा था जैसे उनसे जीने का अधिकार ही छीन लिया गया हो।

पूर्व महिला सैनिक पारस्तो आज किस डर में जी रहीं : पारस्तो के मुताबिक, तालिबान के लोगों की ओर से उन्हें लगातार जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। उनके पति को भी तालिबान के लोग बुलाकर पूछताछ करते हैं कि उन्होंने कितने तालिबानियों को मारा था। ऐसे माहौल में उनका रोज का जीवन डर में बीत रहा है। सुबह घर का काम पूरा करने के बाद वह काम की तलाश में निकलती हैं और फिर पति के सुरक्षित घर लौटने की चिंता करती हैं। उनके लिए पुरानी नौकरी और सैनिक की पहचान अब अतीत बन चुकी है।

सोफिया मालेक पढ़ने-लिखने का सपना कैसे बचा रहीं : उत्तरी अफगानिस्तान की रहने वाली 23 वर्षीय सोफिया मालेक उन महिलाओं में हैं जो पाबंदियों के बावजूद अपने सपनों को छोड़ना नहीं चाहतीं। वह अंडरकवर पत्रकार के तौर पर लोगों से मिलती हैं, उनकी कहानियां दर्ज करती हैं और उन्हें दुनिया के सामने लाने की कोशिश करती हैं। इसके साथ ही वह चोरी-छिपे ऑनलाइन कक्षाएं ले रही हैं और साहित्य की समझ बढ़ा रही हैं। वह एक उपन्यास भी लिख रही हैं। उनके लिए पढ़ना, लिखना और सृजन करना ऐसा सपना है जिसे कोई तब तक नहीं छीन सकता, जब तक इंसान खुद उसे छोड़ न दे।

सोफिया को हर दस्तक से डर क्यों : सोफिया के लिए अपने काम को जारी रखना आसान नहीं है। उनके मुताबिक, हर समय पकड़े जाने का डर बना रहता है। जब भी घर के दरवाजे पर कोई दस्तक देता है तो उनकी धड़कनें तेज हो जाती हैं। वह अपना लैपटॉप गद्दे के नीचे छिपा देती हैं। तालिबानी अधिकारी उनके घर की कई बार तलाशी भी ले चुके हैं। इसके बावजूद वह लोगों से मिलती हैं, उनकी कहानियां लिखती हैं और अपनी पढ़ाई जारी रखती हैं। कभी-कभी अपनी पसंद की किताब खरीदने के लिए बुकशॉप जाना भी उनकी नियमित दिनचर्या का हिस्सा बन गया है।

अफगानिस्तान छोड़ चुकी महिलाओं को पीछे छूटी सहेलियों की चिंता क्यों : साल 2021 में काबुल छोड़कर अमेरिका पहुंचीं अफगान मूल की मुर्सल रहीम ने भी वहां की महिलाओं की स्थिति को लेकर अपनी पीड़ा साझा की है। उनका कहना है कि अमेरिका में शिक्षा, नौकरी और स्वतंत्रता का आनंद लेते हुए उन्हें अपनी उन सहेलियों की याद आती है, जो अब भी अफगानिस्तान में कैदियों जैसा जीवन जी रही हैं। अमेरिका में शरण मिलना उनके लिए राहत की बात रही, लेकिन उन्हें इस बात का अपराध-बोध भी रहता है कि वह किस्मत से बाहर निकल पाईं, जबकि उनकी कई साथी आज भी पाबंदियों के बीच जिंदगी गुजार रही हैं। अफगानिस्तान की इन महिलाओं की कहानियां दिखाती हैं कि पाबंदियां उनके रास्ते को मुश्किल बना सकती हैं, लेकिन उनकी इच्छा को पूरी तरह खत्म नहीं कर पाई हैं। कोई चोरी-छिपे पढ़ाई कर रही है, कोई अपनी कहानी दुनिया तक पहुंचाने की कोशिश कर रही है और कोई देश से बाहर निकलने के बाद भी वहां फंसी महिलाओं के लिए आवाज उठा रही है। मुर्सल रहीम ने अमेरिकी सरकार से भी अपील की है कि संकट में फंसी अफगान महिलाओं को भुलाया नहीं जाए।

रूस से तेल खरीद पर 100% टैरिफ का खतरा, यूएस अधिकारी बोले- पीएम मोदी और ट्रंप खुद सुलझाएंगे मामला

वॉशिंगटन, एजेंसी। रूस से तेल खरीद को लेकर भारत पर संभावित 100 फीसदी अमेरिकी टैरिफ के मुद्दे पर अमेरिका की ओर से अहम बयान आया है। अमेरिकी व्यापार एवं विनिर्माण मामलों के वरिष्ठ सलाहकार पीटर नवारो ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच अच्छे कामकाजी संबंध हैं और दोनों नेता इस मुद्दे को आपस में सुलझा लेंगे। नवारो ने एएनआई के सवाल के जवाब में कहा कि इस मामले में उन्हें या किसी अन्य अधिकारी को दोनों नेताओं के बीच आने की जरूरत नहीं है। उन्होंने भरोसा जताया कि राष्ट्रपति ट्रंप और प्रधानमंत्री मोदी इस मुद्दे पर समाधान निकाल लेंगे।

क्या रूस से तेल खरीद पर भारत पर लग सकता है 100 फीसदी टैरिफ : यह मामला अमेरिकी सीनेट में पारित एक द्विदलीय विधेयक के बाद चर्चा में आया है। 7 अगस्त को अमेरिकी सीनेट ने ऐसा विधेयक पारित किया, जिसके तहत राष्ट्रपति ट्रंप को रूस से तेल और गैस खरीद जारी रखने वाले देशों के सामान पर 100 फीसदी तक टैरिफ लगाने का अधिकार मिल सकता है। सीनेट में लिंडसे ओ ग्राहम रूस और ईरान प्रतिबंध अधिनियम 2026 को 86-11 के भारी बहुमत से मंजूरी मिली। इस प्रस्ताव का उद्देश्य रूस और ईरान पर आर्थिक दबाव बढ़ाना तथा मॉस्को के साथ बड़े ऊर्जा कारोबार वाले देशों को निशाना बनाना है।

क्या भारत रूस से तेल खरीदने वाले प्रमुख देशों में शामिल है : प्रस्ताव के तहत अमेरिकी राष्ट्रपति को रूस के कच्चे तेल या प्राकृतिक गैस के शीर्ष पांच खरीदार देशों से आने वाले सामान पर 100 फीसदी तक टैरिफ लगाने का अधिकार दिया जा सकता है। भारत और चीन रूस के कच्चे तेल के बड़े खरीदारों में शामिल हैं। विधेयक में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अन्य वरिष्ठ राजनीतिक एवं सैन्य अधिकारियों के अलावा वित्तीय संस्थानों, ऊर्जा परियोजनाओं और रूस के युद्ध प्रयासों से जुड़े संस्थानों पर नए प्रतिबंधों का भी प्रावधान है।

क्या भारत ने 2022 के बाद रूस से तेल खरीद बढ़ाई : रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद भारत ने अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए रूस से रियायती कीमतों पर कच्चे तेल की खरीद बढ़ाई। वैश्विक बाजार में अस्थिरता के बीच सस्ता रूसी कच्चा तेल भारतीय रिफाइनरियों के लिए लागत को बेहतर ढंग से संभालने और घरेलू आपूर्ति बनाए रखने में मददगार रहा। अमेरिकी प्रस्ताव के तहत रूस से ऊर्जा खरीदने वाले देशों के सामने एक तरह से रूस से रियायती ऊर्जा खरीद जारी रखने या अमेरिकी बाजार तक पहुंच बनाए रखने के बीच विकल्प खड़ा हो सकता है।

जिम्बाब्वे की करिबा झील में पलटी नाव, 15 की मौत; 27 लोग अब भी लापता

हरारे,एजेंसी। जिम्बाब्वे की करिबा झील में क्षमता से ज्यादा यात्रियों से भरी एक नाव पलट गई। हादसे में कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई, जबकि 27 लोग लापता हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी जानकारी देते हुए बताया कि 77 लोगों को बचा लिया गया और उन्हें झील में मौजूद एक द्वीप पर ले जाया गया।

जिम्बाब्वे की सिविल प्रोटेक्शन यूनिट ने बताया कि टिकट बिक्री के रिकॉर्ड के आधार पर नाव में 114 वयस्क यात्री और चालक दल के पांच सदस्य सवार थे। हालांकि, टिकट की उम्र सीमा से कम उम्र के बच्चों की संख्या अज्ञात हो सकती है और उनका रिकॉर्ड दर्ज नहीं हुआ होगा। एजेंसी ने बताया कि नाव की क्षमता 90 लोगों की थी। स्थानीय सांसद मुत्सा मुरोम्बेडजी ने एक वीडियो पोस्ट किया। उन्होंने बताया कि इसमें लोग किनारे पर खड़े होकर यात्रा शुरू करने वाली पुरानी नाव को विदा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ग्रामीण इलाकों के लोग झील के रास्ते करिबा शहर जाने के लिए इस नाव का इस्तेमाल करते हैं। वीडियो के मुताबिक, किनारे पर मौजूद कुछ लोग इस बात को लेकर भी चिंतित थे कि झील में तेज लहरों के बीच नाव सुरक्षित रह पाएगी या नहीं। इससे पहले जिम्बाब्वे पुलिस ने बताया था कि बचाव अभियान चल रहा है, लेकिन उसने घटना से जुड़ी कोई अन्य जानकारी नहीं दी थी। जिम्बाब्वे के सरकारी प्रसारक जेडबीसी ने वीडियो जारी किया, जिसमें स्पीडबोट झील में पलटी हुई दिखाई दे रही एक नाव की ओर जाते नजर आ रही हैं। इसके ऊपर एक हेलीकॉप्टर भी मंडराता दिखाई दिया। दक्षिणी अफ्रीका में स्थित करिबा झील जिम्बाब्वे और उसके पड़ोसी देश जाम्बिया की सीमा का हिस्सा है। यह पानी की मात्रा के लिहाज से दुनिया की सबसे बड़ी मानव निर्मित झील है। इसे 1950 के दशक के अंत और 1960 के दशक की शुरुआत में जाम्बेजी नदी पर बांध बनाकर तैयार किया गया था। बांध के कारण घाटी में धीरे-धीरे पानी भरता गया और विशाल झील का निर्माण हुआ। यह झील अब 200 किलोमीटर से अधिक लंबी और कुछ स्थानों पर 40 किलोमीटर तक चौड़ी है।

हूती हमले में छह की मौत: जहाज पर दो बार दागी मिसाइल, बचाव दल को भी बनाया निशाना; लाल सागर में क्यों बढ़ा खतरा

यमन, एजेंसी। लाल सागर के बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य में एक वाणिज्यिक जहाज पर हुए मिसाइल हमले में कम से कम छह लोगों की मौत की खबर सामने आई है। यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार ने इस हमले के लिए ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों को जिम्मेदार ठहराया है। बताया गया है कि हूतियों ने खाद्य सामग्री ले जा रहे छोटे मालवाहक जहाज 'तिहामा' पर तीन बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। हमले के बाद जहाज में आग लग गई।

जहाज पर हमला कैसे हुआ और कितने लोगों की मौत हुई : यमन के परिवहन मंत्रालय के अनुसार मिसाइल हमले के बाद लगी आग में चालक दल के चार सदस्यों की मौत हुई। इनमें तीन पाकिस्तानी और एक इंडोनेशियाई नागरिक बताया गया है। चार अन्य चालक दल सदस्य घायल हुए। एक बचावकर्मी के घायल होने की भी जानकारी दी गई है। इसके बाद जब जहाज पर सवार लोगों को बचाने के लिए खोज और बचाव अभियान शुरू किया गया, तब जहाज को दूसरी बार निशाना बनाया गया। यमनी अधिकारियों ने इस दूसरे हमले को बचाव दल समेत जहाज पर मौजूद लोगों की जान खतरे में डालने वाला बताया।

दूसरे हमले में बचावकर्मियों को भी बनाया गया निशाना : यमन के तटरक्षक बल ने बाद में पुष्टि की कि मृतकों में दो बचावकर्मी भी शामिल थे। इस तरह हमले में मरने वालों की संख्या छह हो गई। घटना को इसलिए भी गंभीर माना जा रहा है क्योंकि दूसरा हमला उस समय हुआ, जब पहले हमले के बाद राहत और बचाव का काम चल रहा था। इससे जहाज पर मौजूद लोगों के साथ-साथ मदद के लिए पहुंचे बचावकर्मियों की सुरक्षा पर भी सवाल खड़े हो गए हैं।

जहाज के मालिकाना हक को लेकर क्या सामने आया : हमले के बाद जहाज के मालिकाना हक को लेकर शुरुआती जानकारी में भ्रम की स्थिति रही। यमनी अधिकारियों और समुद्री खुफिया समूह की शुरुआती जानकारी में कहा गया कि निशाना बनाया गया जहाज सऊदी अरब के स्वामित्व वाला था। हालांकि उपलब्ध समुद्री डेटा के मुताबिक तिहामा तंजानिया के झंडे के नीचे चल रहा था। जहाज के स्वामित्व से जुड़ी कंपनियां मिस्र और यमन में पंजीकृत बताई गई हैं। इससे जहाज की पहचान और उसके संचालन को लेकर शुरुआती दावों में अंतर सामने आया है। इस घटना के बीच सऊदी अरब के जजान में अरामको रिफाइनरी पर हूतियों के हमले का भी जिक्र सामने आया है। उनके मुताबिक यह कार्रवाई सऊदी अरब की ओर से सादा और हज्जाह प्रांतों में किए गए ड्रोन अभियानों के जवाब में की गई।

होर्मुज में अमेरिकी कार्रवाई तेज, ईरानी बंदरगाहों की नाकाबंदी तोड़ने वाले जहाज पर किया हमला

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका ने ईरान पर आर्थिक दबाव बढ़ाते हुए ओमान की खाड़ी में एक जहाज पर सैन्य कार्रवाई की है। अमेरिकी सेना के मुताबिक, पनामा के झंडे वाला यह जहाज ईरानी बंदरगाहों की अमेरिकी नाकाबंदी से बचने की कोशिश कर रहा था। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा कि जहाज को रुकने की चेतावनी दी गई थी, लेकिन उसने आदेश नहीं माना। इसके बाद अमेरिकी हेलीकॉप्टर ने जहाज के इंजन रूम में मिसाइलें दागीं, जिससे जहाज चलने में असमर्थ हो गया।

अमेरिका ने जहाज पर हमला क्यों किया : अमेरिकी सेना के अनुसार, एमवी वेला नोवा नाम का जहाज ईरानी बंदरगाहों पर लगी अमेरिकी नाकाबंदी को पार करने की कोशिश कर रहा था। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने बताया कि जहाज को रुकने के लिए चेतावनी दी गई थी, लेकिन उसने चेतावनी नहीं मानी। इसके बाद अमेरिकी हेलीकॉप्टर ने उसके इंजन रूम को निशाना बनाकर मिसाइलें दागीं। हमले के बाद जहाज निष्क्रिय हो गया। हालांकि, अमेरिकी सेना ने यह नहीं बताया कि जहाज पर मौजूद चालक दल के किसी सदस्य को नुकसान पहुंचा या नहीं।

अमेरिका ने नाकाबंदी लागू करने के लिए अब तक क्या कार्रवाई की

अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, उसने नाकाबंदी को तोड़ने की कोशिश करने वाले 55 वाणिज्यिक जहाजों का रास्ता बदलवाया है। इसके अलावा तीन ऐसे जहाजों को निष्क्रिय किया गया, जिन्होंने अमेरिकी आदेशों का पालन नहीं किया। दो जहाजों पर अमेरिकी सेना ने सवार होकर कार्रवाई भी की है। इससे साफ है कि अमेरिका ईरानी बंदरगाहों पर अपनी नाकाबंदी को लागू कराने के लिए सैन्य दबाव लगातार बढ़ा रहा है।

अरब सागर में अमेरिका की कितनी सैन्य ताकत मौजूद है

अमेरिकी नौसेना के 15 से अधिक युद्धपोत फिलहाल अरब सागर के आसपास के समुद्री क्षेत्र में तैनात हैं। इनमें दो विमानवाहक पोत और एक उभयचर हमला करने वाला जहाज भी शामिल है। यह सैन्य तैनाती ऐसे समय में है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान पर आर्थिक दबाव बनाए रखने की कोशिश कर रहे हैं। ओमान की खाड़ी में जहाज पर हुई कार्रवाई से संकेत मिलता है कि ईरान पर दबाव सिर्फ आर्थिक और राजनीतिक स्तर तक सीमित नहीं है, बल्कि समुद्री मार्गों पर भी अमेरिकी निगरानी और कार्रवाई तेज हो गई है।

'मुझे बहुत धमकियां मिलती हैं': राष्ट्रपति ट्रंप ने माना तुर्किये में ट्रक में छिपकर बदला था विमान; क्या कहा

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को लेकर बड़ा बयान दिया है। ट्रंप ने कहा कि उन्हें ईरान पर बिल्कुल भरोसा नहीं है। उन्होंने कह, 'ईरान पर भरोसा करने वाला मैं आखिरी व्यक्ति हूं। उन्होंने लगातार मुझसे झूठ बोला है।' ट्रंप ने कहा कि इस समय होर्मुज जलडमरूमध्य पर अमेरिका का पूरी तरह नियंत्रण है। उन्होंने कहा, उनका (ईरान) नियंत्रण नहीं है। हमारा पूरा नियंत्रण है। यह हमारे कब्जे में है। ट्रंप ने आगे चेतावनी देते हुए कहा कि अगर किसी समय ईरान ने कुछ करने की कोशिश की, तो उसे 'उड़ा दिया' जा सकता है। उन्होंने कहा, 'अभी हम बहुत अच्छी स्थिति में हैं।

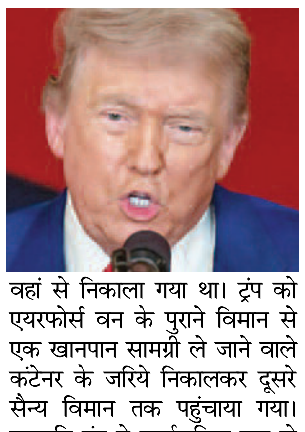

ट्रंप ने की तुर्किये में विमान बदलने की पुष्टि : एक अन्य बयान में अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपनी सुरक्षा को लेकर कहा कि वह सीक्रेट सर्विस और सेना के निर्देशों का पालन करते हैं। उन्होंने कहा कि यह फैसला पूरी तरह सीक्रेट सर्विस पर निर्भर करता है और वह वही करते हैं जो सीक्रेट सर्विस उनसे करने के लिए कहती है। ट्रंप ने बताया कि सीक्रेट सर्विस ने उन्हें एक अलग उड़ान और अलग विमान से जाने के लिए कहा था। उन्होंने कहा कि वह विमान भी उतना ही सुरक्षित था। लेकिन सीक्रेट सर्विस चाहती थी कि वह उसी विमान से यात्रा करें, इसलिए उन्होंने उनकी बात मान ली। ट्रंप ने कहा, मैं वही करता हूं जो वे कहते हैं। उन्होंने आगे कहा कि शायद वहां कोई खतरा था। ट्रंप ने यह भी कहा कि उन्हें बहुत सारी धमकियां मिलती रहती हैं। तुर्किये में पिछले महीने नाटो सम्मेलन के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप को ईरान से गंभीर खतरे के चलते बेहद गोपनीय तरीके से वहां से निकाला गया था। ट्रंप को एयरफोर्स वन के पुराने विमान से एक खानपान सामग्री ले जाने वाले कंटेनर के जरिये निकालकर दूसरे सैन्य विमान तक पहुंचाया गया। राष्ट्रपति ट्रंप ने सार्वजनिक रूप से कहा था कि वह 8 जुलाई को पुराने एयरफोर्स वन से ब्रिटेन जाएंगे। पत्रकारों ने तुर्किये में ट्रंप को पुराने नीले रंग के 747 विमान में चढ़ते हुए भी देखा था। हालांकि, ट्रंप उस विमान में सवार नहीं हुए। उन्हें दूसरी तरफ से कंटेनर के जरिये निकालकर एक सी-32ए सैन्य विमान से गुप्त रूप से ब्रिटेन भेजा गया। गौरतलब है कि 747 विमान कतर के शाही परिवार ने अमेरिका को उपहार में दिया था।

अचानक बदला प्लान : ट्रंप एक माह पहले कतर के शाही परिवार से उपहार में दिए गए इस विमान से तुर्किये पहुंचे थे। उन्हें इसी विमान से ब्रिटेन जाना था लेकिन ऐन वक्त पर प्लान बदला गया और कंटेनर में बैठाकर सी-32ए सैन्य विमान तक पहुंचाया गया।

तीसरी बार चुनाव लड़ने के सवाल पर क्या कहा : ट्रंप ने तीसरी बार राष्ट्रपति चुनाव लड़ने को लेकर पूछे गए सवाल को टालते हुए कहा कि वह चुनाव लड़ना पसंद करेंगे, लेकिन कानून इस मामले में बहुत सख्त है। ट्रंप ने कहा, हर कोई चाहता है कि मैं ऐसा करूं, लेकिन कानून बहुत सख्त है।

म्यांमार में सेना ने बदला हवाई हमलों का तरीका: क्या है 'डबल-टैप'; संयुक्त राष्ट्र की जांच में क्या खुलासे हुए

बैंकॉक, एजेंसी। म्यांमार की सेना ने सरकार विरोधी सशस्त्र समूहों के साथ जारी संघर्ष के बीच हवाई हमले बढ़ा दिए हैं। संयुक्त राष्ट्र की एक जांच रिपोर्ट में बताया गया है कि इन हमलों में आम लोग मारे जा रहे हैं। सेना इन हमलों के लिए मोटर से चलने वाले पैराग्लाइडर और जाइरोकॉप्टर जैसे कम लागत वाले विमानों का इस्तेमाल पहले से ज्यादा कर रही है। उधर, रखाइन प्रांत में सरकार के खिलाफ लड़ रहे एक बड़े जातीय सशस्त्र समूह ने दावा किया है कि इस महीने अब तक सेना के हवाई हमलों में 20 आम लोग मारे गए हैं। म्यांमार के सैन्य शासन ने संयुक्त राष्ट्र की जांच या अराकान आर्मी के आरोपों पर तुरंत कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। इससे पहले सेना कहती रही है कि वह केवल युद्ध में वैध ठिकानों पर ही हमला करती है। सेना ने सरकार के खिलाफ लड़ रहे बलों पर आतंकवादी होने का आरोप लगाया है। संयुक्त राष्ट्र की ओर से बनाई गई इंडिपेंडेंट इन्वेस्टिगेटिव मैकेनिज्म फॉर म्यांमार (आईआईएमएम) की रिपोर्ट में एक साल तक चली जांच का विवरण दिया गया है। यह जांच म्यांमार की सेना और उससे जुड़े हथियारबंद समूहों के साथ-साथ सरकार विरोधी सशस्त्र समूहों के कथित युद्ध अपराधों और मानवता के खिलाफ किए गए अपराधों को लेकर की गई थी। जांच में पाया गया कि दिसंबर और जनवरी में सेना की ओर से कराए गए चुनावों के दौरान हिंसा और मानवाधिकार उल्लंघन की घटनाएं बढ़ गई थीं। आईआईएमएम ने कहा कि चुनाव से पहले के महीनों में हवाई हमले काफी बढ़ गए थे और चुनाव के बाद भी ये लगातार जारी रहे। जांचकर्ताओं ने लोगों को जानबूझकर और बिना किसी उचित वजह के हिरासत में लेने, यातना देने और यौन हिंसा की घटनाएं भी दर्ज कीं।

क्या है 'डबल-टैप' हवाई हमला : आईआईएमएम ने कहा कि सेना के बढ़ते 'डबल-टैप' हवाई हमलों से आम लोगों की मौत और घायल होने की संख्या बढ़ रही है। पहले हमला किया जाता है और फिर उसी जगह पर दोबारा हमला किया जाता है। जांच के अनुसार, दूसरे हमले में उन लोगों को निशाना बनाया जाता है, जो घायलों की मदद करने, उन्हें बचाने या वहां से भागने की कोशिश कर रहे होते हैं।

पैरामोटर और ड्रोन का क्यों बढ़ा इस्तेमाल : आईआईएमएम ने कहा कि म्यांमार की सेना हवाई हमलों के लिए मोटर से चलने वाले पैराग्लाइडर (जिसे पैरामोटर भी कहा जाता है) के साथ-साथ जाइरोकॉप्टर और ड्रोन का इस्तेमाल तेजी से कर रही है। इनसे कम ऊंचाई पर बिना किसी सटीक दिशा-निर्देशन वाले विस्फोटकों के जरिये हवाई हमले किए जाते हैं।

बिना आवाज कैसे पहुंचते हैं पैरामोटर : रिपोर्ट में कहा गया है कि ऊपरी सागाइंग क्षेत्र में हाल की कई घटनाओं में पैरामोटर चला रहे पायलट कथित तौर पर अपने ठिकानों के पास पहुंचने पर इंजन बंद कर देते थे। इसके बाद वे बिना आवाज के हवा में ग्लाइड करते हुए आगे बढ़ते थे। इससे आम लोगों को भागने या सुरक्षित जगह पर पहुंचने के लिए बहुत कम या बिल्कुल भी चेतावनी नहीं मिलती थी। आईआईएमएम की रिपोर्ट ऐसे समय आई है, जब रखाइन में सेना के खिलाफ लड़ रहे एक बड़े जातीय सशस्त्र समूह अराकान आर्मी ने कहा कि 1 से 11 अगस्त के बीच तीन टाउनशिप में हुए हवाई हमलों में करीब 20 आम लोग मारे गए और 22 घायल हुए। समूह के मुताबिक, इनमें एक हमला ऐसा भी था, जिसमें आठ विमानों ने करीब एक घंटे तक बमबारी की। सेना समर्थित सरकार ने इन कथित हमलों पर सार्वजनिक रूप से कोई टिप्पणी नहीं की है। असिस्टेंस एसोसिएशन फॉर पॉलिटिकल प्रिजनर्स के अनुसार, 2021 से म्यांमार के सुरक्षा बलों ने 8,000 से ज्यादा आम लोगों की हत्या की है और 31 हजार से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया है। यह एक स्वतंत्र संगठन है, जो देश में जारी गृहयुद्ध के दौरान हुई गिरफ्तारियों और मौतों का विस्तृत रिकॉर्ड रखता है। आईआईएमएम की स्थापना 2018 में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद ने म्यांमार में अंतरराष्ट्रीय कानून के उल्लंघनों पर नजर रखने के लिए की थी। संस्था ने कहा कि उसने 1,600 से ज्यादा स्रोतों और गवाहों से सबूत जुटाए हैं।

व्यक्तित्व के अनुसार चुनें रंग

- अगर आप मोटे हैं तो गाढ़े रंग पहनिए जो ऊपर से नीचे तक एक ही रंग के हों। इससे आपको देखने वाले का ध्यान आपके मोटापे की ओर न जाकर आपकी लंबाई पर जाएगा।
- अगर आप आधिक लंबी हैं तो पोलका डॉट प्रिंट का चयन करते समय ध्यान दें कि उनका बैकग्राउण्ड हल्के रंग का हो। अगर आप लंबी व पतली दिखना चाहती हैं तो छोटे व हल्के रंग के डॉटस हों पर बैकग्राउण्ड गहरे रंग का हो।
- अगर आपका कद छोटा है तो आप जिस भी आउटफिट का चयन कर रही हैं, वह कंट्रास्ट न होते हुए एक ही रंग का होना चाहिए जिससे आप देखने वाले को लंबी नजर आएंगी।
- आप शार्ट-स्कर्ट पहनना पसंद करता हैं पर आपकी टांगें बहुक पतली हैं तो यहां भी रंग आपकी मदद कर सकते हैं। एक तो आप अपनी टांगों को सही आकार में दिखाने के लिए हल्के रंग का लेगिंग्स पहनिए और समानान्तर स्ट्राइप्स आपकी टांगों को सही आकार की दिखने में मदद करेगी।

जब सर्दी ये सताये त्वचा रूखी हो जाए

सर्दियों के मौसम में रूखी, चुभती सर्द हवाओं से शरीर की कांति फीकी पड़ जाती है। ऐसे में कुछ आसान से नुस्खे अपना कर आप अपने त्वचा की सार-संभाल कर सकती हैं और तन को खिला-खिला रख सकती है।

- तीन-चार बादाम नित्य सेवन करने से होंठ नहीं फटते तथा होंठ गुलाबी बने रहते हैं।
- इस मौसम में उंगलियों में सूजन आ जाने पर 4 चम्मच सरसों के तेल में एक चम्मच बारीक पिसा हुआ सेंधा नमक मिलाकर गर्म करें तथा रात को इसे उंगलियों पर लगाकर मोजे पहनकर सोएं, आराम मिलेगा।
- सर्द हवाओं से त्वचा को बचाने के लिए दो चम्मच गुलाब जल और एक चम्मच ग्लिसरीन मिलाकर लगाएं। कुछ देर धूप में बैठकर साफ पानी से स्नान कर लें।
- बदन का रंग निखारने के लिए दो छोटे चम्मच नींबू का रस और चार छोटे चम्मच दूध मिलाकर चेहरे व गर्दन पर लगाएं। 15-20 मिनट के बाद हल्के गरम पानी से स्नान करें।
- संतरे के छिलके गोदकर गरम पानी में डाल दें। इसको रातभर पड़े रहने दें। सुबह इस पानी से चेहरा साफ करें। इससे आपकी त्वचा में जबरदस्त निखार आएगा। और त्वचा खिली-खिली हो जाएगी।
- नींबू का रस हल्के गरम पानी में मिलाकर स्नान करें। त्वचा को ताजगी मिलेगी।
- सर्द मौसम में त्वचा का रूखापन दूर करने के लिए सरसों के तेल में टमाटर व नींबू का रस बराबर मात्रा धूप में बैठें, फिर स्नान कर लें।
- शीत के प्रकोप में उबले पालक के पानी को ठंडा कर चेहरा धोने से नई ताजगी मिलेगी साथ ही चेहरा खिला-खिला बना रहेगा।
- चेहरे का सांवलापन दूर करने के लिए एक चम्मक कच्चे दूध में एक ग्राम हल्दी मिलाकर चेहरे पर 10 मिनट तक लगाए रखें। कुछ देर बाद चेहरे को हल्के गरम पानी से धोएं। शीत में यह प्रयोग हफ्ते में 4 बार करने से सांवलापन दूर होने लगता है।
- तेलीय त्वचा में निखार लाने व त्वचा को कोमल बनाने के लिए 4 छोटे चम्मच खीरे के रस, 2 चम्मच कच्चा दूध व 2 चम्मच गुलाब जल मिलाकर अच्छी तरह फेंटें। इससे मालिश कर कुनकुने पानी से स्नान करें।
- मुरझाई त्वचा के लिए एक बर्तन में नारंगी के सूखे छिलके डालकर गरम पानी मिलाएं व ढककर रख दें। जब पानी कुछ ठंडा हो जाए तो छानकर शीशी में भरें। रोज सुबह इस पानी की मालिश पूरे बदन पर करें। चंद दिनों में ही मुरझाई त्वचा ताजे गुलाब की तरह खिलकर महक उठेगी।

खूबसूरती के घरेलू टिप्स

डैंड्रफ के लिए पैक

मुल्तानी मिट्टी के घोल में दही, नींबू का रस व अंडे का पीला भाग मिला कर लगभग पच्चीस मिनट तक बालों में लगा रहने दें, फिर शैंपू कर लें।

झड़ते बालों के लिए

बाल यदि तीव्र गति से झड़ रहे हों तो मुल्तानी मिट्टी में दही, टमाटर व नींबू का रस मिलाकर पेस्ट बना लें और लगभग बीस मिनट तक बालों में लगा रहने दें, और फिर त्वचा को धो ले, इस पैक का प्रयोग बालों के झड़ने की समस्या का समाधान ही नहीं करता बल्कि बालों को पोषणता भी प्रदान करता है।

त्वचा के कालेपन के लिए

चेहरे की त्वचा में यदि कालापन हो तो उसकी समस्या के समाधान करने के लिए मुल्तानी मिट्टी में चन्दन पाउडर मिलाकर उसका पेस्ट तैयार कर लें इस पैक को त्वता पर सूखने तक लगाये।

त्वचा में कसाव लाने के लिए

एक मसले हुए केले में दो चम्मच शहद अच्छी तरह मिक्स कर लें, उपरोक्त मिश्रण को पैक की भांति त्वचा पर लगभग बीस मिनट तक लगाते रहें। इस पैक का प्रयोग त्वचा में कसाव लाकर त्वचा को आकर्षक बनाता है।

दाल पकान

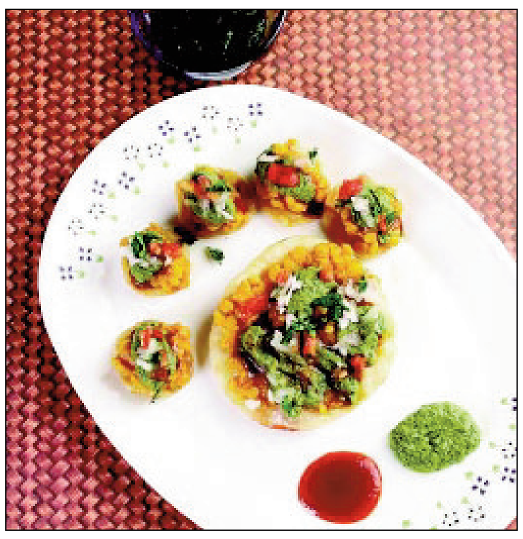

सामग्री: दाल के लिए-

आधा कटोरी भिगोई हुई चना दाल, 1 टेबलस्पून तेल, 1 टीस्पून नमक, 1 टीस्पून हल्दी पाउडर, 1 टीस्पून लालमिर्च पाउडर, चुटकीभर हींग, थोड़ी-सी इमली।

पकान के लिए-

100 ग्राम मैदा, नमक स्वादानुसार, आधा टेबलस्पून तेल व तलने के लिए तेल, मीठी चटनी, हरी चटनी, 2 टेबलस्पून बारीक कटी प्याज, 1 टेबलस्पून हरी धनिया।

विधि:

मैदे में नमक और आधा टेबलस्पून तेल मिलाकर सख्त आटा गूंध लें और छोटी-छोटी पूरियां बेलकर सुनहरा होने तक तल लें। (आप चाहें तो मार्केट से रेडीमेड पूरियां भी ले सकती हैं)।

एक पैन में तेल गर्म करें। हींग, चना दाल और दाल वाली सभी सामग्रियां मिलाकर पांच मिनट तक या दाल पकने तक पकाएं।

एक डिश में पूरियां रखें, हर पूरी पर थोड़ी-थोड़ी दाल डालें। हरी-मीठी चटनी, प्याज और हरी धनिया डालकर सर्व करें।

सावधानी से लगाएं बिंदिया

- स्टिकर बिंदी हमेशा लगा कर न रखें। इससे त्वचा को नुक्सान पहुंत सकता है।
- सफर में जाने से कुछ समय पहले ही बिंदी लगाएं।
- नीचे गिरी या कई बार प्रयोग में लायी गयी तथा किसी दूसरे द्वारा प्रयोग में लायी गई बिंदी का इस्तेमाल कभी न करें। इससे संक्रमण होने का भय बना रहता है।
- अच्छी कंपनी की एवं हरेक बार नई बिंदी का ही इस्तेमाल करें।
- बिंदी जिस जगह पर लगायी जाती है उस जगह को साफ करने के बाद कच्चा दूध, मलाई, कोल्ड क्रीम या स्किन आयल जरूर लगाएं।
- अगर बिंदी लगाने के बाद बिंदी लगाने वाली जगह पर खुजली हो तो कुछ दिनों के लिए बिंदी लगाना बंद कर दीजिए।
- किसी की मृत्यु आदि गमी के मौके पर आप जा रही हों तो इसका ध्यान अवश्य रखिए कि बिंदी लाल रंग की न हो। इस अवसर पर आप काली बिंदी लगाकर जा सकती है।

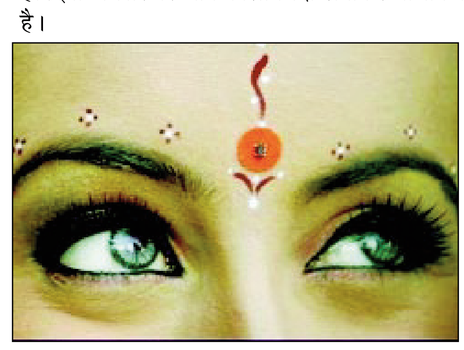

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ

जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। आत्मीय श्रेष्ठता बनेगी। शुभांक-2-5-6

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-6-7

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा

कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-3-5-7

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो

शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहें। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-4-7-8

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे

अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं। शुभांक-3-5-7

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। सब्र का फल मीठा होता है अत:धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। काम में लगे रहें लाभ होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। शत्रु से सावधान रहें। शुभांक-1-3-5

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते

महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू

स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-3-4-5

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। पत्नी का परामर्श लाभदायक रहेगा। शुभांक-2-4-7

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी

व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। सच्चाई का सहारा लें कार्यसिद्धि होगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। समय आपके पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-3-5-7

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा

कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-2-4-6

मीन — दी दू थ ज्ञ ज दे दो चा ची

मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 1928

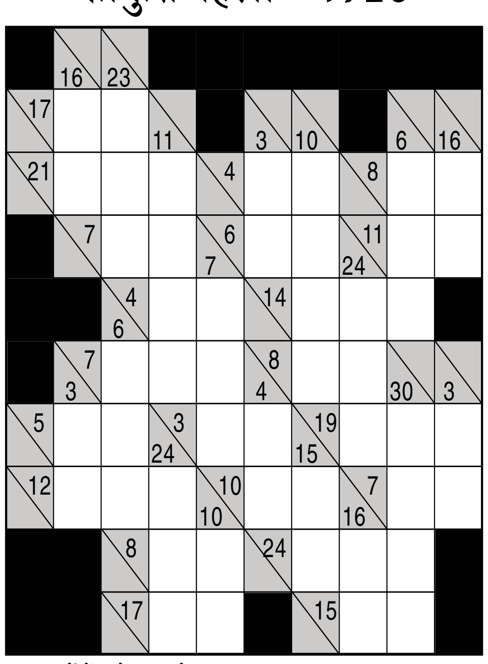

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ की संख्या से मेल खानी चाहिए,किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता।

उदाहरण:

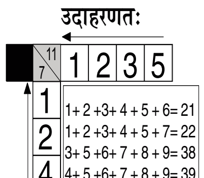

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 1927 का हल

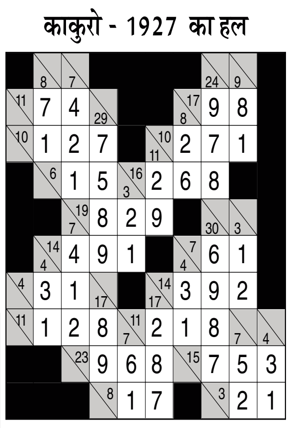

लॉफिंग ज़ोन

पति (पत्नी से) प्रिये यदि मुझे कुछ हो गया तो तुम क्या दूसरी शादी कर लोगी।

नहीं, कभी नहीं। मैं अपना बचा जीवन अपनी बड़ी बहन के साथ गुजार दूँगी लेकिन दूसरी शादी नहीं करूँगी।

पत्नी (पति से) : लेकिन यदि मुझे कुछ हो गया तो क्या तुम दूसरी शादी कर लोगे।

पति : नहीं, मैं भी तुम्हारी बहन के साथ ही रह लूँगा।

▯ ▯ ▯

अपने प्रेमी की शिकायत करते हुए शीला ने गीता से कहा- यह रमन का बच्चा आजकल मुझसे फ्लर्ट कर रहा है।

गीता- क्यों क्या किया रमन ने?

शीला- कल शाम जब मैं एक रेस्त्राँ में उससे मिलने गई तो वह बहुत देर बाद आया। कारण पूछने पर कहने लगा- अरे, वो नरेश मुझे जबरदस्ती टॉकिज ले गया था फिल्म दिखाने।

गीता- तो इसमें फ्लर्ट की क्या बात है?

शीला- दरअसल, कल नरेश के साथ टॉकिज तो मैं गई थी।

▯ ▯ ▯

फिल्म वर्ग पहेली- 1928

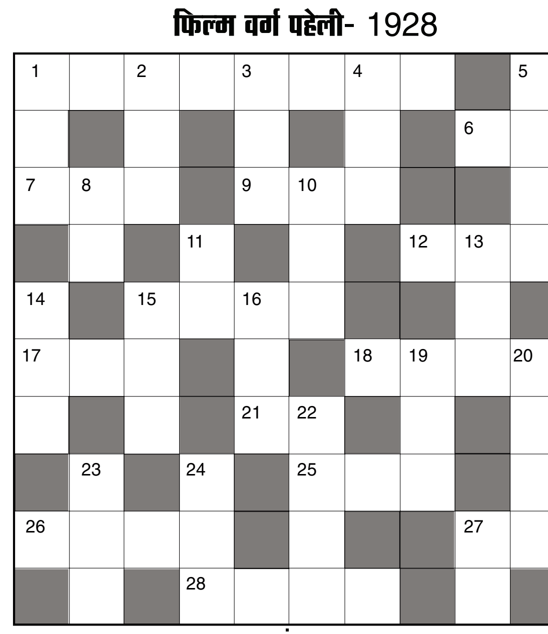

ऊपर से नीचे:-

१. सुनील, सुष्मिता, नम्रता की 'दोस्ती हो गई रे' गीत वाली फिल्म-३
२. 'बोल गोरी बोल' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
३. फिल्म 'बाबुल' में दिलीपकुमार के साथ नायिका कौन थी-३
४. 'यारा ओ यारा इश्क ने मारा' गीत वाली अमिताभ, मौसमीं की फिल्म-३
५. धर्मेन्द्र, जीनत अमान की 'हम बेवफा हरगिज न थे' गीत वाली फिल्म-४
८. फिल्म 'शारदा' में राज कपूर के साथ नायिका कौंन थी?-२
१०. ऋषिकपूर, श्रीदेवी की फिल्म-३
११. 'खोया है तूने जो' गीत वाली लक्की अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२
१३. 'चिनाई चुन चुन' गीत वाली फिल्म-३
१४. फरदीन खान, उर्मिला की फिल्म-३
१५. वसंत चौधरी, मोतीलाल, साधना की 'ओ सजना बरखा बहार' गीत वाली फिल्म-३
१६. संजयदत्त, नम्रता शिरोडकर की 'मेरी दुनिया है' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'जीने की तमन्ना हो' गीत वाली फिल्म-३
२०. वी. शांताराम की 'आधा है चंद्रमा रात आधी' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'नाजुक सी कली थी' गीत वाली अजय, मनीषा, करिशमा की फिल्म-४
२३. 'दिल जंगली कबूतर' गीतवाली फिल्म-३
२४. नवीन निश्चल, आशा की फिल्म-३
२७. फिल्म 'क्रोध' में सुनील शेट्टी के साथ नायिका कौन थी-२

बायें से दायें:-

१. 'तुम्हें और क्या' गीत वाली राजेंद्र कुमार, सायरा की फिल्म-२,३,१,२
६. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'मैं ने कहा फूलों से' गीत वाली फिल्म-२
७. 'दिल्ली की सर्दी' गीत वाली अजय देवगन, अभिषेक बच्चन, बिपाशा बसु की फिल्म-३
९. संजयदत्त, विवेक मुशरान, मनीषा कोइराला की 'आँखों में नींदें ना' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'मार ओडारी नी कुकिए' गीत वाली मनोज बाजवेयी, उर्मिला की फिल्म-३
१५. अजय देवगन, अमीषा की 'जो पल्लू गिरा दिया' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'मैं निकला गड्डी लेके' गीत वाली सनी देओल, अमीषा पटेल की फिल्म-३
१८. मनोजकुमार, आशा की 'लो आ गई उनकी' गीत वाली फिल्म-१,३
२१. 'कमसिन कली हूँ' गीत वाली नाना पाटेकर, पुरू राजकुमार, अनुपमा वर्मा की फिल्म-२
२५. 'पाप दी ग्रेट' में किशनकुमार के साथ नायिका कौन थी?-३
२६. 'छोड़ दे जवानी में' गीत वाली राजेश खन्ना, राखी की फिल्म-४
२७. कमल सदाना, दिव्या की 'दिल चीर के देख' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'एक लड़की दिल से गई' गीत वाली शरदकुमार, नंदा की फिल्म-२,२

फिल्म वर्ग पहेली- 1927

ह	म	तु	म		बं	दि	श		जं
स्ती		म	हा	रा	जा		रा	जा	जी
	दी		न		र		बी		र
दी	वा	ना		जी	न	त		क	
	र		अं	त		ला	वा	रि	स
आ		दा	दा		जो	श		श्मा	
क्रो	ध		ज	मी	र		अ		इं
श		आ		रा		ज	मा	न	त
	म	ह	ल		जीं		न		का
दो	स्त		क्ष्य		स	पू	त		म

सूडोकु -1928

		2				1		
				2	5	7	3	
	9	4		6	7			2
	5		4		3			9
	8			9			7	
1			6		8		2	
6			7	4		9	5	
	4	5	8	3				
		8				6		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1927 का हल

9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	5	7	1	6	8	3	9	2
5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	2	6	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
7	4	1	8	9	5	6	2	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1

शब्द पहेली - 1928

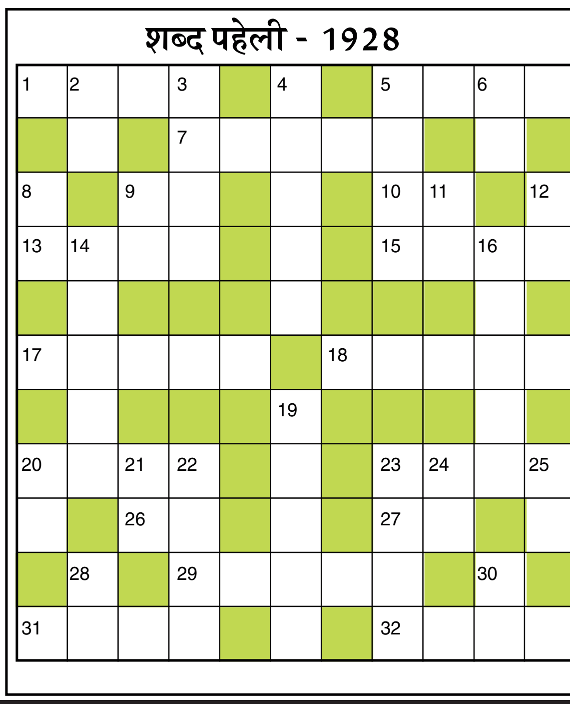

बाएँ से दाएँ

1.सफल,उत्तीर्ण-4
5.ओस,रजनीजल-4
7.फरार होना,चंपत होना, पलायन करना-5
9.महीना,मास-2
10.साल का बारहवां भाग-2
13.पुचकारना-4
15.विष्णु,चक्रधारी-4
17.निरुत्तर होना-5
18.अपनत्व-5
20.असम के इस शहर को बादलों का घर कहा जाता हैं-4
23.निकृष्ट,अल्पतर-4
26.अंधकार-2
27.बुरा आदत-2
29.रसायन संबंधी-5
31.ब्राम्हण,सम्राट-4
32.गजानन,गणपति-4

ऊपर से नीचे

2.मां,आई,मदर-2
3.बारिश का गिरना-4
4.निर्माता,रचयिता-5
5.लज्जाना -4
6.मुलायम-2
8.उम्मीद-2
9.हार,जयमाल-2
11.हरे रंग का-2
12.वचन,प्रतिज्ञा-2
14.हैंडलूम, इस यंत्र पर धागों से बुनाई होती है-5
16.जनेऊ,उपनयन संस्कार-5
19.विलेन,नायक का विलोम-5
20.बादल-2
21.बुरी आदत-2
22.यम,मृत्यु का देवता-4
23.पानी के बहने की आवाज-2,2
24.वोट,अभिमत-2
28.इस जगह-2
30.कारावास,बंधन-2

शब्द पहेली - 1927 का हल

क	ल	ह		म		प	र	दा	न	शी
पू		क	ल	श		छ	बी	ल		त
त	ल			व		ता			सा	ल
	ल		धा	रा	प्र	वा	ह		व	
म	क	ब	रा		था		म	हा	न	ता
			वा	दा		मा	स			
ह	म	रा	ही		पा		फ	र	मा	न
	यू		क	हा	नी	का	र		य	
ख	र			थी		र			का	न
प		ब	र	खा		ना	र	द		य
त	र	स	खा	ना		मा		म	न	न

राज्यसभा से केरल नाम परिवर्तन विधेयक पारित, 'केरल' का नाम होगा 'केरलम'

एजेंसी

नई दिल्ली। संसद ने एक महत्वपूर्ण विधेयक पारित करते हुए केरल का नाम बदलकर 'केरलम' करने को मंजूरी दे दी। राज्यसभा ने इस विधेयक को ध्वनिमत से पारित किया, जबकि लोकसभा ने इसे ही मंजूरी दे दी थी। केरल (नाम परिवर्तन) विधेयक, 2026 का उद्देश्य संविधान की पहली अनुसूची में दर्ज राज्य के नाम को संशोधित कर 'केरल ' से 'केरलम ' करना है। केरल विधानसभा ने वर्ष 2024 में सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित कर केंद्र सरकार से राज्य का नाम बदलने के लिए कानून लाने की सिफारिश की थी। इसके बाद केंद्र सरकार ने विधेयक को आगे बढ़ाया। विधेयक के पारित होने के बाद अब इसे राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए भेजा जाएगा, जिसके बाद आधिकारिक रूप से राज्य का नाम बदलकर केरलम कर दिया जाएगा। राज्य सभा में इस विधेयक पर चर्चा के बाद इस पर जवाब देते हुए गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि यह बदलाव राज्य की भाषाई और सांस्कृतिक पहचान को अधिक सटीक रूप से दर्शाने के उद्देश्य से किया गया है।

मानसून सत्र में कांग्रेस ने चर्चा से भागकर देश की लोकतांत्रिक मर्यादा को किया तार-तार: नितिन नवीन

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उस पर देश की जनता को गुमराह करने, लोकतांत्रिक मूल्यों का हनन करने का आरोप लगाया। भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने अपने एक बयान में कहा कि संसद लोकतंत्र का वह पवित्र मंदिर है, जहां जनता के मुद्दों पर सार्थक चर्चा से देश की दिशा तय होती है लेकिन इस बार के मानसून सत्र में गैरजिम्मेदार कांग्रेस ने चर्चा से भाग कर और बार-बार अपना गोलपोस्ट चेंज कर देश की लोकतांत्रिक मर्यादा और गरिमा को ही तार-तार कर दिया। वास्तव में कांग्रेस ने देश की जनता को धोखा दिया है। इस पूरे सत्र में राहुल गांधी और समूचे विपक्ष का रवैया उनकी अराजक मानसिकता और लोकतंत्र-विरोधी सोच को उजागर करता है। उन्होंने कहा कि पूरा सत्र बीतने को है, पर वे एक भी मुद्दे पर गंभीर चर्चा के लिए तैयार नहीं हुए। पहले उन्होंने युवाओं के विषय पर चर्चा करने की मांग की, और जब सरकार इसके लिए पूरी तरह तैयार हो गई, तो कांग्रेस और इंडी गठबंधन यह कहकर भाग खड़ा हुआ कि उन्हें कोई चर्चा ही नहीं करनी है। सरकार हर विषय पर चर्चा के लिए तैयार थी, लेकिन विपक्ष लगातार जनता के मुद्दों से भागता रहा। आखिर विपक्ष चर्चा से क्यों भाग रहा था? यह साफ तौर पर दिखाता है कि विपक्ष मुद्दों को लेकर न तो संजीदा है और न ही गंभीर।

रक्षाबंधन पर बहनों की सुरक्षित और सुगम यात्रा के लिए यूपी में चलेंगी अतिरिक्त बसें

लखनऊ। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर बहनों को अपने भाइयों तक पहुंचने में किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए योगी सरकार ने व्यापक परिवहन व्यवस्था की तैयारी शुरू कर दी है। परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने 26 अगस्त से 31 अगस्त तक छह दिनों के लिए प्रदेश में अतिरिक्त बसों के संचालन के निर्देश दिए हैं। सरकार के इस फैसले से त्योहार के दौरान यात्रियों को सुरक्षित, सुगम और सुविधाजनक यात्रा उपलब्ध होने की उम्मीद है। परिवहन मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप रक्षाबंधन पर प्रदेश की बहनों को सुरक्षित और सुगम यात्रा उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। त्योहार से पहले और उसके बाद यात्रियों की संख्या बढ़ने को देखते हुए परिवहन निगम को अधिकतम बसों का संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। विशेष रूप से पूर्वी उत्तर प्रदेश की ओर यात्रियों की अधिक आवाजाही को देखते हुए इस दिशा में अतिरिक्त सेवाएं बढ़ाने पर जोर दिया गया है। यात्रियों की मांग के अनुसार लखनऊ और कानपुर समेत विभिन्न प्रमुख गंतव्यों के लिए भी अतिरिक्त बसें चलाई जाएंगी।

मध्य प्रदेश में बढ़ रहा हाथियों का कुनबा, बांधवगढ़ बना गजराजों का पसंदीदा रहवास

भोपाल। मध्य प्रदेश के जंगलों में हाथियों की उपस्थिति लगातार बढ़ रही है। बाघों के लिए देश-दुनिया में प्रसिद्ध बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व अब हाथियों के लिए भी अनुकूल रहवास के रूप में उभर रहा है। यहां हाथियों का कुनबा लगातार फल-फूल रहा है। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व एवं आसपास के लैंडस्केप में वर्तमान में करीब 50 से 70 जंगली हाथियों की मौजूदगी का अनुमान है। वहीं शहडोल जिले के पश्चिमी ब्यौहारी क्षेत्र में भी करीब 25 हाथियों का दल पिछले लगभग डेढ़ वर्ष से लगातार रह रहा है। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के क्षेत्र संचालक अनुपम सहाय ने बुधवार को विश्व हाथी दिवस के अवसर पर बताया कि बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में हाथियों की नियमित उपस्थिति अक्टूबर-2018 में स्पष्ट रूप से दर्ज हुई। हाथी संजय गांधी टाइगर रिजर्व से बांधवगढ़ लैंडस्केप कॉरिडोर के माध्यम से यहां पहुंचे।

झारखंड विधानसभा घेराव पर बड़ा एक्शन

100 नामजद व 500 अज्ञात पर एफआईआर, एबीवीपी का देशव्यापी प्रदर्शन का एलान

एजेंसी

रांची। झारखंड विधानसभा घेराव के दौरान छात्रों और पुलिस के बीच हुई झड़प के मामले में रांची पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस ने प्रदर्शन में शामिल करीब 100 लोगों को नामजद करते हुए 500 अज्ञात प्रदर्शनकारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। इस बीच अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने देशव्यापी प्रदर्शन का एलान कर दिया है। बताया गया कि विधानसभा घेराव के दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई थी। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच झड़प भी हुई। घटना के बाद

पुलिस ने पूरे मामले की जांच शुरू करते हुए वीडियो फुटेज और अन्य उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर प्रदर्शनकारियों की पहचान की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, प्राथमिकी में सरकारी कार्य में बाधा डालने, पुलिस के साथ धक्का-मुक्की और उपद्रव समेत अन्य आरोपों को शामिल किया गया है। नामजद आरोपियों के अलावा बड़ी संख्या में अज्ञात लोगों को भी मामले में आरोपी बनाया गया है।

अन्य आरोपियों की पहचान करने में जुटी पुलिस

पुलिस अब प्रदर्शन के दौरान बनाए गए वीडियो, सीसीटीवी फुटेज और सोशल मीडिया पर उपलब्ध तस्वीरों के आधार पर अन्य आरोपियों की पहचान करने में जुटी है। मामले में आगे और लोगों के नाम जोड़े जा सकते हैं। वहीं, छात्र संगठनों ने पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा है कि वे अपनी मांगों को लेकर लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन कर रहे थे। छात्रों का आरोप है कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने बल प्रयोग किया। दूसरी ओर, पुलिस का कहना है कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक कार्रवाई की गई।

झारखंड में ज्वाइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोले कांग्रेस के चारों मंत्री

भाजपा ने छात्र आंदोलन की आड़ में उपद्रव की साजिश रची

एजेंसी

रांची। झारखंड में जेपीएससी और जेएसएससी की भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर जारी छात्र आंदोलन के बीच कांग्रेस कोटे के चार मंत्रियों ने भाजपा पर गंभीर आरोप लगाए। वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर, स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी, ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह और कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने संयुक्त प्रेस वार्ता में दावा किया कि भाजपा छात्रों के आंदोलन के बहाने राजनीतिक रोटी सेंकने की कोशिश कर रही है। मंत्रियों ने कहा कि गड़बड़ी और उपद्रव फैलाने की साजिश के तहत भाजपा ने विधानसभा के समक्ष किए गए प्रदर्शन में दूसरे राज्यों से लोगों को बुलाया। वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि सरकार 10 अगस्त को विधानसभा में छात्रों के मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार थी। उनके मुताबिक, विपक्षी भाजपा ने सदन में चर्चा करने के बजाय मुख्यमंत्री आवास के घेराव का रास्ता चुना। उन्होंने दावा किया कि बिहार, पश्चिम बंगाल और छत्तीसगढ़ से भाजपा कार्यकर्ताओं को बुलाकर आंदोलन को उग्र करने का प्रयास किया गया। उन्होंने कहा कि इसके बावजूद सरकार और प्रशासन ने संयम बरता। किशोर ने दावा किया कि विधानसभा के गेट तक आंदोलनकारियों का पहुंचना संसदीय व्यवस्था के लिए गंभीर विषय है। उन्होंने पूरे घटनाक्रम की उच्चस्तरीय जांच की मांग की। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने कहा कि वह देर रात बिना सुरक्षा के सदर अस्पताल पहुंचे और भूख हड़ताल पर बैठे छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो से मुलाकात की। उन्होंने दावा किया कि छात्र नेता ने भी स्वीकार किया है कि कुछ लोग आंदोलन को भटकाने की कोशिश कर रहे हैं। अंसारी ने कहा कि सरकार छात्रों की करीब 95 प्रतिशत मांगों को स्वीकार कर चुकी है।

जेवर एयरपोर्ट की सफलता से कुछ लोगों को तकलीफ

बारिश से जलभराव पर उड़ाया मजाक : महेश शर्मा

बोले, कुछ लोगों की कुंठा से साफ जाहिर है कि एयरपोर्ट की सफलता से किसे कितनी तकलीफ है

एजेंसी

लखनऊ : जेवर स्थित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर बारिश के दौरान हुए जलभराव को लेकर मजाक उड़ाने वालों पर सांसद महेश शर्मा ने निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी और ऐतिहासिक परियोजना में बारिश के कारण कुछ मिनट पानी जमा होने को मुद्दा बनाकर एयरपोर्ट का मजाक उड़ाना कुछ लोगों की कुंठा को दिखाता है। इससे साफ जाहिर है कि एयरपोर्ट की सफलता से किसे कितनी तकलीफ हो रही है। खगोलशास्त्र महेश शर्मा ने कहा कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पूरे पश्चिमी उत्तर प्रदेश के विकास को नई गति देने वाला है। इससे क्षेत्र में रोजगार और निवेश के नए अवसर पैदा होंगे, साथ ही देश-दुनिया से कनेक्टिविटी भी मजबूत होगी। इतनी बड़ी परियोजना में सामने आने वाली छोटी व्यवस्थागत चुनौतियां विकास की इस यात्रा को नहीं रोक सकतीं।सांसद ने कहा कि जेवर एयरपोर्ट आने वाले वर्षों में पूरे क्षेत्र की पहचान बदलने के साथ अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाई देगा।

उन्होंने कहा कि बारिश के कुछ देर के जलभराव का वीडियो बनाकर पूरी परियोजना का मजाक उड़ाने के बजाय इसके दूरगामी प्रभाव और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के विकास में इसकी भूमिका को भी देखा जाना चाहिए।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट में रनवे एवं एप्रन पर जलभराव नहीं, पार्किंग क्षेत्र में समस्या शीघ्र दूर की गई: सीईओ यीडा

गौतमबुद्धनगर। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, जेवर क्षेत्र में हुई वर्षा के कारण उत्पन्न समस्या के संबंध में यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी राकेश कुमार सिंह ने स्पष्ट किया है कि एयरपोर्ट के रनवे अथवा एप्रन क्षेत्र में किसी प्रकार का जलभराव नहीं हुआ। एयरपोर्ट के संचालन से संबंधित महत्वपूर्ण क्षेत्रों में जल निकासी की व्यवस्था सुचारु रही। मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने बताया कि अत्यधिक वर्षा के कारण एयरपोर्ट के पार्किंग क्षेत्र में कुछ समय के लिए हल्का जलभराव हुआ था।

स्वतंत्रता दिवस पर भीगेगी दिल्ली

अगले छह दिन छाए रहेंगे बादल, 15 अगस्त पर बारिश के आसार

एजेंसी

कोलकाता। अगस्त के शुरुआती 11 दिनों में अच्छी बारिश के बाद अब अगले छह दिनों तक मौसम सुहावना रहने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, 13 से 18 अगस्त तक आसमान में बादल छाए रहेंगे और अलग-अलग समय पर हल्की बारिश हो सकती है। 13 अगस्त को सुबह से शाम के बीच एक-दो बार हल्की बारिश के आसार हैं। 14 अगस्त को सुबह से दोपहर और फिर दोपहर से शाम के बीच कुछ इलाकों में बारिश हो सकती है।

15 अगस्त को सुबह हल्की बारिश की संभावना है, साथ ही दोपहर से शाम के बीच भी हल्की बारिश हो सकती है। 16, 17 और 18 अगस्त को भी सुबह से शाम के बीच एक-दो बार हल्की बारिश हो सकती है। इस दौरान अधिकतम तापमान 32-35 डिग्री व न्यूनतम 22-26 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। हालांकि, दिनभर तेज धूप व उमस भरी गर्मी ने लोगों को परेशान किया। अधिकतम तापमान 36.4 और न्यूनतम 26.3 डिग्री दर्ज हुआ, जबकि आर्द्रता 80 से 100 फीसदी रही।

महाराष्ट्र सरकार ने भर्ती परीक्षा प्रक्रिया में बड़े बदलाव के लिए एक कमेटी बनाई

एजेंसी

मुंबई,। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने महाराष्ट्र में अलग-अलग सरकारी सेवाओं के लिए भर्ती परीक्षा प्रक्रिया में व्यापक, सुरक्षित और सबकी सहमति वाले सुधार लागू करने के लिए एक हाई-लेवल कमेटी बनाने का फैसला किया। कमेटी को निर्देश दिया गया है कि वह राज्य के हर रेवेन्यू डिवीजन का दौरा करे, छात्रों से सीधे बातचीत करे और सिस्टम में बड़े बदलाव के उपायों की जानकारी देने वाली एक संयुक्त रिपोर्ट सौंपे। बैठक में मौजूद डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने भी कई अहम सुझाव दिए। मुख्यमंत्री का यह फैसला हाल ही में जंतर-मंतर पर नीट पेपर लीक को लेकर हुए विरोध-प्रदर्शनों और झारखंड पब्लिक सर्विस कमीशन (जेपीएससी) व झारखंड स्टाफ सिलेक्शन कमीशन (जेएसएससी) की भर्ती परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों को लेकर झारखंड में चल रहे छात्रों के विरोध-प्रदर्शन के बीच आया है।

सीएम फडणवीस ने अपने सरकारी आवास 'वर्षा' में बुलाई गई एक खास बैठक के दौरान ये निर्देश दिए। जनरल एडमिनिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट की एडिशनल चीफ सेक्रेटरी, वी. राधा इस हाई-लेवल पैनल की अध्यक्षता करेंगी। कमेटी के सदस्यों में डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस सदानंद दाते, इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी डिपार्टमेंट के सेक्रेटरी वीरेंद्र सिंह, एनिमल हसबेंडरी डिपार्टमेंट के सेक्रेटरी एन. रामास्वामी और नासिक डिविजनल कमिश्नर प्रवीण गेदम शामिल हैं। यह पैनल हर रेवेन्यू डिविजन का दौरा करेगा और स्टूडेंट्स, एजुकेशनल इंस्टिट्यूट के एडमिनिस्ट्रेटर्स और संबंधित स्टेकहोल्डर्स से बातचीत करके उनके सुझाव लेगा। इन्हीं सुझावों के आधार पर राज्य के लिए एक व्यापक पॉलिसी तैयार की जाएगी। पेपर लीक और परीक्षा में गड़बड़ी को रोकने के लिए हाल ही में संसद द्वारा पास किए गए कड़े कानून का जिक्र करते हुए सीएम फडणवीस ने कहा कि महाराष्ट्र में पहले से ही अपना कानून मौजूद है।

मुख्यमंत्री की भ्रष्टाचार एवं कदाचार पर जीरो टॉलरेंस नीति

लैंगिक उत्पीड़न के मामले में कॉलेज प्राचार्य बर्खास्त

एजेंसी

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार भ्रष्टाचार, पद के दुरुपयोग, अनियमितताओं एवं गंभीर कदाचार जैसे मामलों में प्रभावी और कठोर कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में, मुख्यमंत्री द्वारा अभियोजन स्वीकृति एवं धारा 17-ए के तहत कार्यवाही के अनुमोदन के साथ विभागीय जांच के गंभीर प्रकरणों का निस्तारण करते हुए लगभग 40 मामलों में कार्रवाई की गई है। मुख्यमंत्री ने राजकीय महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज में छात्राओं के लैंगिक उत्पीड़न के एक प्रकरण में सख्त कार्रवाई करते हुए कॉलेज के प्राचार्य को सेवा से बर्खास्त करने का निर्णय लिया है। साथ ही, इस घृणित कृत्य में सहयोग करने वाले एक प्रवक्ता एवं पुस्तकालयाध्यक्ष को भी सेवा से हटाने की मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री ने भ्रष्टाचार एवं

अन्य आपराधिक प्रकरणों में पद एवं प्रभाव का दुरुपयोग कर अवैध लाभ लेने से जुड़े 6 गंभीर मामलों में अभियोजन स्वीकृति प्रदान की। भ्रष्टाचार निवारण (यथा संशोधित 2018) अधिनियम तथा धन संशोधन निवारण अधिनियम 2002 के तहत सवाई मानसिंह चिकित्सालय के वरिष्ठ आचार्य, पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक, जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधीक्षण अभियंता, वित्तीय सलाहकार, सहायक अभियंता तथा विकास अधिकारी के विरुद्ध कार्रवाई करने का फैसला लिया। मुख्यमंत्री ने सेवानिवृत्त अधिकारियों के सेवा काल में की गई अनुशासनहीनता, दुराचरण एवं भ्रष्टाचार में संलिप्तता के विभिन्न मामलों में 10 अधिकारियों की पेंशन रोकने का निर्णय लिया। 5 प्रकरणों में शत-प्रतिशत पेंशन रोकने की स्वीकृति भी दी गई। इसी प्रकार, एक प्रकरण में न्यायालय से भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत दोषसिद्धि होने पर शत-प्रतिशत पेंशन रोकने का निर्णय लिया गया। वहीं अन्य प्रकरणों में विभागीय जांच पूर्ण होने तक शत-प्रतिशत पेंशन रोकने का निर्णय किया गया। मुख्यमंत्री ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17-ए के तहत विस्तृत जांच का अनुमोदन करते हुए 5 प्रकरणों में एसीबी को आगामी अन्वेषण की अनुमति दी। इसी प्रकार, राजस्थान सिविल सेवाएं (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम, 1958 के नियम 16 के तहत 6 प्रकरणों में विभिन्न अधिकारियों को देय वेतन वृद्धियां संचयी प्रभाव से रोकने का निर्णय लिया।

कर्नाटक में विभागों का बंटवारा तय

कर्नाटक में विभागों का बंटवारा तय, राज्यपाल को भेजी गई लिस्ट – सीएम

विभागों के बंटवारे को लेकर सीएम शिवकुमार पर दबाव था और कांग्रेस हाईकमान इस प्रक्रिया में बारीकी से शामिल था।

एजेंसी

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि नए मंत्रियों को विभाग सौंपने का काम पूरा हो गया है और मंजूरी के लिए लिस्ट राज्यपाल थावरचंद गहलोत को भेज दी गई है। इससे कैबिनेट में बदलावों को लेकर चल रही अटकलों पर विराम लग गया। बेंगलुरु में पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए विभागों के बंटवारे में देरी और कैबिनेट में बदलाव की अफवाहों पर सीएम शिवकुमार ने कहा कि लिस्ट कुछ ही घंटों में जारी कर दी जाएगी। उन्होंने कहा, 'विभागों के बंटवारे की लिस्ट फाइनल हो गई है और मंजूरी के लिए गवर्नर के पास भेज दी गई है। मीडिया को कुछ घंटों में लिस्ट मिल जाएगी। कैबिनेट में कोई बदलाव नहीं हो रहा है। ' सूत्रों का कहना है कि नए शामिल हुए मंत्रियों और शिवकुमार के साथ पहले शपथ लेने वाले वरिष्ठ

मंत्रियों के बीच अहम विभाग पाने के लिए जबरदस्त लॉबिंग चल रही है। खबरों के मुताबिक, खाद्य मंत्री केएच मुनियप्पा सोशल वेलफेयर विभाग चाहते हैं। वहीं, सिद्दारमैया सरकार में मंत्री रहे जमीर अहमद खान, एन. चेलुवरयास्वामी, संतोष लाड, मधु बंगारप्पा और एस.एस. मल्लिकार्जुन वही विभाग चाहते हैं, जो उनके पास पहले थे। के. शिवलिंगेगौड़ा, रिजवान अरशद, के.एस. बसंतप्पा, पी.एम. नरेंद्र स्वामी, एच.सी. बालकृष्ण और अजय सिंह समेत कई नए मंत्री भी अहम विभागों के लिए लॉबिंग कर रहे हैं, क्योंकि वे सरकार में अपनी जगह बनाना चाहते हैं। सूत्रों का कहना है कि विभागों के बंटवारे को लेकर सीएम शिवकुमार पर दबाव था और कांग्रेस हाईकमान इस प्रक्रिया में बारीकी से शामिल था। मुख्यमंत्री के कई बार दिल्ली जाने के बावजूद तक अंतिम बंटवारा पेंडिंग था। इस देरी ने कांग्रेस सरकार पर दबाव भी बढ़ा दिया है, क्योंकि गुरुवार से कर्नाटक विधानसभा का मानसून सत्र शुरू होने वाला है। उम्मीद है कि विपक्ष इस देरी को लेकर सरकार को घेरेगा और सत्र के दौरान विभागों का बंटवारा न होना एक राजनीतिक मुद्दा बन सकता है।

अब जब मुख्यमंत्री ने कहा कि लिस्ट गवर्नर को भेज दी गई है तो उम्मीद है कि सरकार जल्द ही बंटवारे की औपचारिक घोषणा कर देगी।

राज्यसभा से राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम संशोधन विधेयक पारित, विपक्ष का वॉकआउट

एजेंसी

नई दिल्ली,। सहकारिता राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने राज्यसभा में राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम अधिनियम, 1962 में संशोधन से संबंधित विधेयक पेश किया, जिसे सदन ने पारित कर दिया। हालांकि, विधेयक पर चर्चा के दौरान कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों के सदस्य सदन में मौजूद नहीं थे। विपक्ष के अधिकांश दलों ने सदन से वॉकआउट किया। विधेयक पर चर्चा का जवाब देते हुए सहकारिता राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने कहा कि देश में सहकारिता क्षेत्र को विकास की मुख्यधारा में लाने का काम शुरू हो चुका है और पिछले पांच वर्षों में इस क्षेत्र में बड़ी प्रगति हुई है। उन्होंने कहा कि आज देश में 8 लाख से अधिक सहकारी संस्थाएं काम कर रही हैं, जिनसे करीब 30 करोड़ सदस्य जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि भारत का सहकारी क्षेत्र दुनिया के सबसे बड़े सहकारी नेटवर्क में से एक है। मोहोल ने कहा कि सहकारिता मंत्रालय की स्थापना के बाद पिछले पांच वर्षों में कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए हैं। करीब 3,000 करोड़ रुपए की लागत से देश के 80,000 प्राथमिक कृषि साख समिति (पैक्स) का कंप्यूटरीकरण किया जा रहा है। छोटे गांवों में पैक्स को सक्षम बनाने के लिए मॉडल उपनियम बनाए गए हैं और देश के सभी राज्यों ने इन्हें अपनाया है। उन्होंने कहा कि पैक्स को करीब 25 अलग-अलग प्रकार के कारोबार करने का अवसर दिया गया है। सहकारिता के विस्तार के लिए देश में 2 लाख नई बहुउद्देश्यीय पैक्स बनाने का लक्ष्य रखा गया है। अब तक इनमें से करीब 40,000 नई पैक्स का गठन किया जा चुका है। सहकारिता राज्य मंत्री ने कहा कि 'स्वेत क्रांति 2.0' के तहत देश में दूध उत्पादन को प्रतिदिन 660 लाख किलोग्राम से बढ़ाकर 1,000 लाख किलोग्राम करने का लक्ष्य रखा गया है। किसानों को बीज से बाजार तक पूरी मूल्य श्रृंखला उपलब्ध कराने के लिए तीन नई बहुराज्यीय सहकारी समितियां बनाई गई हैं। उन्होंने कहा कि अब तक देश की 70,000 से अधिक सहकारी समितियां इन तीनों बहुराज्यीय सहकारी समितियों की सदस्य बन चुकी हैं। उन्होंने कहा कि शहरी सहकारी बैंकों के लिए एक शीर्ष संगठन का गठन किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में ईशान किशन टॉप पर

नई दिल्ली। टेस्ट, वनडे और टी20 इंटरनेशनल जोड़कर साल 2026 में सबसे ज्यादा इंटरनेशनल रन बनाने वाले भारतीय खिलाड़ियों की बात करें तो इशान किशन टॉप पर काबिज हैं। जबकि भारतीय टेस्ट और वनडे टीम के कप्तान शुभमन गिल इस लिस्ट में दूसरे स्थान पर हैं। 15 साल के वैभव सूर्यवंशी ने भी मात्र 6 टी20 इंटरनेशनल खेलकर ही टॉप 15 की इस लिस्ट में जगह बना ली है।

दिग्गज रोहित शर्मा और विराट कोहली भी इस लिस्ट का हिस्सा हैं। रोहित ने इस साल 9 वनडे इंटरनेशनल खेले हैं तो विराट ने 6 एकदिवसीय मुकाबलों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। इतना ही नहीं संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा भी इस लिस्ट में मौजूद हैं। सैमसन ने इस साल भारत के लिए 14 मुकाबलों में 400 रन बनाए हैं। जबकि अभिषेक के नाम 23 पारियों में 514 रन दर्ज हैं। भारतीय वनडे टीम के उपकप्तान और टी20 के कप्तान श्रेयस अय्यर इस लिस्ट में तीसरे स्थान पर हैं, जबकि अभिषेक शर्मा चौथे पर हैं। इशान और गिल के अलावा अय्यर और अभिषेक ही ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने इस साल अब तक 500 रनों का आंकड़ा पार किया है। खास बात यह है कि पांचवें स्थान पर शिवम दुबे इस लिस्ट में मौजूद हैं।

संविधान में संशोधन के साथ 10 दिसंबर तक होंगे आईओए चुनाव; ओलंपिक की मेजबानी को रखा गया ध्यान में

देश में खेलों को चलाने वाली शीर्ष संस्था भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) में चुनावी गहमा-गहमी शुरू हो गई है। भारत की 2036 के ओलंपिक की बोली में कोई अड़चन नहीं आए, इसके लिए आईओए के चुनाव इस वर्ष 10 दिसंबर तक कराने की तैयारी कर ली गई है। चुनाव के लिए राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक के अनुसार संविधान में संशोधन कराना जरूरी है। आईओए ने इसके लिए 19 अगस्त को आपातकालीन कार्यकारिणी की बैठक बुलाई है जिसमें आईओए के संविधान में संशोधन किया जाएगा, साथ ही संस्था के चुनाव 10 दिसंबर या उससे पहले कराने की घोषणा की जाएगी। बैठक में चुनाव के लिए रिटर्निंग ऑफिसर (आरओ) का भी चयन कर लिया जाएगा। आरओ की ओर से आईओए की चुनावी प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

आईओसी को नहीं होने देना है नाराज

खेल मंत्रालय की ओर से 2036 के ओलंपिक की मेजबानी के लिए अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के समक्ष बोली लगाई जा चुकी है। मेजबानी की आगे की प्रक्रिया में आईओए की भूमिका काफी अहम रहने वाली है। ऐसे में आईओए के चुनाव में देरी आईओसी को नाराज कर सकती है। यही कारण है कि खेल मंत्रालय यह बिल्कुल नहीं चाहता है कि आईओए के चुनाव में देरी हो। हालांकि सूत्र बताते हैं कि आईओए सदस्य चुनाव 10 दिसंबर के बाद चाहते हैं, लेकिन आईओए सीईओ रघुराम अय्यर ने 19 अगस्त को आपातकालीन बैठक का नोटिस निकाल दिया है।

सरकार का समर्थन आएगा काम

बैठक का नोटिस निकलते ही आईओए में चुनावी हलचल शुरू हो गई है। देखने वाली बात यह होगी अध्यक्ष पीटी उषा को चुनौती देने के लिए कौन सामने आता है। 2022 में अध्यक्ष बनीं उषा को अपनी कार्यकारिणी से समर्थन नहीं मिला है। सूत्र यह भी बताते हैं कि इस बार भी जिसे सरकार का समर्थन हासिल होगा वही अगला आईओए अध्यक्ष होगा। हालांकि आईओए चुनाव से पहले एथलीट कमीशन और योग्य खिलाड़ियों (एसओएम) का फिर से गठन करना होगा।

पैमाना प्रदर्शन होना चाहिए, उम्र नहीं

क्या उम्र के कारण रोहित-विराट को विश्वकप से बाहर कर देना चाहिए? हरभजन ने मेसी का दिया उदाहरण

नई दिल्ली, एजेंसी। रोहित शर्मा और विराट कोहली के वनडे भविष्य को लेकर बहस लगातार जारी है। दोनों की उम्र 30 के पार हो चुकी है और 2027 वनडे विश्व कप के समय रोहित 40 तथा कोहली 39 वर्ष के होंगे। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या दोनों दिग्गज दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में होने वाले विश्व कप में खेलेंगे। पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह ने इस बहस में उम्र के बजाय प्रदर्शन को पैमाना बनाने की बात कही है। हरभजन ने मीडिया को दिए इंटरव्यू में कहा, 'जो भी खिलाड़ी हो, मेरा मानना है कि पैमाना प्रदर्शन होना चाहिए, उम्र नहीं। अगर रोहित और विराट रन बना रहे हैं तो हमें उनकी उम्र क्यों देखनी चाहिए?' उन्होंने कहा कि विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में रोहित और कोहली पर युवा खिलाड़ियों की तुलना में कहीं ज्यादा उम्मीदों का दबाव होगा। हालांकि, दोनों ने जिस तरह का आत्मविश्वास और दृढ़ता दिखाई है, उसके आधार पर हरभजन को भरोसा है कि वे अभी भी बड़ा प्रभाव डाल सकते हैं।हरभजन ने रोहित और कोहली के समर्थन में फुटबॉल सुपरस्टार लियोनल मेसी का उदाहरण दिया। उनका कहना है कि अगर 39 साल की उम्र में मेसी विश्व कप जैसे बड़े मंच पर अपनी टीम को आगे ले जा सकते हैं तो रोहित और कोहली के लिए भी ऐसा करना संभव है। हरभजन ने कहा, 'अगर लियोनल मेसी ऐसा कर सकते हैं तो विराट कोहली और रोहित शर्मा क्यों नहीं कर सकते?' उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों के लिए उम्र से ज्यादा उनकी फिटनेस, प्रदर्शन और टीम को योगदान देने की क्षमता मायने रखती है। यदि दोनों दिग्गज विश्व कप तक खुद को फिट रखते हैं और टीम के लिए रन बनाते हैं, तो उन्हें उम्र के आधार पर बाहर करने का कोई मतलब नहीं है।

वैभव को बताया 'यूनीक' खिलाड़ी

हरभजन ने युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि इतनी कम उम्र में दुनिया के शीर्ष गेंदबाजों के खिलाफ जिस तरह वैभव आक्रामक क्रिकेट खेल रहे हैं, वह उन्होंने पहले नहीं देखा। उन्होंने कहा, 'वैभव सूर्यवंशी कमाल के खिलाड़ी हैं। वह एक अलग तरह के और बेहद अनोखे खिलाड़ी हैं। मैंने इससे पहले ऐसा खिलाड़ी नहीं देखा, जो 14-15 साल की उम्र में दुनिया पर इस तरह हावी हो सके। जब दुनिया के शीर्ष गेंदबाज उन्हें गेंदबाजी कर रहे होते हैं तो वे वास्तव में यह सोच रहे होते हैं कि उन्हें गेंद कहां डालनी है। यह अपने आप में बहुत बड़ी बात है।'हरभजन ने कहा कि वैभव की उम्र को देखकर उन्हें सामान्य युवा खिलाड़ी नहीं समझना चाहिए। उन्होंने कहा, 'वैभव यह संदेश दे रहे हैं कि 15 साल का बच्चा भी ऐसा कर सकता है। उसे बच्चा मत समझिए। एक बच्चा वह कर सकता है जो बड़े लोग नहीं कर सकते।'

शुभमन गिल की कप्तानी से प्रभावित

हरभजन ने भारतीय टेस्ट कप्तान शुभमन गिल की भी तारीफ की। उन्होंने इंग्लैंड दौरे में गिल की कप्तानी और बल्लेबाजी को उनकी नेतृत्व क्षमता का उदाहरण बताया। उन्होंने कहा, 'उनकी कप्तानी की असली मजबूती इंग्लैंड में दिखाई दी। वह सिर्फ एक छोटा उदाहरण था कि वह क्या कर सकते हैं। एक लीडर, कप्तान और बल्लेबाज के तौर पर उन्होंने इंग्लैंड में किसी भी अन्य खिलाड़ी से ज्यादा रन बनाए। जिस तरह उनकी टीम ने वहां जीत हासिल की और टीम की मानसिकता जैसी थी, उसी वजह से मैं उन्हें बहुत ऊंचा आंकता हूं।'हरभजन ने मोहम्मद सिराज की गेंदबाजी और पूरी टीम के रवैये की भी तारीफ की। उन्होंने गिल को शानदार क्रिकेट दिमाग वाला खिलाड़ी और अच्छा इंसान बताया। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि उनके पास बहुत अच्छा क्रिकेट दिमाग है। वह एक शीर्ष क्रिकेटर हैं और इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि वह एक अच्छे इंसान हैं।'

अटल ने 143 तो जादरान ने खेली 107 रन की पारी

नई दिल्ली। अफगानिस्तान ने 5 मैचों की वनडे सीरीज के चौथे मुकाबले में आयरलैंड के खिलाफ 50 ओवर में 9 विकेट पर 343 रन बनाए और आयरलैंड को जीत के लिए 344 रन का लक्ष्य दिया। अफगानिस्तान को इस बड़े स्कोर तक पहुंचाने में सेदीकुल्लाह अटल और इब्राहिम जादरान की शतकीय पारी का बड़ा योगदान रहा। इस मैच में आयरलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था।

अटल ने खेली 143 रन की पारी तो जादरान ने बनाए 107 रन- इस मैच में अफगानिस्तान के लिए पारी की शुरुआत करने रहमानुल्लाह गुरबाज के साथ इब्राहिम जादरान आए थे, लेकिन गुरबाज का बल्ला नहीं चला और वो 10 गेंदों पर 12 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद तीसरे नंबर पर खेलने के लिए सेदीकुल्लाह अटल क्रीज पर आए और फिर जादरान और अटल ने मिलकर दूसरे विकेट के लिए 220 गेंदों पर 231 रन की शानदार साझेदारी कर डाली व टीम को बेहद मजबूत स्थिति में ला दिया। जादरान और अटल के बीच ये साझेदारी तब टूटी जब जादरान 107 रन बनाकर आउट हो गए।

पिता को खोने के चार दिन बाद फुटबॉल के मैदान पर लौटे मेसी

मियामी। पिता के निधन के बाद अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर लियोनल मेसी मैदान पर वापसी कर चुके हैं। मेसी के लिए बुधवार की रात सिर्फ एक फुटबॉल मैच नहीं, बल्कि भावनाओं से भरी वापसी थी। अपने पिता जॉर्ज मेसी के निधन के महज चार दिन बाद अर्जेंटीना के दिग्गज खिलाड़ी ने एक बार फिर फुटबॉल के मैदान पर कदम रखा। इंटर मियामी की ओर से लीग्स कप के अहम मुकाबले में मेसी लियोन के खिलाफ खेलने उतरे।

जॉर्ज मेसी का आठ अगस्त को अर्जेंटीना के रोसारियो में 68 वर्ष की उम्र में निधन हुआ था। उनके निधन के बाद मेसी अपने गृहनगर गए और अंतिम संस्कार में शामिल हुए। इंटर मियामी ने भी अपने कप्तान को इस मुश्किल समय में फुटबॉल से दूर रहने का समय दिया था। ऐसे में माना जा रहा था कि मेसी की वापसी में कुछ और वक्त लग सकता है, लेकिन उन्होंने बुधवार को अचानक मैदान पर लौटकर सभी को भावुक कर दिया।

पहले बेंच पर बैठे, दूसरे हाफ में उतरे

लियोन के खिलाफ मुकाबले के लिए मेसी को शुरुआती प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं मिली। वह सब्स्टिट्यूट खिलाड़ियों की सूची में शामिल थे। हालांकि, मैच के दूसरे हाफ की शुरुआत में ही उन्हें मैदान पर उतार दिया गया। मेसी की वापसी ऐसे समय हुई जब इंटर मियामी के लिए मुकाबला बेहद महत्वपूर्ण था। टीम अपने पिछले लीग्स कप मैच में मेसी की गैरमौजूदगी में मॉन्टेरे के खिलाफ 1-2 से हार गई थी। इसके बाद लियोन के खिलाफ जीत उसके लिए जरूरी थी। मेसी के मैदान पर आने से टीम को उम्मीद जगी, लेकिन उनका लौटना भी इंटर मियामी को हार से नहीं बचा सका। लियोन ने मुकाबला 3-2 से अपने नाम कर लिया।

पिता की याद में लिखी थी भावुक पोस्ट

मेसी की मैदान पर वापसी इसलिए भी खास रही क्योंकि पिता के निधन के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर बेहद भावुक संदेश साझा किया था। उन्होंने जॉर्ज को सिर्फ अपना पिता ही नहीं, बल्कि दोस्त और प्रतिनिधि बताया था। जॉर्ज मेसी ने बचपन से ही उनके करियर को संभाला और लंबे समय तक उनके एजेंट भी रहे। मेसी ने अपनी भावुक पोस्ट में लिखा था, 'पापा, मुझे अभी भी यकीन नहीं हो रहा कि आप चले गए हैं। यह बात मेरे दिल में उतरी नहीं है, या यूं कहूं कि मैं इसे स्वीकार नहीं करना चाहता। यह सोचना बहुत मुश्किल है कि अब मैं आपको दोबारा नहीं देखूंगा और हम बात नहीं करेंगे।'

उन्होंने यह भी बताया था कि उनके पिता चाहते थे कि वह 2026 विश्व कप में खेलें। मेसी ने लिखा कि टूर्नामेंट शुरू होने से कुछ दिन पहले जॉर्ज की हालत बिगड़ गई थी, लेकिन उन्हें उम्मीद थी कि उनके पिता ठीक होकर विश्व कप के फाइनल में उन्हें खेलते हुए देखने पहुंच पाएंगे।

डूरंड कप: मोहम्मडन एससी को हराकर इंडियन आर्मी क्वार्टर फाइनल में, शफील पीपी का निर्णायक गोल

कोलकाता। इंडियन आर्मी फुटबॉल टीम ने 135वें डूरंड कप के ग्रुप बी के आखिरी मुकाबले में मोहम्मडन एससी को 2-1 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की कर ली। किशोर भारती क्रीड़ांगन में खेले गए मुकाबले में सेना की टीम ने पिछड़ने के बाद शानदार वापसी की। 90वें मिनट के बाद शफील पीपी के निर्णायक गोल ने उसे रोमांचक जीत दिलाई। मोहम्मडन ने 34वें मिनट में ललथांकिमा के शानदार गोल से बढ़त बनाई। बाएं छोर से गेंद लेकर अंदर आए ललथांकिमा ने बेहतरीन अंदाज में दाएं पैर से शॉट लगाकर गेंद को गोल के ऊपरी बाएं कोने में पहुंचाया। मध्यांतर तक मोहम्मडन 1-0 से आगे रहा।

दूसरे हाफ में इंडियन आर्मी ने आक्रामक रुख अपनाया। 59वें मिनट में पी. क्रिस्टोफर कामेई के दूर से लगाए तेज शॉट ने मोहम्मडन के डिफेंडर पुखरामबम दिनेश मेइतेई से लगकर दिशा बदली, गेंद पोस्ट से टकराई और गोल में चली गई। इससे सेना की टीम 1-1 से बराबरी पर पहुंच गई। इसके बाद दोनों टीमों ने जीत के लिए जोर लगाया। 81वें मिनट में मोहम्मडन के महाराबम मैक्सियन के पास बढ़त लेने का मौका आया, लेकिन सेना के गोलकीपर और कप्तान भाबिंद्र मल्ला ठाकुरी ने आगे बढ़कर खतरा टाल दिया।इंजरी टाइम के पहले मिनट में शफील पीपी ने दूर से जोरदार शॉट लगाया। गेंद हल्की सी दिशा बदलते हुए गोल में चली गई और इंडियन आर्मी ने 2-1 की बढ़त बना ली। इसके बाद मोहम्मडन बराबरी नहीं कर सका। इस जीत के साथ इंडियन आर्मी ने ग्रुप बी में तीन मैचों से नौ अंक लेकर शीर्ष स्थान हासिल किया।

स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ भारत का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा: कपिल

नई दिल्ली। भारतीय खिलाड़ियों के लगातार चोटिल होने से कुछ सवाल खड़े हुए हैं। शनिवार से शुरू होने वाली श्रीलंका के खिलाफ सीरीज में भारत को अपने नियमित खिलाड़ी जसप्रीत बुमराह, साई सुदर्शन और वॉशिंगटन सुंदर की कमी खलेगी। जसप्रीत बुमराह और साई सुदर्शन दोनों को टीम में शामिल किया गया था, लेकिन बाद में उन्हें इस अहम दो-टेस्ट मैचों की सीरीज से हटा दिया गया।

हालांकि, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने बताया था कि उनका खेलना उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगा, लेकिन उनके लंबे समय तक बाहर रहने से यह सवाल उठने लगे हैं कि क्या सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में सही प्रोटोकॉल का पालन किया जा रहा है।

पहले जेआईटीओ प्रीमियर लीग के

लॉन्च इवेंट में कपिल देव ने कहा, घरेलू क्रिकेट खेलना बहुत जरूरी है। इंसान को अपने शरीर के बारे में पता होना चाहिए। आजकल बहुत ज्यादा टी20 क्रिकेट हो रहा है, इसलिए आपको इस बात का ध्यान रखना होगा कि इसका शरीर पर क्या असर पड़ता है।

कपिल देव ने कहा, ''असल में, हमारा शरीर तेज गेंदबाज बनने के लिए नहीं बना है। हमारा शरीर ज्यादातर बल्लेबाज बनने के लिए बना है। बीसीसीआई को इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि एक तेज गेंदबाज पर कितना वर्कलोड डाला जा सकता है।''जसप्रीत बुमराह और साई सुदर्शन के अलावा ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी को लेकर भी चिंताएं बढ़ रही हैं। नितीश कुमार रेड्डी लगातार चोटों से जूझ रहे हैं। आईपीएल के दौरान उन्हें क्वाड्रिसेप्स की चोट लग गई। हालिया समय में घरेलू मैदानों पर न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका के हाथों बुरी तरह हारने के बाद स्पिन के खिलाफ भारत के खेल पर सवाल उठ रहे हैं।

कपिल देव ने कहा, ''भारतीय टीमों को स्पिन के खिलाफ संघर्ष इसलिए करना पड़ता है, क्योंकि शीर्ष खिलाड़ी पर्याप्त घरेलू क्रिकेट नहीं खेलते हैं। यहीं पर बीसीसीआई को सख्ती दिखानी चाहिए और सभी के लिए मल्टी-डे मैच खेलना अनिवार्य करना चाहिए। इसका एक और पहलू यह है कि युवा पीढ़ी को शीर्ष खिलाड़ियों से सीखने का मौका मिलेगा।''कपिल देव ने कहा, ''हाल के समय में स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ भारत का प्रदर्शन बहुत अच्छा नहीं रहा है।

नया वर्ल्ड रिकॉर्ड

मिचेल स्टार्क बने टेस्ट इतिहास के नंबर 1 लेफ्ट-आर्म बॉलर

नई दिल्ली। मिचेल स्टार्क ने एक नया वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया है। ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के बीच टेस्ट सीरीज का आगाज हो चुका है। इसके पहले दिन ऑस्ट्रेलियाई टीम केवल 198 रन पर ही आउट हो गई, इसके बाद जब बांग्लादेश की बल्लेबाजी शुरू हुई तो मिचेल स्टार्क ने ही पहला विकेट लिया। इस विकेट को लेने के साथ ही मिचेल स्टार्क टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले बाएं हाथ के गेंदबाज बन गए। मजे की बात ये है कि उन्होंने ये कीर्तिमान इंटरनेशनल लेफ्ट हैंडर्स डे पर बनाया है।

बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए पहले दिन पैट कमिंस ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी चुनी, लेकिन टीब्रेक के कुछ ही देर बाद पूरी टीम केवल 198 रन बनाकर आउट हो गई। स्टीव स्मिथ ने अर्धशतकीय पारी खेली, लेकिन बाकी किसी भी बल्लेबाज का उन्हें साथ नहीं मिला। यही कारण रहा कि ऑस्ट्रेलियाई टीम पहली बार बांग्लादेश के खिलाफ 200 से कम के स्कोर पर आउट हो गई।

इसके बाद बांग्लादेश की टीम बल्लेबाजी के लिए मैदान पर उतरी। उनके सलामी बल्लेबाज सादमान इस्लाम और तंजीद हसन तमीम ने टीम को सधी हुई शुरुआत देने की कोशिश की, लेकिन पारी के नौवें ओवर में मिचल स्टार्क ने दूसरी ही बॉल पर सादमान इस्माल को आउट कर दिया। उनका कैच नाथन लॉयन ने लपका। वे 30 बॉल पर 20 रन बना सके। इसमें दो चौके शामिल रहे। इस विकेट के साथ ही मिचेल स्टार्क ने टेस्ट क्रिकेट में अपने 434 विकेट पूरे कर लिए।

अवैध खनन मामला

फिफ्टी जड़ स्टीव स्मिथ पहुंचे लारा और स्टीव वॉ के बराबर

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया की धरती पर बांग्लादेश की टीम टेस्ट मैच खेल रही है। दोनों टीमों के बीच डार्विन में 2 मैचों की टेस्ट सीरीज का 13 अगस्त से आगाज हो चुका है। पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया है। पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम का आगाज बेहद खराब रहा।

दरअसल, 38वें ओवर में तैजुल इस्लाम गेंदबाजी करने आए। स्मिथ ने तैजुल का छक्के से स्वागत किया। इस छक्के की मदद से स्मिथ का निजी स्कोर 42 रन पहुंच गया। इसके साथ ही स्टार ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ने इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में महान एलन बॉर्डर को पछाड़ दिया। स्मिथ अब इंटरनेशनल क्रिकेट में चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज बन गए हैं। वहीं, एलन बॉर्डर 5वें पायदान पर खिसक गए हैं। स्मिथ से आगे अब रिकी पोंटिंग, डेविड वॉर्नर और स्टीव वॉ हैं। बता दें, स्टीव स्मिथ के नाम इंटरनेशनल क्रिकेट में 361 मैचों की 430 पारियों में 17700+ रन हो गए हैं। इसमें 49 शतक और 85 अर्धशतक शामिल हैं। डार्विन में खेले जा रहे पहले टेस्ट से पहले स्टीव स्मिथ के खाते 17656 इंटरनेशनल रन दर्ज थे। उन्हें एलन बॉर्डर को पछाड़ने के लिए सिर्फ 42 रनों की दरकार थी। डार्विन टेस्ट के पहले दिन जब स्मिथ 2 रन के निजी स्कोर पर थे, तो आउट होने से बाल-बाल बचे। उनका कैच ड्रॉप हुआ। इसके बाद स्मिथ ने लगातार रन बनाते हुए न केवल एलन बॉर्डर को पछाड़ा, बल्कि मुश्किल में घिरी ऑस्ट्रेलियाई पारी के दौरान शानदार अर्धशतक भी जड़ा। स्मिथ के टेस्ट करियर का यह 45वां अर्धशतक है।

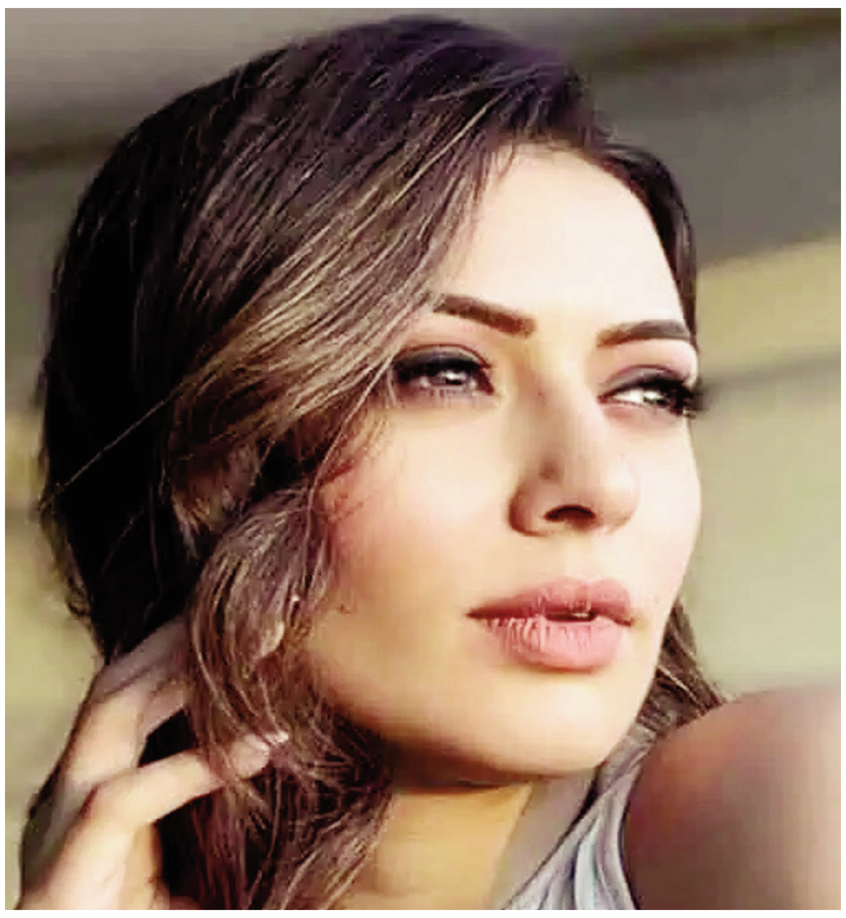

किसी फिल्मी स्क्रिप्ट से कम नहीं है हंसिका की कहानी

हंसिका मोटवानी की कहानी किसी फिल्मी स्क्रिप्ट से कम नहीं है। बचपन में टीवी की दुनिया में कदम रखा, चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर पहचान बनाई, बॉलीवुड में बड़े सितारों के साथ काम किया और फिर साउथ फिल्म इंडस्ट्री में बतौर लीड एक्ट्रेस अलग जगह बना ली। लेकिन, जितनी तारीफ हंसिका के काम की होती है, उससे ज्यादा चर्चे उनकी निजी जिंदगी को लेकर होते हैं। वह किसी न किसी चीज को लेकर अक्सर सुर्खियों में बनी रहती हैं।

मुंबई में जन्मीं हंसिका ने बहुत छोटी उम्र में ही कैमरे का सामना करना शुरू कर दिया था। टीवी के मशहूर शो 'शाका लाका बूम बूम' में बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट नजर आने के बाद वह घर-घर में पहचानी जाने लगीं। इसके बाद उन्होंने 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' जैसे लोकप्रिय सीरियल में भी काम किया। हंसिका की अगली बड़ी छलांग बॉलीवुड में हुई। ऋतिक रोशन और प्रीति जिंटा की फिल्म 'कोई मिल गया' में उनकी मौजूदगी को दर्शकों ने पसंद किया। कुछ समय बाद हंसिका ने साउथ सिनेमा का रुख किया। उन्होंने तेलुगु फिल्म 'देसमुदुरु' से बतौर लीड एक्ट्रेस डेब्यू किया। उस समय उनकी उम्र काफी कम थी, लेकिन फिल्म में उनकी एक्टिंग को पसंद किया गया और उन्हें बेस्ट फीमेल डेब्यू का सम्मान भी मिला।

इसके बाद तमिल फिल्मों में भी उनका करियर तेजी से आगे बढ़ा। 'एंगेयुम काधल' और 'ओरु कल ओरु कन्नाड़ी' जैसी फिल्मों ने उन्हें दक्षिण भारतीय दर्शकों के बीच मजबूत पहचान दिलाई। तमिल, तेलुगु, कन्नड़, हिंदी और मलयालम फिल्मों में काम करके उन्होंने अपनी बहुभाषी पहचान बनाई।

एक चुलबुली और मासूम लड़की के किरदारों से शुरुआत करने वाली हंसिका ने धीरे-धीरे अलग तरह के रोल भी किए। हंसिका का करियर जितना तेजी से आगे बढ़ा, उनकी निजी जिंदगी को लेकर चर्चाएं भी उतनी ही तेज होती गईं। एक समय उनकी बदली हुई शारीरिक बनावट को लेकर तरह-तरह की बातें कही गईं और उन पर हार्मोनल इंजेक्शन लेने के आरोप लगे। हंसिका ने इन आरोपों को खारिज किया था।

इसके अलावा, एक कथित एमएमएस के वायरल होने के बाद भी उनका नाम चर्चा में आया। हालांकि, हंसिका ने साफ किया था कि वीडियो में दिखाई देने वाली लड़की वह नहीं थी। बावजूद इसके, इस विवाद ने काफी समय तक उनका पीछा नहीं छोड़ा। हंसिका की निजी जिंदगी का सबसे ज्यादा चर्चित अध्याय उनकी शादी रही। उन्होंने 4 दिसंबर 2022 को बिजनेसमैन सोहेल कथूरिया से शादी की। राजस्थान के जयपुर में हुई इस शाही शादी की तस्वीरों और वीडियो ने खूब सुर्खियां बटोरीं। उनकी शादी पर 'हंसिका लव शादी ड्रामा' नाम की एक वेब सीरीज भी बनी है।

हालांकि शादी की घोषणा के साथ ही विवाद शुरू हो गया। सोहेल की यह दूसरी शादी थी और उनकी पहली पत्नी रिंकी बजाज हंसिका की दोस्त थीं। इसी वजह से सोशल मीडिया पर हंसिका पर कई तरह के आरोप लगाए गए। हंसिका ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि सोहेल और रिंकी के रिश्ते में क्या हुआ, इससे उनका कोई लेना-देना नहीं था। हालांकि, हंसिका और सोहेल का रिश्ता भी ज्यादा समय चल नहीं पाया। दोनों ने तलाक ले लिया है।

एकता कपूर की चमक कम नहीं हुई, वह समय के साथ बदलना जानती हैं

टीवी की दुनिया में अब डेली सोप्स के मुकाबले रियलिटी शोज, गेमिंग शोज और अलग तरह के कंटेंट को ज्यादा पसंद किया जा रहा है। ऐसे समय में मशहूर प्रोड्यूसर और 'टेलीविजन की क्वीन' कही जाने वाली एकता कपूर ने खुद को सिर्फ टीवी सीरियल्स तक सीमित नहीं रखा और रियलिटी शो के क्षेत्र में कदम बढ़ाया। इस कड़ी में एकता कपूर की तारीफ करते हुए अभिनेत्री तेजस्वी प्रकाश ने कहा कि वह समय के साथ खुद को बदलना जानती हैं।

दरअसल, तेजस्वी प्रकाश इन दिनों गेमिंग रियलिटी शो 'प्लेग्राउंड' के पांचवें सीजन को लेकर चर्चा में हैं। आईएएनएस से बात करते हुए उन्होंने कहा, ''एकता कपूर हमेशा से टेलीविजन की क्वीन रही हैं, लेकिन उन्हें सिर्फ टीवी की निर्माता के तौर पर देखना सही नहीं होगा। वह एक बेहतरीन रणनीतिकार होने के साथ-साथ बहुत समझदार बिजनेसवुमन भी हैं। उन्हें पता है कि इस समय दर्शकों के बीच क्या चल रहा है और किस तरह का कंटेंट लोगों को पसंद आ रहा है। इसलिए वह अपने काम को समय की मांग के हिसाब से बदलती रहती हैं।''

तेजस्वी ने कहा, ''एकता ने अपने आसपास कई ऐसे लोगों को देखा है, जो अपने काम करने के तरीके में बदलाव नहीं करना चाहते। ऐसे लोग चाहे उनका तरीका काम करे या न करे, उसी रास्ते पर चलते रहते हैं। इसकी वजह से वे आगे नहीं बढ़ पाते और एक जगह पर ही रुक जाते हैं। समय के साथ खुद में बदलाव करना बेहद जरूरी है और उन्होंने अपने जीवन में इस बात को महसूस किया है।''

तेजस्वी ने कहा, 'एकता कपूर ने अपनी गलतियों को समझा है और उन गलतियों से सीखने के बाद अपने काम करने के तरीके में जरूरी बदलाव किए हैं। जिंदगी में आगे बढ़ने के लिए यह समझना जरूरी है कि कब अपने तरीके को बदलने की जरूरत है।' तेजस्वी का एकता कपूर के साथ काम करने का अनुभव भी रहा है। वह एकता कपूर के चर्चित शो 'नागिन 6' में नजर आई थीं।

रियलिटी शो 'लॉक अप' को लेकर भी तेजस्वी ने एकता कपूर की टीम की तारीफ की। उन्होंने कहा, ''शो के दूसरे सीजन की सफलता से मैं बेहद खुश और गर्व महसूस कर रही हूं। मैं खुद भी 'लॉक अप' का हिस्सा रह चुकी हूं। भले ही मेरा जुड़ाव शो से छोटे स्तर पर रहा हो, लेकिन उस शो का हिस्सा बनना और उसके मंच पर मौजूद रहना मेरे लिए बेहद मजेदार अनुभव था।'' तेजस्वी ने आखिर में कहा, ''एकता कपूर की पहचान सिर्फ टेलीविजन तक सीमित नहीं है। वह फिल्ममेकर भी हैं और फिल्मों के क्षेत्र में भी काम कर रही हैं। उनके पास आने वाले समय के लिए कुछ नए और शानदार प्रोजेक्ट्स हैं। ऐसे में मुझे नहीं लगता कि एकता कपूर की चमक कम हो रही है।''

'डेडलॉक्ड' नाम की एक्शन थ्रिलर हॉलीवुड फिल्म डायरेक्ट करेंगे निखिल नागेश भट्ट

डायरेक्टर निखिल नागेश भट्ट 'डेडलॉक्ड' नाम की एक एक्शन थ्रिलर फिल्म डायरेक्ट करेंगे, जिसमें ऑस्कर विजेता एक्टर जेमी फॉक्स लीड रोल में नजर आएंगे। इस फिल्म को अमेजन एमजीएम स्टूडियोज दुनिया भर में रिलीज करेगा।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'डेडलॉक्ड' को प्राइम वीडियो पर ग्लोबली स्ट्रीम किया जाएगा। यह निखिल भट्ट की पहली इंग्लिश लैंग्वेज फिल्म होगी और 'किल' की सफलता के बाद उनके करियर में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। फिल्म की कहानी एक ऐसे पूर्व मरीन पर आधारित है, जो एक बड़े केस में ज्यूरी ड्यूटी कर रहा होता है। इसी दौरान कोर्ट में अचानक खतरनाक हालात बन जाते हैं और मामला बंधक बनाने तक पहुंच जाता है। दरअसल, आरोपी की बेटी अपने पिता को बचाने के लिए कोर्ट पर कब्जा कर लेती है, जिसके बाद कहानी में जबरदस्त ट्विस्ट आता है। इस फिल्म को एरिक स्कॉट एंडरसन और मैट ताकेजिरो बोसैक ने लिखा है। प्रोडक्शन की जिम्मेदारी ब्रायन कवानॉ-जोंस, फ्रेड बर्जर, डेव कैपलान और खुद जेमी फॉक्स की टीम संभाल रही है। जेमी फॉक्स हाल ही में नेटफ्लिक्स की फिल्म 'बैक इन एक्शन' में नजर आए थे, जिसमें उनके साथ कैमरून डियाज थीं। वह जल्द ही 'फाइट फॉर '84' नाम की एक और फिल्म में दिखाई देंगे।

निखिल नागेश भट्ट के बारे में

निखिल नागेश भट्ट को इंटरनेशनल पहचान उनकी फिल्म 'किल' से मिली, जिसका प्रीमियर टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में हुआ था। बाद में इस फिल्म को लायंसगेट ने खरीदा और 2024 में इसे बड़े स्तर पर रिलीज किया गया। लक्ष्य और राघव जुयाल स्टारर 'किल' को भारत की सबसे हिंसक फिल्मों में से एक माना गया। 'किल' के अलावा निखिल 'अपुर्वा', 'हुरदंग' जैसी फिल्में और 'रस भरी', 'द गॉन गेम' जैसी वेब सीरीज भी डायरेक्ट कर चुके हैं। खबरें यह भी थीं कि वह सनी देओल के साथ 'परशुराम' नाम की फिल्म पर काम कर रहे हैं, लेकिन 'डेडलॉक्ड' के ऐलान के बाद इस प्रोजेक्ट का क्या होगा, यह साफ नहीं है।

टॉक्सिक के लिए अपने हिस्से की शूटिंग कर रही हैं रुक्मिणी वसंत

साउथ की चर्चित अभिनेत्री रुक्मिणी वसंत इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'टॉक्सिक' को लेचर चर्चा में हैं। बीते कल इसका ट्रेलर रिलीज हुआ है। ट्रेलर ने दर्शकों का ध्यान खींचा है। इस बीच अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर अपनी शानदार तस्वीरें शेयर की हैं। तस्वीरें शेयर करते हुए अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा ''टॉक्सिक- ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन अप्स' के लिए अपने हिस्से की शूटिंग कर रही हूं।' तस्वीरों पर फैंस ने कमेंट किए हैं। एक यूजर ने उन्होंने सबसे प्यारी गुड़िया कहा है। वहीं एक दूसरे यूजर ने उन्हें सुंदरी कहा है। आपको बता दें कि रुक्मिणी वसंत 'टॉक्सिक' में मेलिसा का किरदार निभा रही हैं। रिलीज हुए फिल्म के ट्रेलर में अभिनेत्री के अलावा कियारा आडवाणी, हुमा कुरैशी, नयनतारा, तारा सुतारिया और यश की झलक दिखी है। ट्रेलर काफी हिंसक है।

फिल्म में यश लीड रोल में नजर आएंगे, जो राया का किरदार निभा रहे हैं। कियारा 'नादिया' का किरदार निभा रही हैं। वहीं तारा सुतारिया 'रबेका' और हुमा कुरैशी 'एलिजाबेथ' के किरदार में नजर आएंगी। इनके अलावा नयनतारा, रुक्मिणी वसंत समेत और भी कलाकार फिल्म में नजर आएंगे।

अजुल के बाद नए सॉन्ग पर ट्रोल हुए गुरु रंधावा

गुरु रंधावा सोशल मीडिया पर अपने गानों और प्रेजेंटेशन को लेकर ट्रोल होते हैं। हाल ही में रिलीज हुए गाने 'फाइन शिट' के साथ भी ऐसा ही हुआ। यूजर्स को इसके बोल नहीं भाए हैं। बता दें कि पिछले साल भी अपने एक गाने 'अजुल' के कारण गुरु रंधावा खूब ट्रोल हुए थे। गुरु रंधावा के नए गाने में ऑफिस का सेटअप है। इसमें वह गाना गा रहे हैं और एक लड़की अजीब तरह का डांस कर रही है। यह डांस भी यूजर्स को नहीं भाया है। इस तरह की प्रेजेंटेशन पर सोशल मीडिया यूजर्स ने सवाल उठाए हैं। गुरु रंधावा के इस गाने को उनके साथ यश्वी देसाई ने भी गाया है। वहीं म्यूजिक वीडियो में अर्शिया सिन्हा, रायमा ग्रोवर, मेहर कौर, रूही दोसानी जैसे सेलेब्स भी नजर आए। इस गाने के बोल गुरजीत ने लिखे हैं। यूट्यूब को इस गाने पर दो दिन में 6 मिलियन से अधिक व्यूज मिल चुके हैं।

इन गानों के लिए मशहूर रहे हैं गुरु रंधावा

गुरु रंधावा एक मशहूर पंजाबी सिंगर, म्यूजिक कंपोजर हैं। वह पंजाबी, इंडी-पॉप स्टाइल के गाने गाते हैं। वहीं बॉलीवुड में भी कई हिट गाने गा चुके हैं। इसमें 'नाच मेरी रानी', 'स्लोली स्लोली', 'बॉर्डर' और फिल्म 'सोनू के टीटू की स्वीटी' का गाना 'कौन नाचना' शामिल है।

सीरियस एक्ट्रेस टैग पर बोलीं संजीदा शेख

'धमाल 4' में अजय देवगन, रितेश देशमुख, अरशद वारसी और जावेद जाफरी जैसे सितारे फिर नजर आए। साथ ही इस बार कुछ नए चेहरे भी जुड़े, जिनमें एक्ट्रेस संजीदा शेख भी शामिल थीं। फिल्म में संजीदा ने एक्शन और कॉमेडी दोनों किया। बातचीत में उन्होंने बताया कि उन्हें यह रोल कैसे मिला और शूटिंग का अनुभव कैसा रहा।

'धमाल 4' से पहले संजीदा ने कॉमेडी में ज्यादा काम नहीं किया था। इससे पहले वह संजय लीला भंसाली की सीरियस पीरियड ड्रामा 'हीरामंडी' में नजर आई थीं। इसके बाद उन्हें 'सीरियस एक्ट्रेस' का टैग मिलने लगा। संजीदा ने कहा, 'मुझे 'धमाल 4' इसलिए मिली क्योंकि इंद्र सर ने मुझे 'हीरामंडी' देखने के बाद बुलाया। उनका पहला सवाल था, 'आप तो बहुत सीरियस एक्ट्रेस हैं,' क्योंकि हीरामंडी काफी सीरियस थी।' संजीदा ने बताया कि उन्होंने डायरेक्टर से कहा कि उन्हें मौका दिया जाए ताकि वह दिखा सकें कि वह कितनी फनी हैं। 'मैं उनके साथ बैठी और उन्होंने मुझे हंसते हुए सुना- मैं थोड़ा अलग तरीके से हंसती हूं तो उन्होंने कहा, 'ठीक है।' और मेरी कास्टिंग हो गई।'

कॉमेडी के साथ किया एक्शन

'धमाल 4' में संजीदा का किरदार जितनी कॉमेडी करता है, उतना ही एक्शन भी करता है। कई सीन में वह बड़े एक्शन स्टार्स के साथ एक्शन करती नजर आई। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, 'मेरे हर सीन में एक्शन था। मुझे उल्लू बनाया गया। मुझे कहा गया था कि कॉमेडी करनी है, लेकिन मुझसे एक्शन करवा लिया गया।' संजीदा ने बताया कि सेट पर यह बात मजाक बन गई थी कि जहां अजय देवगन जैसे बड़े एक्शन स्टार मौजूद हैं, वहां उनसे एक्शन सीन करवाए जा रहे थे। उन्होंने कहा, 'मैं सच बोल रही हूं, अजय देवगन सेट पर थे और मुझसे सारे एक्शन सीन कराए जा रहे थे। यह सेट पर मजाक बन गया था।'

समुद्र में पायी जाने वाली कुछ विचित्र मछलियां

धरती के 70 प्रतिशत भाग में फैला हुआ सागर पृथ्वी की जलवायु को संतुलित रखने, भोजन और ऑक्सीजन प्रदान करने, जैव विविधता बनाये रखने और परिवहन के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वैज्ञानिकों के मतानुसार धरती पर प्रारंभिक जीवन सागर से ही प्रारम्भ हुआ था और चरणबद्ध विकास के फलस्वरूप यह धरती पर भी पनपने लगा और वर्तमान में उपलब्ध जैव विविधताओं का कारण बना।

वाइपर फिश

बेहद गहरे पानी और उच्च दबाव वाले क्षेत्र में रहने वाली यह मछली देखने में काफी डरावनी लगती है। बेहद कठिन परिस्थितियों में रहने के कारण यह बहुत कम खाने पर भी लम्बे समय तक जिन्दा रह सकती है। इसके पास से गुजरने वाले किसी भी शिकार का इसके नुकीले दांतों से बचना नामुमकिन ही है।

सिलिकेन्थ

प्रागैतिहासिक युग के प्राणियों के सामान दिखने वाली यह मछली एक जीवित जीवाश्म ही है। वैज्ञानिकों के अनुसार यह ७ करोड़ वर्ष पहले मिलने वाली मछलियों की संरचना से काफी मिलती है।

इलेक्ट्रिक ईल

समुद्र में पायी जाने वाली यह ईल प्रजाति की मछली आकार में २ मीटर तक लम्बी और २० किलो तक वजनी हो सकती है। यह ६00 वोल्ट का तेज विद्युतीय झटका दे सकती है। वैज्ञानिकों के अनुसार यह अपने विद्युत का इस्तेमाल रास्ता खोजने में भी कर सकती है।

मिस्ट्री शार्क

दुनिया के सबसे गहरे समुद्री क्षेत्र के रूप में विख्यात मरियाना ट्रेंच में पाई जाने वाली यह अत्यंत दुर्लभ शार्क की तस्वीर है। यह एक प्रागैतिहासिक जीव है जिसे सबसे पहले जापानी वैज्ञानिकों ने देखे जाने का दावा किया था।

बिगफिन स्क्विड

स्क्विड प्रजाति से सम्बन्ध रखने वाला यह जीव गहरे पानी में पाया जाता है। यह स्क्विड आकार में १६ फीट तक लम्बा हो सकता है।

स्टार गैजेर्स

यह समुद्र में पायी जाने वाली एक जहरीली मछली है। यह खुद को रेत में अच्छी तरह छुपा लेती है और जैसे ही शिकार इसके पास आता है तेजी से झपट्टा मारकर उसे पकड़ लेती है। अन्य मछलियों के विपरीत इसकी ऑखें सामने की ओर होती हैं।

पफर फिश

पफर फिश अपने नाम के अनुसार खतरा महसूस होने पर ढेर सारा पानी अपने लचीले पेट में भरकर अपना आकार बढ़ा लेती है जिससे शिकार कंफ्यूज हो जाता है और यह मौके का लाभ उठाकर बच निकलती है। यह भी एक जहरीली मछली है।

फ्रिल्ड शार्क

बहुत गहरे पानी में पायी जाने वाली यह शार्क की अत्यंत दुर्लभ प्रजाति है जिसे देखने मात्र से ही भय उत्पन्न होता है। यह पत्थर की बनी हुई दिखती है और एक जीवित जीवाश्म है।

स्टोनफिश

हिन्द महासागर और पश्चिमी प्रशांत महासागर में पाई जाने वाली यह मछली एकदम पत्थर की तरह समुद्र की सतह पर निष्क्रिय पड़ी रहती है। जैसे ही कोई शिकार इसके पास आता है यह झपटकर उसे पकड़ लेती है। यह एक जहरीली मछली है और इसका शिकार हृदयाघात से बेहद दर्दनाक मौत मरता है।

वैम्पायर स्क्विड

यह गहरे पानी में पाया जाने वाला एक प्रकार का स्क्विड ही है जिसने अपने आप को गहरे पानी के अनुकूल ढाल लिया है। यह अँधेरे में बल्ब के सामान चमकीली संरचनाओं से प्रकाश उत्पन्न करता है। खतरा महसूस होने की स्थिति में यह चमकीली स्याही छोड़ता है जिससे शिकारी चौंक जाता है और यह मौके का लाभ उठाकर बच निकलता है।

मड स्किपर

यह ऐसे समुद्र तटीय क्षेत्रों में रहती है जहाँ ज्वार और भाटा निरंतर आता रहता है। यह खारे पानी और जमीन दोनों पर रह सकती है। यह एम्फीबियन प्रजाति की तरह ही त्वचा से साँस ले सकती है।

एंगलर फिश

लगभग सभी महासागरों में पाई जाने वाली यह मछली आकार में १ मीटर तक लम्बी हो सकती है। इसके सर पर चारे के सामान संरचना होती है जिसे यह जब हिलाती है तो जीवन के लिए संघर्ष करते हुए चारे के सामान प्रतीत होता है जिससे दूसरी मछलियां आकर्षित होती हैं और इसका आसान शिकार बन जाती हैं।

हैमर हेड शार्क

देखने में किसी दूसरी दुनिया के जीव सी लगने वाली यह शार्क सामान्य रूप से दुनिया भर के महासागरों में पाई जाती है। इसकी ऑखें शरीर से बहुत दूर होती हैं जो इसे ज्यादा क्षेत्र तक देखने में सक्षम बनाती हैं।

सोना सूख गया

चीन में हुनसेन नाम का राजा शासन करता था। वह बहुत कंजूस था। दान-पुण्य तो दूर, जनता की जरूरतें पूरी करने के लिए भी धन नहीं निकालता था। उसके पास सोने-चांदी का अपार भंडार था, लेकिन वह किसी की मदद नहीं करता था। राजा के महल से कुछ दूरी पर सिनचिन नामक एक वृद्ध की छोटी-सी झोंपड़ी थी। सिनचिन उस समय चीन का सबसे बुद्धिमान व्यक्ति माना जाता था। राजा की आदतों से वह भी परेशान था। अतः उसने राजा को सबक सिखाने की ठान ली।

एक दिन वह अपने मित्रों से सोने के नन्हे-नन्हे चार टुकड़े उधार लाया। उसने सोने के उन टुकड़ों को पीली चमकती हुई एक बड़ी छलनी में रखा और पास बहती नदी के किनारे जा बैठा। इस नदी पर राजा रोज स्नान करने आता था। सिनचिन ने दूर से ही राजा को आते हुए देखा। वह ऐसा अभिनय करने लगा, मानो छलनी में कुछ छान रहा हो। राजा ने उसके पास आकर पूछा, ल्लसिनचिन, यह क्या कर रहे हो? तुम्हें सुबह-सुबह रेत छानने की क्या आवश्यकता पड़ गई?

सिनचिन ने कहा, महाराज, मैं तो इस रेत में छिपा सोना ढूंढ़ रहा हूं ङ्क

राजा कुछ कहता, इससे पहले ही सिनचिन ने छलनी भर रेत निकाली और छान दी। छलनी के ऊपर सोने के चार छोटे-छोटे टुकड़े चमक रहे थे। राजा ने आश्चर्य से पूछा, ल्लरेत में सोना! यह कैसे किया?

सिनचिन ने समझाते हुए जवाब दिया, ल्लहुजूर, आज से महीना भर पहले मैंने सोने का एक छोटा सा टुकड़ा इस जगह पर बोया था। देखिए हुजूर, पूरे चार टुकड़े निकले हैं। यदि मैं कुछ और सब्र करता, तो यहां बहुत से टुकड़े मिलते।

राजा ने चौंकते हुए कहा, ल्लक्या बकवास करते हो? भला क्या सोने की भी खेती की जा सकती है?

सिनचिन ने कहा, क्यों नहीं हुजूर? आप खुद ही देख लीजिए। मैं तो गरीब आदमी हूं। पिछले दस वर्षों से इसी प्रकार सोना बोता हूं और काट लेता हूं। इसी सोने से मेरा पेट पलता है।

राजा ने नाराजगी भरे स्वर में कहा, तुमने मुझे पहले क्यों नहीं बताया? मेरे पास तो सोने का ढेर है। मुझे पता होता, तो मैं सारा सोना बो देता। आज तक तो मेरा महल सोने से भर गया होता।

इस पर सिनचिन ने कहा, हुजूर, अब भी देर नहीं हुई है। आप अब भी बो लीजिए। छह महीने बाद देखिएगा, तो फसल लहलहाती नजर आएगी।

राजा ने सिनचिन के कंधे पर हाथ रखते हुए जवाब दिया, देखो सिनचिन, तुम तो एक अनुभवी आदमी हो। मेरी ओर से तुम सोने की खेती करो। इसके लिए तुम्हें जितना सोना चाहिए, तुम ले सकते हो। आज ही मेरे साथ महल में चलो। इस काम के लिए तो तुम मेरे सेवकों को भी साथ ले सकते हो।

सिनचिन तो मानो इस मौके की प्रतीक्षा में था। वह तुरंत राजी हो गया। वह महल में गया और सोने के ढेरों टुकड़े ले आया। राजा ने अपने दस सेवक भी सिनचिन को मदद के लिए दे दिए।

देखते ही देखते, नदी के किनारे खुदाई का काम शुरू हो गया। सिनचिन के कहे अनुसार, सेवकों ने वहां पर सोना बीज की तरह बो दिया। ऊपर रेत डाल दी। सिनचिन ने राजा को आश्वासन दिया कि छह महीने बाद बोए हुए सोने का तीन गुना सोना मिल जाएगा।

इस बीच सिनचिन रोज रात को नदी किनारे जाने लगा। वहां पर वह रोज थोड़ा सा हिस्सा खोदता और वहां दबा सोना अपने झोले में रख लाता। अगले दिन सुबह ही वह सारा सोना गरीबों में बांट देता था। धीरे-धीरे जनता की गरीबी मिटने लगी। इधर राजा इंतजार करता रहा कि कब छह महीने पूरे हों और उसे बोए हुए सोने का तीन गुना सोना मिले। धीरे-धीरे छह महीने भी पूरे हो गए। राजा ने सिनचिन को दरबार में बुलाया। उसे आदेश दिया कि वह सारा सोना खोद लाए। सिनचिन ने इस काम के लिए कुछ सेवकों की मांग की। राजा ने इस बार बीस सेवक उसके साथ कर दिए। सेवकों ने उस स्थान पर काफी गहराई तक खुदाई की, रेत को छाना। लेकिन सभी यह देखकर आश्चर्य में पड़ गए कि उसमें सिवाय दो-चार सोने के टुकड़ों के कुछ नहीं था। सिनचिन भागा-भागा राजा के पास पहुंचा। रोते हुए बोला, हुजूर, आपकी किस्मत खराब थी। जमीन में सोने के दो-चार सूखे हुए टुकड़ों के अतिरिक्त कुछ भी नहीं निकला है।

राजा ने आश्चर्य से पूछा, ल्लसूखे हुए टुकड़े! तुम्हारा मतलब क्या है? सिनचिन ने जवाब दिया, हां हुजूर, इस बार सारा सोना सूख गया है। आप तो जानते ही हैं, इस बार बारिश बिल्कुल नहीं हुई। सारी फसल सूख गई। आपका बहुत नुकसान हो गया इस बार।

हुनसेन ने डांटते हुए पूछा, भला सोना सूख कैसे सकता है? यह तो ठोस चीज है।

सिनचिन ने मुसकराते हुए कहा, हुजूर, आपने इतनी बातों पर विश्वास कर लिया कि सोना बोया जा सकता है, सोने की फसल लहलहा सकती है, सोना काटा जा सकता है। फिर भला इतनी सी बात पर विश्वास क्यों नहीं करते कि सोना सूख गया? राजा निरुत्तर हो गया। मंत्रियों से सलाह ली, तो उन्होंने कहा, सिनचिन ठीक कहता है। वाकई यदि सोना बोया जा सकता है, तो सूख भी सकता है। अब तो राजा से कुछ कहते नहीं बना। वह सिर पकड़कर बैठ गया। सिनचिन ने कंजूस राजा को अच्छा सबक सिखा दिया था।

बस्तर की जनजातियों से जुड़ी रोचक जानकारी

आधुनिक भारत में आज भी कई ऐसे स्थान है जहां पर बरसों से चली आ रही जनजातियां निवास करती हैयु तो भारतीय इतिहास में आदिवासी जनजाति संस्कृति का बहुत महत्व है. लेकिन समय के साथ बहुत सी जनजातियों ने स्वयं में बदलाव किये है. जैसे हलबा व भतरा जनजाति इत्यादि. अगर संपूर्ण विश्व की बात की जाए तो सबसे ज्यादा जनजातियां भारत में पाई जाती है जैसे कोल, भील, पहाड़िया, कमार, थारू जनजाति इत्यादि. लेकिन आज हम आपको बस्तर में पाई जाने वाली प्राचीन समय से लेकर अब तक चली आ रही जनजातियों के बारे में बताने जा रहे हैं. ये जनजातियां बस्तर व बस्तर के आस पास के इलाको में निवास करती है. तो जानते हैं इन जनजातियों के बारे में

जनजाति का अर्थ

जनजाति को समझने के लिए पहले हमें प्रकृति व जंगलों में रहने वाले मनुष्य के समुदाय को बारीकी से समझना चाहिए. जनजाति वह होती है जो सभी लोगों से दूर पर्वतों, जंगलों, वनो इत्यादि में निवास करती हैं. जिन की भाषा अलग होती है जो भूत-प्रेत, दैवी शक्तियों में बेहद विश्वास रखते हैं. जिन का व्यवसाय जंगली शिकार व जंगली पेड़ पोधो पर निर्भर रहता है जंगलो में पाई जाने वाली लगभग 90 % जनजातीय असभ्य व हिंसक होती हैजिस प्रकार जंगली जानवर अपने इलाके की रक्षा के लिए अपनी जान तक दे सकता है ठीक इसी प्रकार ये जनजातीया अपने इलाके की रक्षा करती है. अमूमन सभी जनजाति माँसाहारी होती है.

भारत के बस्तर इलाके में पाई जाने वाली जनजातियां

बस्तर में पाई जाने वाली जनजातियों से पहले आपको बस्तर इलाके के बारे में समझना होगा. बस्तर एक जिला है जो चार संस्कृतियों से घिरा हुआ है इसके चारों तरफ छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, उड़ीसा और महाराष्ट्र की सीमाएं लगती है. इस जिले के जंगलो में हजारों सालों से विभिन्न जनजातियाँ निवास करती हैं जिनमे से प्रमुख जनजातियों का विवरण इस प्रकार है :

1. माडिया जनजाति

माडिया जनजाति बस्तर के जंगलों में पाई जाने वाली जनजाति है. यह जनजाति बस्तर के पहाड़ी इलाकों व जंगलों में निवास करती है. माडिया जनजाति को दो भागों में बांटा गया है 1. अबुझ माड़िया 2. दण्डामी माड़िया (बाईसन होर्न माड़िया)

अबूझ मडिया पहाड़ों के घने जंगलों में निवास करती है व दण्डामी माड़िया समतल इलाके के जंगलों में निवास करती हैये लोग माड़िया भाषा बोलते है.

इन दोनों जनजातियों की संस्कृति आपस में मिलती जुलती है और यह दोनों ही जनजातियां बाहरी लोगों का अपने इलाके में आना पसंद नहीं करती. जब भी कोई व्यक्ति इनके इलाके में प्रवेश करता है तो यह असहज महसूस करते हैं व बाहरी व्यक्ति पर तीर कमान से हमला कर देते हैं. हमले के बाद इस जनजाति के लोग कर्कश ध्वनि के द्वारा अपनी ताकत का एहसास कराते हैं. माडिया जनजाति के पुरुषों का स्वभाव नटखट व नाच गाने वाला होता है. यह लोग शराब के शौकीन होते हैं. इस जनजाति लोग अच्छी फसल प्राप्त करने के लिए अपने देवताओं के सम्मान में लकड़ियों के द्वारा आग जला कर उसके चारों ओर नृत्य करते हैं. माडिया जनजाति सर्वाहारी जनजातियों की श्रेणी में आती है. इस जनजाति के लोग बहुत बहादुर होते है ँ इस जनजाति के पुरुष शिकार के लिए बाघ, भालू, तेंदवे से भी लोहा लेने से नहीं कतराते. यु तो माडिया जनजाति बाघ का बेहद सम्मान करती है परंतु जब बाघ इन पर हमला करता है तो आत्म रक्षा में बाघ को भी मार सकते है. माड़िया लोगो में घोटुल परंपरा का पालन होता है व यह लोग काकसार नाम के कुल देवता की अराधना करते हैं.

2. हलबा जनजाति

हलबा जनजाति छत्तीसगढ़ (बस्तर) में पाई जाने वाली एक विशाल जनजाति है इस जनजाति के लोग छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के इलाकों में निवास करते हैं. प्राचीन समय में यह जनजाति भी जंगलों में रहती थी परंतु आज के समय में इस जनजाति के लोग गावो की तरफ भी पलायन कर रहे हैंहलबा जनजाति 17 वीं शताब्दी में बस्तर राज्य के प्रमुख और सबसे प्रभावशाली जनजातीय समूहों में से एक थीं ँ उस समय हलबा जनजाति बस्तर राज्य की राजनीति और सेना में सक्रिय थीं. देश के विभिन्न हिस्सों में प्रवास के बाद हलबा जनजाति ने अपनी आजीविका के लिए अलग-अलग व्यवसाय को अपना लिया .जैसे कृषि, बुनाई, मजदूरी इत्यादि हल्बा जनजाति की भाषा हल्बी है, जो मराठी और ओडिया का संयोजन से बनी है व ये लोग देवी माँ दंतेश्वरी की पूजा करते है.

3. भतरा जनजाति

भतरा जनजाति प्राचीन काल में सम्पूर्ण बस्तर जिले में फैली हुई थी इस जनजाति के लोग कला और नाटक प्रेमी होते थे. इन्हें पेंटिंग करना व नाच गाना पसंद था. परंतु समय के साथ इस जनजाति के लोगो ने खुद में बदलाव किया और यह भी समय की दौड़ के साथ चलना सिख गए. आज भतरा जनजाति के लोगों ने आधुनिक बनना शुरू कर दिया है. इस जनजाति के लोग आज कल शहरों में रोजगार की लिए निवास करते हैं. प्राचीन समय में इस जनजाति के लोगो का प्रिय भोजन केकड़ा व पक्षियों का मॉस था.

4. मुरिया जनजाति

मुरिया जनजाति को बस्तर की मूल जनजाति कहा जाता है अर्थात इस जनजाति के लोग हमेशा से इस इलाके में रहे हैं इस जनजाति के लोगों को श्रृंगार करना व कलात्मक वस्तुएं बनाना पसंद है. मुरिया जनजाति में माओपाटा के रूप में एक आदिम शिकार नृत्य किया जाता है जिसमे इस जनजाति के सभी पुरुष बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेते है. नृत्य के समय युवा पुरुष नर्तक अपनी कमर में पीतल अथवा लोहे की घंटियां बांधे रहते है साथ में छतरी और सिर पर आकर्षक सजावट कर नृत्य करते है.